सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹119534/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹145990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹159362/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, सोमवार 25 मई 2026

एनसीआरबी की रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही, 2023 में 7868 ने की खुदकुशी, यह पिछले आंकड़ों से थोड़ा कम, पर टेंशन ज्यादा

डरावना सच...बढ़ रहे आत्महत्या के मामले
देश के टॉप फाइव राज्यों में छत्तीसगढ़ चौथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में आत्महत्याओं का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन खुदकुशी की खबरें आ रही हैं। रोजाना खुद ही जान देने के मामले इतने बढ़े हैं कि छत्तीसगढ़ देश में आत्महत्या के मामलों में चौथे स्थान पर है यानी देश में टॉप फाइव के स्थान पर आ गया है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट 2023 के मुताबिक राज्य में 7,868 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। आत्महत्या दर प्रति एक लाख आबादी पर 26 रही, जो राष्ट्रीय औसत 12.3 से दोगुने से भी अधिक है। एनसीआरबी के अनुसार आत्महत्या दर के मामले में छत्तीसगढ़ देश के राज्यों में चौथे स्थान पर रहा। इससे पहले सिक्किम, केरल और तेलंगाना जैसे राज्य हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में राज्य में 8,446 आत्महत्याएं दर्ज हुई थीं, जबकि 2023 में इसमें करीब 6.8 प्रतिशत की कमी ⏭शेष पेज 7 पर

इन कारणों से हो रही है खुदकुशी

जानकारों का मानना है कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ग्रामीण आर्थिक दबाव, पारिवारिक विवाद, शराब की लत, कर्ज और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित उपलब्धता भी बड़ी वजहों में शामिल हो सकती हैं। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं पर उठ रहे सवालस्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि आत्महत्या केवल कानून-व्यवस्था या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का बड़ा मुद्दा बन चुकी है। राज्य में काउंसलिंग सेवाओं, मनोचिकित्सकों और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की उपलब्धता बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

केस स्टडी

फेल होने के डिप्रेशन में छात्र ने की खुदकुशी

बी.टेक तृतीय वर्ष के छात्र गौरव जायसवाल परीक्षा में तीन बार फेल होने से बुरी तरह से अवसाद में आ गया और उसने चार दिन पूर्व अशोका रतन के 10वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। गौरव अपने तीन भाई बहनों में इकलौता भाई था। परीक्षा में बार-बार असफल होने के बाद गौरव को उनके माता पिता ने ढांढस बंधाते हुए बिजनेस करने की सलाह दी थी। इसके लिए गौरव को उनके माता-पिता पैसा देने के लिए भी तैयार थे।

एम्स के छात्र ने दवा की ओवरडोज लेकर की खुदकुशी

एम्स के छात्र ओडिशा, भुवनेश्वर निवासी रंजीत भोयर (25) दो वर्ष पूर्व वर्ष मई में दवा की ओवरडोज लेकर खुदकुशी कर ली थी। खुदकुशी करने का कारण छात्र द्वारा पीजी इंटर्न की परीक्षा पास नहीं की थी तब से वह अवसाद में था, जिसका वह उपचार करा रहा था।

अभनपुर में अधेड़ प्रेमी जोड़े ने की खुदकुशी

अभनपुर थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व शादी शुदा अधेड़ प्रेमी जोड़ा शारदा भारती (38) तथा शिव कुमार कुर्रे (45) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि दोनों के संबंधों की जानकारी परिवार और आसपास के लोगों को लग गई थी। इसके हाद प्रेमी जोड़ा तनाव में थे। लोक लाज की भय से दोनों ने साथ में जहर सेवन कर खुदकुशी कर ली।

पत्नी, बेटे की मौत से गमजदा कारोबारी ने की सुसाइड

कोतवाली थाना क्षेत्र में सराफा कारोबारी प्रवाल सोनी ने तीन दिन पहले अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कारोबारी के खुदकुशी करने का कारण एक वर्ष पूर्व बेटी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने के कुछ माह बाद कारोबारी की पत्नी ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। पत्नी तथा बेटे की मौत के बाद कारोबारी डिप्रेशन में आ गया था। इसके बाद उसने भी खुदकुशी जैसे आत्मघाती कदम उठाया।

खबर संक्षेप

नीट अभ्यर्थी ने फंदे से लटककर की खुदकुशी

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) देने वाली एक छात्रा ने अपने घर पर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। छात्रा के पिता राजशेखर ने बताया कि भाग्यश्री (18) पढ़ाई में बहुत अच्छी थी। उसने पीयूसी परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। हमारे परिवार में कोई परेशानी या समस्या नहीं थी, हम खुशी से रह रहे थे।

संसद रत्न पुरस्कारों के लिए चुने गए 12 सदस्य

नई दिल्ली। इस साल के संसद रत्न पुरस्कारों के लिए 12 सांसदों और चार संसदीय समितियों का चयन किया गया है। इनमें जगदंबिका पाल (यूपी), पी. पी. चौधरी (राजस्थान), निशिकांत दुबे (झारखंड), श्रीकांत एकनाथ शिंदे (महाराष्ट्र), प्रवीण पटेल (यूपी), विद्युत बरन महतो (झारखंड), लुम्बाराम चौधरी (राजस्थान), हेमंत विष्णु सवरा (महाराष्ट्र), स्मिता उदय वाघ (महाराष्ट्र), नरेश गणपत म्हस्के (महाराष्ट्र), मेधा विश्राम (महाराष्ट्र) और नरहरि अमीन (गुजरात) हैं।

बाघ के हमले में महिला की मौत, चार घायल

उमरिया। मप्र के उमरिया जिला स्थित विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य क्षेत्र में एक बाघ ने रविवार अलसुबह ग्रामीणों पर हमला कर दिया, जिससे एक महिला की मौत हो गई। इस घटना में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना अभयारण्य के पनपथा रेंज अंतर्गत पनपथा गांव में तड़के करीब 3 बजे हुई। बाघ के इस हमले में मारी गई महिला की पहचान पहलू पाल की पत्नी फूल बाई पाल (40) के रूप में हुई है।

सोसाइटी में कमी और निजी दुकानों पर मनमानी वसूली, सरकार कर रही सख्ती, कई जगहों पर छापेमारी

खुले बाजार में कालाबाजारी, 266 की यूरिया 500 और 1350 की डीएपी 2500 तक बिक रही

रायपुर-ललित राठोड़, भिलाई- देवीलाल साहू, राजनांदगांव- हफीज खान, खैरागढ़- चैतेंद्र तिवारी, धमतरी-दिलीप देवांगन, भाटापारा- संजीव तिवारी, तखतपुर-टेकचंद कारडा, जांजगीर-चांपा-अभिषेक शुक्ला की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

मानसून से पहले यूरिया और डीएपी खाद की कालाबाजारी ने किसानों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। सीमित मात्रा में खाद उपलब्ध कराने के नाम पर दुकानदार निर्धारित सरकारी मूल्य से अधिक कीमत वसूल रहे हैं। विशेषकर यूरिया और डीएपी खाद की बिक्री में मनमानी कीमत लिए जाने की बात सामने आ रही है। जब हरिभूमि ने रायपुर समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में इसकी पड़ताल की तो पता चला कि सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य और वास्तविक बिक्री दर में बड़ा अंतर है। जहां यूरिया का सरकारी रेट 266.50 रुपए है, वहीं दुकानों में यह 300 से 500 रुपए तक बेची जा रही है। इसी तरह डीएपी का निर्धारित मूल्य करीब 1350 रुपए होने के बावजूद दुकानों में 1500 रुपए से अधिक वसूले जाने की शिकायतें हैं। खाद की लिमिट लागू होने के बाद जरूरत के मुताबिक खाद नहीं मिल रही है। कई दुकानों में स्टॉक कम या सप्लाई सीमित बताकर अधिक कीमत वसूली जा रही है। आलम यह है कि किसानों को यदि तय मात्रा से अधिक खाद चाहिए तो अतिरिक्त पैसे देने पड़ रहे हैं।

यूरिया 400 रुपए बोरी डीएपी 1500 के पार

रायपुर में यूरिया और डीएपी निर्धारित मूल्य से अधिक में बेची जा रही है। जब हरिभूमि टीम भाठागांव स्थित कृषि केंद्र में दाम जांचने पहुंची तो ज्यादातर दुकानदारों ने स्टॉक खत्म होने की बात कही और नया स्टॉक 2 से 3 दिन में आने की जानकारी दी। कैमरे में कैद हुई बातचीत में दुकानदार ने कहा कि नए स्टॉक में 266.50 रुपए की यूरिया 400 रुपए में मिलेगी, वहीं 1350 रुपए वाली डीएपी खाद के 1550 रुपए देने पड़ेंगे। दुकानदार ने बताया कि किल्लत चल रही है, ऐसे में आगे स्टॉक ज्यादा नहीं मिलेगा, इसलिए लोग एडवांस में पैसे देकर यूरिया और डीएपी खरीद रहे हैं।

दो से तीन गुने दामों पर बिक रही यूरिया

जांजगीर-चांपा जिले में यूरिया और डीएपी खाद की कालाबाजारी जोरों पर है। सोसाइटी में खाद की किल्लत और सीमित मात्रा में वितरण के नियम ने खुले बाजार में इनकी कीमतों में आग लगा दी है। स्थिति यह है कि 266 रुपए की यूरिया 5-6 सौ रुपए में बिक रही है। डीएपी खाद की कीमत भी जहां 1350 रुपए है, वहीं बाजार में उसकी बिक्री 2200-2300 प्रति बोरी तक हो रही है। जांजगीर-चांपा और सक्ती जिले में किसान खरीफ फसल की तैयारी में जुट गए हैं। **तखतपुर में** सीमित मात्रा में खाद उपलब्ध कराने के नाम पर दुकानदार निर्धारित सरकारी मूल्य से अधिक कीमत वसूल रहे हैं। दुकानों में यूरिया 300 तक बेचा जा रहा है।

थंब लगाने के बाद ही...

भिलाई-दुर्ग जिले में खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए ई-पॉस मशीन पर थंब लगाने के बाद ही किसानों को खाद दी जा रही है। सहकारी समितियों और निजी कृषि विकास केंद्रों में यही व्यवस्था लागू की गई है, यानी जो किसान समितियों से खाद का उठाव करेगा, वह निजी दुकानों से खाद नहीं खरीद सकता।

शॉर्टेज बताया जा रहा

खैरागढ़ में सरकार द्वारा खाद की लिमिट तय करने के बाद से क्षेत्र में खाद की कालाबाजारी बढ़ गई है। सहकारी समितियों में 266.50 रुपए में मिलने वाली यूरिया 550 से 600 रुपए में मिल रही है, वह भी तब जब लदान (अन्य उत्पाद) के रूप में किसान लीटर-दो लीटर दवाई लेता है।

सोसाइटी में खाद की लिमिट और बाजार में कालाबाजारी से जूझ रहे किसान

राजनांदगांव में किसानों को खाद उपलब्ध कराने के लिए समितियों में लिमिट तय होने के बाद खुले बाजार में खाद की कालाबाजारी बढ़ गई है। किसानों द्वारा डीएपी और यूरिया की अधिक मांग रहती है, ऐसे में इन दोनों खाद पर ही जमकर कालाबाजारी की जाती है। खुले बाजार में सरकारी दाम से लगभग दोगुनी दर पर खाद की बिक्री हो रही है। इस वर्ष खाद की कमी को देखते हुए शासन द्वारा इसकी लिमिट तय कर दी गई है। इसके चलते समितियों से खाद नहीं मिल पाने की वजह से किसान बाजार से इसकी खरीदारी अधिक दामों पर करने को मजबूर हो रहे हैं। वहीं पोटाश के दाम भी 1535 से बढ़कर लगभग 1800 रुपए पर पहुंच गए हैं। सोसाइटी में राखड़ और यूरिया खाद की उपलब्धता तो है, लेकिन डीएपी खाद किसानों को नहीं मिल पा रही है। बाजार में यूरिया लगभग 500 प्रति बोरी और डीएपी 2200 से 2400 रुपए के बीच मिल रही है।

खाद लेने किसानों को बी-1 देना पड़ रहा

राज्य सरकार ने वर्तमान खरीफ फसल के लिए खाद वितरण में जो नियम लागू किया है, उसका पालन भाटापारा ब्लॉक की खाद दुकानों में गंभीरता से किया जा रहा है। लिमिट और तय नियम के अनुसार 5 एकड़ तक के किसानों को 3 बोरी यूरिया व 4 बोरी डीएपी दी जा रही है। वहीं 5 एकड़ से ऊपर के किसानों को 1 बोरी प्रति एकड़ के हिसाब से यूरिया-डीएपी का वितरण किया जा रहा है। खाद लेने के लिए किसानों को वर्तमान में बी-1 और आधारकार्ड देना पड़ रहा है।

दुर्ग जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक

दुर्ग जिले में 1.32 लाख किसान हैं। इन किसानों को खरीफ 2026 हेतु कुल 67880 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में सहकारी एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर जिले में 29035 मीट्रिक टन खाद का भंडारण किया गया है। जिले के 10,171 किसानों को कुल 10171 मीट्रिक टन खाद बांटी जा चुकी है। वर्तमान में जिले में कुल 18865 मीट्रिक टन खाद शेष है।

सक्ती में सात दुकानदारों के लाइसेंस सस्पेंड

खाद की कालाबाजारी रोकने कृषि विभाग की टीम द्वारा लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है। सक्ती जिले में खाद की कालाबाजारी रोकने प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कृषि विभाग की टीम लगातार छापामार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में खाद विक्रय में गड़बड़ी पाए जाने पर सात दुकानदारों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए हैं। इनमें कोमल प्रसाद जायसवाल साराडीह, योगेश कुमार अग्रवाल फगुरम, सक्ती आधुनिक एफपीओ भातमाहुल, किसान खाद भंडार सक्ती, विकास कुमार अग्रवाल बाराद्वार, आदित्य ट्रेडर्स कुधरी, धन लक्ष्मी कृषि केंद्र लवसरा शामिल हैं।

दोगुने दाम पर खरीदने की बनी मजबूरी

धमतरी में राजेश ट्रेडर्स के संचालक ने बताया कि यूरिया बोरी 266 रुपए में बेच रहे हैं, लेकिन इसके साथ 225 रुपए की नैनो यूरिया भी खरीदनी पड़ेगी। उन्होंने डीएपी 1450 रुपए बोरी और साथ में 600 रुपए की नैनो डीएपी लेना अनिवार्य बताया। मधु ट्रेडर्स में भी यही हाल है। किसान शांतिलाल देवांगन और सेवकराम पटेल ने कहा कि खेतों में दो बोरी यूरिया और दो बोरी डीएपी प्रति एकड़ की आदत पड़ गई है। कम खाद से उपज व्यापक रूप से प्रभावित होगी।

आरोपी की गिरफ्तारी से समाज में नाराजगी

मां बम्लेश्वरी धाम में बैगा पूजा पर बवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

डोंगरगढ़ के मां बम्लेश्वरी धाम में मुर्गे की कथित बलि और बैगा पद्धति से पूजा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले ने डोंगरगढ़ में वर्षों से चल रहे मंदिर ट्रस्ट और आदिवासी गोंड समाज के बीच टकराव को फिर हवा दे दी है। राज बैगा किशोर नेताम की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में माहौल गर्म है और आदिवासी समाज खुलकर विरोध में उतर आया है। मिली जानकारी के मुताबिक 19 मई को मां बम्लेश्वरी के ऊपरी मंदिर में पुराने रोपवे के पास एक चट्टान को गढ़ माता मानकर बैगा पद्धति से पूजा-अर्चना की गई। इसी दौरान कथित रूप से मुर्गे की बलि देने का आरोप लगा। ⏭शेष पेज 7 पर

भड़का पुराना विवाद

ट्रस्ट की शिकायत पर राज बैगा किशोर नेताम की गिरफ्तारी के बाद पुराना विवाद फिर भड़क उठा है। आदिवासी और गोंड समाज का कहना है कि मां बम्लेश्वरी धाम से उनकी आस्था और बैगा परंपरा का संबंध सदियों पुराना है। समाज के लोगों का दावा है कि पहाड़ी और शक्तिपीठों में लोक परंपरा के अनुसार पूजा होती रही है और अब उसी परंपरा को अपराध बताकर कार्रवाई की जा रही है।

वर्षों से चल रहा है विवाद

दरअसल डोंगरगढ़ में मंदिर ट्रस्ट और आदिवासी समाज के बीच विवाद नया नहीं है। पिछले कई वर्षों से ट्रस्ट में प्रतिनिधित्व, पूजा अधिकार और पारंपरिक व्यवस्थाओं को लेकर लगातार खींचतान चल रही है। आदिवासी समाज कई बार यह मांग उठा चुका है कि मंदिर ट्रस्ट में गोंड समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए और बैगा परंपरा को सम्मान मिले। नवरात्रि के दौरान गर्भगृह प्रवेश और पंचमी भेंट को लेकर भी पहले बड़ा विवाद खड़ा हो चुका है।

आरोपी गिरफ्तार

ट्रस्ट समिति की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी किशोर नेताम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

-केसरी नंदन नायक, एसडीओपी

पूरी रात चिंघाड़ता रहा हाथियों का झुंड

मां की आंखों के सामने चली गई नन्हे गजराज की जान

धरमजयगढ़ वनमण्डल के छाल वन परिक्षेत्र की घटना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

धरमजयगढ़ वन मंडल में शनिवार रात एक बेहद मार्मिक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई। छाल रेंज के एडू परिसर स्थित आमागुड़ा-पुसल्दा तालाब में दलदल में फंसने से एक बेबी एलीफेंट की मौत हो गई। घटना के दौरान मां हथिनी अपने शावक को बचाने के लिए पूरी रात कोशिश करती रही, लेकिन वह उसे मौत के मुंह से बाहर नहीं निकाल सकी। जानकारी के मुताबिक, छाल रेंज क्षेत्र में इन दिनों 52 हाथियों का बड़ा दल विचरण कर रहा है। शनिवार रात हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर आमागुड़ा-पुसल्दा तालाब पहुंचा था। संभावना जताई जा रही है कि हाथी पानी पीने और नहाने के लिए तालाब में उतरे थे। इसी दौरान एक नन्हा शावक दलदल में फंस गया और बाहर नहीं निकल सका। बताया जा रहा है कि शावक के फंसने के बाद हाथियों का पूरा दल तालाब के आसपास ही डटा रहा। रातभर हाथियों की चिंघाड़ जंगल में गूंजती ⏭शेष पेज 7 पर

दलदल में फंसने से मौत की आशंका

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकता है। हालांकि प्रारंभिक तौर पर दलदल में फंसने से मौत की आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि रायगढ़ जिले में इस वर्ष हाथी शावकों की लगातार हो रही मौतें चिंता का विषय बनती जा रही हैं। जनवरी से अब तक जिले में 8 हाथी शावकों की मौत हो चुकी है, जिससे वन्यजीव संरक्षण और हाथियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026
Empowering students for a brighter future
AGRICULTURAL PROGRAMMES
■ B.Sc. (H) Agriculture
■ M.Sc. Agriculture
APPROVAL & RECOGNITIONS
■ Approved by UGC
■ Accredited by ICAR
■ Re-accredited by NAAC with A++ Grade
■ Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
NIRF INDIA RANKINGS 2025
■ 15th Best in University Category
■ 25th Best in Overall Category
INTERNATIONAL RANKINGS 2026
■ Ranked in QS World Rankings 2026
■ Ranked in Times World Rankings 2026
To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कम समय के अंतराल पर बार-बार अग्रिम ज़मानत याचिकाएं दायर करने की प्रथा पर नाराज़गी ज़ाहिर की। कोर्ट ने कहा कि अग्रिम ज़मानत का उपाय, जिसका मकसद किसी आरोपी की निजी आज़ादी को पहले से ही सुरक्षित रखना है, उसे महज़ एक जुआ बनाकर नहीं रखा जा सकता।

महिला अपने बेटे-बहू के खिलाफ धोखाधड़ी में अग्रिम जमानत मिलने पर पहुंची सुप्रीम कोर्ट

बार-बार अग्रिम जमानत याचिकाएं दायर करना प्रक्रिया का दुरुपयोग इससे मुकदमेबाजी महज जुआ बनकर रह जाती है : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच द्वारा पारित आदेश रद्द किया। इस आदेश में प्रतिवादी-आरोपी को उसकी लगातार तीसरी याचिका पर अग्रिम ज़मानत दी गई थी। कोर्ट ने पाया कि पिछली दो अग्रिम ज़मानत याचिकाएं दो महीने के भीतर ही खारिज हो गई थीं, जिसके तुरंत बाद तीसरी याचिका दायर की गई थी। इस तरह से लगातार एक के बाद एक अग्रिम ज़मानत याचिकाएं दायर करना यानी तीन महीनों में तीन याचिकाएं उस कानूनी प्रक्रिया को, जिसका मकसद योग्य मामलों में किसी व्यक्ति की निजी आज़ादी को पहले से ही सुरक्षित रखना है, महज़ एक जुआ बनाकर रख देता है। यह प्रक्रिया के दुरुपयोग से कम कुछ भी नहीं है।

मामले की पृष्ठभूमि

यह मामला एक 75 वर्षीय माँ (शिकायतकर्ता-अपीलकर्ता) द्वारा अपने बेटे और बहू पर लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। माँ ने उन पर धोखाधड़ी करने और पारिवारिक संपत्ति की बिक्री से मिली रकम का गबन करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक 'समझौता विलेख' के ज़रिए पारिवारिक संपत्तियां अपने नाम करवाने के बाद आरोपियों ने उन्हें विकास कार्यों के नाम पर 11 एकड़ से ज़्यादा ज़मीन बेचने के लिए उकसाया और ज़मीन की बिक्री से मिली रकम के बारे में उन्हें गलत जानकारी दी।

बाद में बूढ़ी मां को छोड़ दिया बेसहारा

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें बुढ़ापे में सहारा देने का वादा करके उनका घर भी बेटे के नाम करवा लिया था, लेकिन बाद में उन्हें बेसहारा छोड़ दिया और घर से बाहर निकाल दिया। उनकी शिकायत के आधार पर धारा 406 और 420, और माता-पिता और सीनियर सिटीजन्स का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा 24 के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई।

आरोपियों ने शुरू में सेशंस कोर्ट में अग्रिम ज़मानत मांगी, जिसने जुलाई 2025 में उनकी अर्ज़ी खारिज की। मद्रास हाईकोर्ट में उनकी बाद की अग्रिम ज़मानत याचिकाएं भी अगस्त 2025 में खारिज कर दी गईं। हालांकि, एक महीने के भीतर ही आरोपियों ने हाईकोर्ट की दूसरी बेंच के सामने एक नई अग्रिम ज़मानत याचिका दायर की। पहले ज़मानत खारिज होने के आदेश के बावजूद, हाईकोर्ट ने सितंबर 2025 में उन्हें अग्रिम ज़मानत दी और इस मामले को रियल एस्टेट सौदे से जुड़ा विवाद मान लिया। इस आदेश में न तो पहले ज़मानत खारिज होने के बारे में कोई चर्चा की गई और न ही यह जांचा गया कि क्या परिस्थितियों में कोई ऐसा बदलाव आया था, जिसके आधार पर उन्हें राहत दी जा सके। अग्रिम ज़मानत मिलने के बाद आरोपियों ने एफआईआर रद्द करवाने के लिए भी एक याचिका दायर की। साथ ही आगे की कानूनी कार्यवाही पर अंतरिम रोक भी हासिल कर ली। अग्रिम ज़मानत दिए जाने के इस फैसले को चुनौती देते हुए, शिकायतकर्ता/अपीलकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया।

> तीसरी बार अलग बेंच से जमानत प्राप्त कर लीं

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अपना फैसला

अपील को मंजूर करते हुए कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को गलत ठहराया, जिसमें उसने तीसरी अग्रिम ज़मानत याचिका को बिना सोचे-समझे सिर्फ़ इसलिए मंजूर कर लिया था, क्योंकि उसने इस विवाद को दीवानी प्रकृति का मान लिया था; जबकि पहली नज़र में यह ज़मीन के धोखाधड़ी भरे हस्तांतरण का मामला लग रहा था। कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने इस बात का ज़िक्र नहीं किया कि पहले ज़मानत याचिकाएं खारिज हो चुकी थीं, और न ही उसने यह देखा कि क्या परिस्थितियों में कोई ऐसा बड़ा बदलाव आया था, जिसके आधार पर वह आरोपियों के पक्ष में अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल कर सके। माननीय जज ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि हाईकोर्ट की ही एक दूसरी बेंच ने 04.08.2025 को आरोपियों की ज़मानत याचिका खारिज की थी।

हाईकोर्ट ने जमानत देकर गलती की

कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपियों को अग्रिम ज़मानत देकर गलती की। उसने इस विवाद को गलत तरीके से दीवानी मामला मान लिया, जबकि पहली नज़र में यह 'आपराधिक विश्वास भंग' और 'धोखाधड़ी' जैसे अपराधों के सभी ज़रूरी तत्वों को पूरा करता हुआ प्रतीत हो रहा था।

खबर संक्षेप

असम में दो करोड़ से अधिक की कोडीन सिरप जब्त

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की दो करोड़ रुपये से अधिक बोतल जब्त की गईं और इस सिलसिले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को कछार और कोकराझार जिलों में इस सिलसिले में अभियान चलाये गए। पुलिस ने कहा, ''विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, कछार पुलिस ने एक ट्रक को रोका और उसमें से 2.1 करोड़ रुपये मूल्य का प्रतिबंधित कोडीन फॉस्फेट सिरप बरामद किया।

संपत्ति विवाद पर परिवार के तीन लोगों की हत्या

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के बिछपाड़ी गांव में पैतृक संपत्ति और रुपयों को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने अपने ही परिवार के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि परिवार में कहासुनी होने पर आरोपी अभिषेक (22) ने सबसे पहले अपनी 95 वर्षीय दादी इसरो देवी को निशाना बनाया। जब उसके बड़े भाई संदीप कुमार और चाचा महिंदर ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उसने उन पर भी गोली चला दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की दादी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके चाचा और बड़े भाई ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

फरीदाबाद में बांग्लादेशी छात्र ने आत्महत्या की

फरीदाबाद। बांग्लादेश के एक छात्र ने फरीदाबाद में सूरजकुंड-फरीदाबाद रोड स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रावास में पंखे से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच किसी प्रेम संबंध की ओर इशारा कर रही है। हालांकि मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मुश्ताक के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश का नागरिक था। वह कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था और छात्रावास की दूसरी मंजिल पर एक अन्य छात्र के साथ रहता था।

बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में चमन फाटक रेलवे स्टेशन के पास हुई वारदात

पाक में सैनिकों को ले जा रही ट्रेन पर फिदायीन हमला, 20 की मौत, 100 से ज्यादा लोग घायल

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक भीषण बम धमाके ने हड़कंप मचा दिया। क्वेटा में चमन फाटक रेलवे स्टेशन के पास सैन्य कर्मियों को ले जा रही ट्रेन को निशाना बनाकर किए गए इस शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा में चमन फाटक के पास से जब एक ट्रेन गुजर रही थी, तभी विस्फोटकों से लदी कार ने ट्रेन के एक डिब्बे को टक्कर मार दी। जिसके परिणामस्वरूप एक जोरदार धमाका हुआ। पीड़ितों में सेना के कई जवान भी शामिल थे। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह धमाका रेलवे ट्रैक के पास हुआ, जिससे ट्रेन को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसके प्रभाव से आसपास खड़ी कम से कम 10 गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। घायलों की संख्या को देखते हुए हताहतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

सैनिकों को ले जाने की आतंकी को थी जानकारी

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस ट्रेन को निशाना बनाया गया, वो क्वेटा कैंट स्टेशन से निकली थी और उसमें पाकिस्तानी सेना के जवान सवार थे। मृतकों में जवानों के भी शामिल होने की भी खबर है। ये घटना क्वेटा के चमन फाटक के पास हुई। घटना के बाद सामने आए कथित वीडियो में ट्रेन का भारी नुकसान हुआ दिख रहा है। साथ ही घटनास्थल से धुंआ भी उठता दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि क्वेटा कैंट से आने वाली शटल ट्रेन को चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया। धमाका इतना तेज था कि इंजन समेत ट्रेन के 3 डिब्बे पटरी से उतर गए और 2 डिब्बे पलट गए। पास की पार्किंग में खड़ी दर्जनों गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा है।

रेल मंत्री ने हमले की निंदा की

बलूचिस्तान सरकार के अधिकारी बाबर यूसुफजई ने बताया कि पुलिस, सुरक्षा बल और बचाव कर्मी तुरंत मौके पर पहुंच गए हैं। रेल मंत्री मोहम्मद हनीफ अब्बासी ने इस हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे कायराना आतंकी हमला बताते हुए कहा, ऐसे हमले आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के हौसले को कमजोर नहीं कर सकते। फंसे यात्रियों को निकालने के लिए रेस्क्यू ट्रक और राहत ट्रेन भी मौके पर भेजी गई है। रेल मंत्री ने घटना की रिपोर्ट मांगी है।

बीएलए ने ली हमले की जिम्मेदारी- रिपोर्ट

कुछ अपुष्ट खबरों में दावा किया जा रहा है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने इस फिदायीन हमले की जिम्मेदारी ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने ने कहा, बीएलए की फिदायीन इकाई मजीद ब्रिगेड ने क्वेटा कैंट से पाकिस्तानी सेना के जवानों को ले जा रही एक ट्रेन को फिदायीन हमले में निशाना बनाया है। बीएलए इस अभियान की पूरी जिम्मेदारी लेती है। धमाके के बाद भारी गोलीबारी होने की भी खबर है।

पेशावर जाने वाली ट्रेनों को रोका

पाकिस्तानी मीडिया अनुसार, विस्फोट के तुरंत बाद, एहतियाती उपाय के तौर पर पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर ही रोक दिया गया। प्रांतीय गृह मंत्री के प्रवक्ता बाबर यूसुफजई ने बताया कि धमाके के बाद सभी संबंधित सुरक्षा संस्थानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

बचाव कार्य के साथ जांच भी प्रारंभ

प्रांतीय गृह मंत्री ने आम जनता से अपील की है कि वे घटनास्थल के आसपास भीड़ न जमा करें ताकि बचाव दल और आपातकालीन सेवाएं बिना किसी बाधा के अपना काम जारी रख सकें। फिलहाल, सुरक्षा बल और राहत टीमें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं और बचाव कार्य के साथ-साथ मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

बैठक के बाद बोले अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो

भारत से संबंध बहाल करने नहीं मजबूत करने आया हूं : रुबियो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत दौरे पर हैं। आज उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान रुबियो ने भारत और अमेरिका को 'रणनीतिक सहयोगी' बताया। रुबियो ने कहा, आज का पहला दिन शानदार रहा है। हम आज की अपनी यात्राओं और वार्ताओं के लिए उत्सुक हैं। अमेरिका और भारत सिर्फ सहयोगी नहीं हैं; हम रणनीतिक सहयोगी हैं, और दोनों में संबंध सबसे ताकतवर हैं जो की बेहद महत्वपूर्ण है। रुबियो 26 मई को दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इसमें हिंद-प्रशांत सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। बैठक के दौरान जयशंकर और रुबियो में ईरान युद्ध, होर्मुज, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट, आतंकवाद, व्यापार और हिंद प्रशांत क्षेत्र जैसे कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

रुबियो बोले- भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदार

रुबियो ने कहा, भारत-अमेरिका साझेदारी किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह साझेदारी एशिया से परे सहित दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के अवसर खोलती है। हमारी रणनीतिक साझेदारी ही इस रिश्ते को अलग बनाती है, क्योंकि यह केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह संबंधों को बहाल करने के बारे में नहीं है। यह उस साझेदारी को आगे बढ़ाने के बारे में है जो हमारे पास पहले से ही है।

समय जटिल पर सार्थक चर्चा की उम्मीद : जयशंकर

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका एक गहरी और व्यापक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच संबंध कई क्षेत्रों और वैश्विक मुद्दों को प्रभावित करते हैं और दोनों पक्ष कई मामलों पर समान हित साझा करते हैं। हमारी एक व्यापक, रणनीतिक, वैश्विक साझेदारी है जो गहन और विस्तृत सहयोग पर आधारित है। ये जटिल समय हैं, लेकिन मजबूत साझेदारों के रूप में मुझे विश्वास है कि हम बहुत ही सार्थक चर्चा करेंगे।

रूस ने दागी हाइपरसोनिक मिसाइल यूक्रेन पर 600 ड्रोन से भी हमला

कीव में तबाही का मंजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब और अधिक खतरनाक मोड़ लेता दिख रहा है। यूक्रेन की राजधानी कीव में रविवार रात विनाशकारी हमले देखने को मिले, जब रूस ने ड्रोन और मिसाइलों की भारी बौछार कर दी। यह हमला हाल के हफ्तों में कीव पर हुए सबसे बड़े हमलों में से एक माना जा रहा है। हमले के बाद शहर के कई हिस्सों में आग, धमाकों और धुएं का भयावह मंजर देखने को मिला। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हुई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतें, स्कूल, बाजार और व्यावसायिक भवन क्षतिग्रस्त हो गए।

सैकड़ों ड्रोन और 90 मिसाइलों से कीव पर हमला : यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, रूस ने इस हमले में करीब 600 ड्रोन और 90 मिसाइलों का इस्तेमाल किया। यूक्रेन की एयर डिफेंस प्रणाली ने बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन कई हथियार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने की कड़ी आलोचना

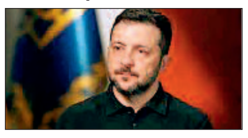

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने इस बार 'ओरेशनिक' नामक शक्तिशाली हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का भी इस्तेमाल किया। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रूस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह हमला किसी सैन्य लक्ष्य पर नहीं बल्कि आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया।

गंगा दशहरा...

हरिद्वार। गंगा दशहरा पर हरकीपौड़ी में डुबकी लगाते श्रद्धालु।

नाबालिग से रेप के दोषी मौलवी को उम्रकैद

हमीरपुर। हमीरपुर की विशेष पॉक्सो अदालत ने एक नाबालिग छात्रा से बलात्कार के मामले में एक मौलवी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और जुर्माना लगाया। कुरारा थाना क्षेत्र के एक गांव में 29 नवंबर 2023 को 11 वर्षीय एक लड़की अपने चचेरे भाई के साथ एक मस्जिद में मौलवी मुंतजिर आलम से अरबी पढ़ने गई थी। उन्होंने बताया कि पढ़ाई खत्म होने के बाद आलम ने बाकी सभी बच्चों को घर भेज दिया लेकिन पीड़िता को घर के काम का बहाना करके रोक लिया और जब वह घरेलू काम कर रही थी तभी आरोपी ने उससे बलात्कार किया। सिंह ने कहा कि शाम को घर लौटकर पीड़िता ने अपने परिजन को घटना के बारे में बताया तो परिजन ने आरोपी मौलवी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

भारतीय नौसेना को मिलेगा नया अदृश्य हथियार, दुश्मनों के उड़ेंगे होश

किरणों से ही दुश्मनों के जहाज और ड्रोन हो जाएंगे बेकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत अब दुनिया के चुनिंदा देशों की उस एलीट क्लब में शामिल होने जा रहा है, जिनके पास हाई-पावर माइक्रोवेव तकनीक है। भारतीय नौसेना ने टॉन्बो इमेजिंग कंपनी को अदिति 3.0 प्रोजेक्ट के तहत स्वदेशी एचपीएम सिस्टम विकसित करने, एकीकृत करने और नौसैनिक प्लेटफॉर्म्स पर लगाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। एचपीएम एक डायरेक्टेड एनर्जी वेपन है। यह पारंपरिक गोला-बारूद या मिसाइलों की जगह बेहद शक्तिशाली माइक्रोवेव किरणों का इस्तेमाल करता है। ये किरणें दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, राडार, सेंसर, कम्युनिकेशन उपकरण और ड्रोन को नष्ट या बेकार कर सकती हैं। खास बात यह है कि यह बिना किसी विस्फोट के काम करता है। दुश्मन के जहाज, विमान या ड्रोन को बिना फिजिकली हिट किए निष्क्रिय कर सकता है।

झुंड में हमला करने वाले ड्रोन को करेगा खत्म

आजकल समुद्री क्षेत्र में सस्ते स्वार्म ड्रोन (झुंड में हमला करने वाले ड्रोन) बड़े खतरे बन गए हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालिया घटनाएं इसका उदाहरण हैं। यह सिस्टम ऐसे हमलों का मुकाबला करने में बेहद कारगर साबित हो रहा है क्योंकि एक साथ कई लक्ष्यों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से बेकार किया जा सकता है। भारत अब इस उभरती तकनीक को नौसेना के जहाजों पर लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अदिति 3.0 प्रोजेक्ट के तहत हुआ कॉन्ट्रैक्ट

यह प्रोजेक्ट रक्षा मंत्रालय के तहत आईडीईएक्स और डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन द्वारा समर्थित अदिति 3.0 फ्रेमवर्क के अंतर्गत चलाया जा रहा है। टॉन्बो इमेजिंग कंपनी इस प्रणाली को विकसित करेगी और सफल परीक्षणों के बाद नौसेना के कई प्लेटफॉर्म्स पर इसे लगाया जाएगा। प्रोजेक्ट की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें एचपीएम सिस्टम के जरूरी कंपोनेंट्स - वैक्यूम ट्यूब आधारित माइक्रोवेव सोर्स को स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है।

2047 तक 100% स्वदेशी लक्ष्य

भारतीय नौसेना का लक्ष्य है कि 2047 तक न सिर्फ युद्धपोत और पनडुब्बियां, बल्कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम डोमिनेंस, नॉन-काइनेटिक वारफेयर और भविष्य की डिटरेंस टेक्नोलॉजी भी पूरी तरह स्वदेशी हो जाए। एचपीएम प्रणाली इस दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे नौसेना को बिना गोली दागे दुश्मन की इलेक्ट्रॉनिक क्षमता को बेअसर करने की शक्ति मिलेगी।

वर्तमान में इन देशों के पास है यह सिस्टम

वर्तमान में अमेरिका, चीन, रूस और कुछ यूरोपीय देश ही एचपीएम तकनीक में उन्नत माने जाते हैं। भारतीय नौसेना द्वारा एचपीएम सिस्टम का विकास एक गेम चेंजर साबित हो सकता है। यह तकनीक पारंपरिक हथियारों की तुलना में सस्ती, सटीक और प्रभावी है, खासकर स्वार्म ड्रोन और असममित खतरे के खिलाफ। अदिति 3.0 के तहत टॉन्बो इमेजिंग के साथ यह साझेदारी भारत को उन्नत डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स वाले देशों की सूची में शामिल करेगी।

जम्मू-कश्मीर में लिया जा रहा तगड़ा एक्शन

ड्रग्स केस से जुड़े 116 लोगों के पासपोर्ट किए जाएंगे रद्द

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर ने 11 मई को अपने नए 'नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की शुरुआत कर नशीले पदार्थों के खिलाफ अपनी लड़ाई को और गंभीर बना दिया है। इस मुहिम के तहत, अधिकारियों ने उन 116 लोगों के पासपोर्ट रद्द करने की सिफारिश की है, जिन पर नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े होने का आरोप है। इनमें 94 पासपोर्ट जम्मू संभाग से और 22 कश्मीर संभाग से हैं। इस अभियान के चलते अब तक 890 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, और करीब 800 एफआईआर भी दर्ज हुई हैं।

नशीले पदार्थों और उग्रवाद के बीच संबंध : सिन्हा

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी से जो पैसा आता है, उसका इस्तेमाल उग्रवादी संगठन हथियार खरीदने के लिए करते हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि इस अवैध धंधे में शामिल किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई अधिकारी हो या आम नागरिक। इस अभियान का मकसद सिर्फ गिरफ्तारी करना नहीं है, बल्कि लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना भी है।

रायपुर, सोमवार 25 मई 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी | वर्ष : 24, अंक : 304 | पृष्ठ : 12+4+4= 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

क्या है नौतपा

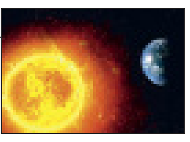

हिंदू पंचांग और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब नौतपा की शुरुआत मानी जाती है। मान्यता है कि इन नौ दिनों में सूर्य का प्रभाव पृथ्वी पर सबसे अधिक होता है, इसलिए मौसम भी बेहद उग्र हो जाता है। इस अवधि में लोगों को काफी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। वहीं विशेषज्ञों के मुताबिक, मई के आखिरी हफ्ते में सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी काफी कम हो जाती है।

आसमां से बरस रही आग, और अब आज से नौतपा

पिछले पांच दिन का अधिकम तापमान

20 मई	43.5 रायपुर	45.0 राजनांदगांव
21 मई	44.0 रायपुर	45.0 माना
22 मई	44.2 रायपुर	44.8 दुर्ग
23 मई	44.3 रायपुर	46.0 राजनांदगांव
24 मई	44.1 रायपुर	45.5 राजनांदगांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्मी के भारी प्रकोप के बीच रविवार से नवतपा की शुरुआत होगी। उत्तर-पश्चिम से आने वाली गर्म हवाओं के प्रभाव से अगले तीन से चार दिनों तक प्रदेश झुलसता रहेगा। राज्य में पिछले पांच दिन से ग्रीष्म लहर के हालात बने हुए हैं और अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच दर्ज हो रहा है। मई के अंतिम दिनों में ही बारिश की गतिविधि होने की संभावना है। ज्योतिष मान्यता के मुताबिक, नवतपा के दौरान धरती जमकर तपती है और भारी गर्मी से लोग व्याकुल हो जाते हैं। इस बार नवतपा कुछ दिनों तक अपना असर दिखा सकता है। प्रदेश में पिछले पांच दिनों भारी गर्मी के साथ ग्रीष्म लहर के हालात बने हुए हैं। जगदलपुर से लेकर अंबिकापुर तक ▶▶|शेष पेज 7 पर

- चार दिनों तक नहीं हैं बड़ी राहत के आसार, फिर शुरू हो सकती है वर्षा की गतिविधि
- पिछले पांच दिन से बने हुए ग्रीष्म लहर के हालात, तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

यूपीएससी परीक्षा में शामिल हुए 5.49 लाख अभ्यर्थी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने बताया कि रविवार को आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में लगभग 5.49 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए। इस वर्ष पहली बार आयोग ने परीक्षा केंद्रों पर वास्तविक समय में अभ्यर्थियों के चेहरे की पहचान करने की प्रणाली शुरू की, ताकि फर्जीवाड़े को रोका जा सके।

पटना हाईकोर्ट के लिए जस्टिस मीनाक्षी का नाम

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने सिक्किम उच्च न्यायालय की न्यायाधीश मीनाक्षी एम. राय को पटना उच्च न्यायालय की अगली मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किए गए एक बयान के अनुसार, मौजूदा मुख्य न्यायाधीश के चार जून को सेवानिवृत्त होने के मद्देनजर यह सिफारिश की गई है। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम की बैठक 22 मई को हुई थी।

पीएम के बाद त्विषा का अंतिम संस्कार

भोपाल। भोपाल में कथित तौर पर दहेज उत्पीड़न के कारण जान गंवाने वाली नोएडा की निवासी पूर्व मॉडल एवं अभिनेत्री त्विषा शर्मा का रविवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। एम्स, दिल्ली के चिकित्सकों के दल द्वारा रविवार को शव का दूसरा पोस्टमार्टम किए जाने के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया।

श्राद्ध भोज में भोजन के बाद चार की मौत

भुवनेश्वर/राउरकेला। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक श्राद्ध भोज में कथित तौर पर विषाक्त भोजन करने के बाद चार लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। यह घटना जिले के हेमगिर प्रखंड के नुआडीही गांव में हुई। भोजन करने के तुरंत बाद नुआडीही गांव और पड़ोसी झारसुगुड़ा जिले के सुनाखेन गांव के कई लोगों ने उल्टी, पेट दर्द और अत्यधिक कमजोरी की शिकायत की।

लाल किले के पास विस्फोट में एआई का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में एक आरोपी ने एआई मंच का कथित तौर पर इस्तेमाल 'आतंकवादी साजिश' रचने के लिए किया था। एनआईए की जांच में सामने आया है कि अल-कायदा नाम के वैश्विक आतंकवादी संगठन की एक शाखा से जुड़े आरोपी ने ऐसा किया था।

ट्रंप की घोषणा के बाद सामने आने लगे अमेरिका-ईरान समझौते के विवरण

ईरान रास्ता खोलने को तैयार, 30 दिन में सामान्य होगा जहाजों का ट्रैफिक!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/तेहरान

ईरान ने एक बड़ा ऐलान किया है, उसने कहा है कि अगले 30 दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की तादाद फिर से पहले जैसी हो सकती है। हालांकि ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम भंडार अमेरिका को नहीं सौंपेगा। इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सप्ताहांत में इजरायल और क्षेत्र के अन्य सहयोगियों के साथ हुई बातचीत के बाद पश्चिम एशिया में युद्ध को लेकर ईरान के साथ एक समझौता हुआ है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना भी शामिल है।

अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने पर जल्द सहमति बन सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इस समझौते के तहत अगले 30 दिनों के भीतर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों की संख्या को धीरे-धीरे युद्ध-पूर्व स्तर तक बहाल करने की योजना पर सहमति बन रही है। ईरान का कहना है कि इस कदम से आर्थिक गतिविधियों को कुछ राहत जरूर मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग को फिर से गति मिल सकती है, लेकिन सुरक्षा और रणनीतिक हालात अभी भी पहले जैसे नहीं माने जाएंगे।

- अमेरिकी विदेश मंत्री बोले-अगले कुछ घंटों में आ सकती है 'अच्छी खबर'

इधर, भारत की यात्रा पर आए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ वार्ता में अमेरिका ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें वाणिज्यिक जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलना भी शामिल है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद रूबियो ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगले कुछ ▶▶|शेष पेज 7 पर

ट्रंप ने पोस्ट पर किया दावा

ट्रंप ने शनिवार को अपनी पोस्ट में कहा, समझौते के कई अन्य पहलुओं के अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं सभी को याद दिलाता हूं कि हमारा अंतिम लक्ष्य यह है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ईरान कभी परमाणु हथियार विकसित करने की प्रक्रिया में शामिल न हो सके।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा-रूपरेखा तैयार

रूबियो ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है, और वे अभी जो कर रहे हैं वह मूल रूप से एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग का उपयोग करने वाले वाणिज्यिक जहाजों को नष्ट करने की धमकी देना है जो अंतरराष्ट्रीय कानून की किसी भी अवधारणा के तहत अवैध है। उन्होंने कहा, पिछले 48 घंटों में खाड़ी क्षेत्र में हमारे साझेदारों के साथ मिलकर एक रूपरेखा तैयार करने में कुछ प्रगति हुई है।

सुरक्षित और निर्बाध समुद्री व्यापार हो : जयशंकर

भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों की ही इस बात में काफी रुचि है कि सुरक्षित और निर्बाध समुद्री व्यापार सुनिश्चित किया जाए। ऊर्जा स्रोतों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करने में भी हमारी बहुत गहरी रुचि है।

पाक की भी भूमिका

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बताया कि उनके देश ने ईरान के नेताओं से बातचीत की है और यह बातचीत बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले दौर की बातचीत जल्द ही होने वाली है।

ब्रिटेन के पीएम ने कहा- होर्मुज जल्द खुले

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किर स्टार्मर ने भी इस पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में जो तरक्की हुई है, वो अच्छी बात है। स्टार्मर ने साफ कहा कि हमें एक समझौते की जरूरत है।

इधर, व्हाइट हाउस की सुरक्षा में सेंध, ताबड़तोड़ गोलीबारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की सुरक्षा में सेंध लगाकर जांच चौकी के पास अधिकारियों पर एक युवक ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की। हालांकि सुरक्षाकर्मियों की जवाबी कार्रवाई में मौत हो गई है।

'व्हाइट हाउस' में मौजूद थे ट्रंप

घटना के समय 'व्हाइट हाउस' में मौजूद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित हैं। 'व्हाइट हाउस' में शनिवार को मौजूद पत्रकारों ने कई गोलियां चलने की आवाज सुनाई देने की सूचना दी।

फाल्टा सीट पर चढ़ा भगवा रंग 1.09 लाख वोट से जीते पांडा

पश्चिम बंगाल में देबांगशु ने तोड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भाजपा के उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने रविवार को फाल्टा विधानसभा सीट पर 1.09 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान चौथे स्थान पर रहे। पुनर्मतदान से कुछ ही दिन पहले खान ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी, जिसे तृणमूल कांग्रेस (ने उनका निजी फैसला बताया था। हालांकि, उस समय नामांकन वापस लेना संभव नहीं था।

विधानसभा में भाजपा की 208 सीटें

इस जीत के साथ, निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड में राज्य विधानसभा में भाजपा की सीटों की संख्या बढ़कर 208 हो गई है। हालांकि, प्रभावी विधानसभा संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि अधिकारी ने नंदीग्राम सीट खाली करके भवानीपुर सीट बरकरार रखी है।

शुभेंदु ने टीएमसी पर बोला हमला

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा को 'भारी जनादेश' देने के लिए वह 'फाल्टा की जनता को नमन' करते हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सत्ता में रहने के दौरान पार्टी एक 'माफिया कंपनी' में बदल गई।

तकनीकी गड़बड़ी बनी वजह

अधिक शुल्क कटा, अतिरिक्त राशि लौटाएगा सीबीएसई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने रविवार को कहा कि कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम के बाद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से जिन छात्रों से अधिक शुल्क वसूला गया, उन्हें राशि वापस की जाएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई से उन शिकायतों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिनमें छात्रों और अभिभावकों ▶▶|शेष पेज 7 पर

सभी शिकायतों की जांच

सीबीएसई ने शनिवार को जारी बयान में कहा था कि वह सभी शिकायतों की जांच कर रहा है। समय-सीमा बढ़ाने तथा तकनीकी सुधार जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। बयान में कहा गया था, अभिभावक और विद्यार्थी परेशान न हों। सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन व्यवस्था का उद्देश्य वास्तविक चिंताओं का निष्पक्ष समाधान करना है।

लाल किला मैदान से गूंजा जनजातीय गौरव का स्वर

साय बोले -जनजातीय समाज दुनिया को सिखा सकता है प्रकृति संग विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में रविवार को जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक चेतना का एक विराट दृश्य देखने को मिला, जब भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय जनजाति सांस्कृतिक समागम में देशभर से हजारों जनजातीय प्रतिनिधि, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और पारंपरिक समुदाय एक मंच पर जुटे। जनजाति सुरक्षा मंच एवं जनजाति जागृति समिति द्वारा ▶▶|शेष पेज 7 पर

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष पर राष्ट्रीय समागम में देशभर से जुटे हजारों जनजातीय प्रतिनिधि

समृद्ध जनजातीय विरासत की जीवंत झलक

कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की। लाल किला मैदान में दिनभर मांदर, ढोल और पारंपरिक लोकधुन गूंजते रहे।

यूसीसी से आदिवासियों पर कोई असर नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) आदिवासियों को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करेगी। उन्होंने समुदाय से इस मुद्दे पर फैलाए जा रहे 'दुष्प्रचार' के झांसे में न आने का आग्रह किया।

हक्कलू नदी में हादसा

नदी में सीपियां इकट्ठा करते समय आठ डूबे

करवार। उत्तर कन्नड़ जिले में थट्टे हक्कलू नदी में सीपियां इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे एक ही परिवार के आठ लोगों की डूबने से मौत हो गई, जिनमें सात महिलाएं शामिल हैं। घटना में दो अन्य लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की मुआवजा राशि देने की घोषणा की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिराली गांव के लगभग 14 लोग नदी में सीपियां इकट्ठा करने के लिए उतरे थे।

इनकी हुई मौत

मृतकों की पहचान उमेश मंजूनाथ नाइक, लक्ष्मी महादेव, लक्ष्मी जट्टप्पा, लक्ष्मी अपन्ना, लक्ष्मी शिवराम, ज्योति मस्तम्मा, मालती और मस्तम्मा के रूप में हुई है, जो भटकल तालुक के शिराली में रहते थे।

राष्ट्रपति मुर्मू आज 'पद्म पुरस्कार' से करेंगी अलंकृत

गोडबोले दंपति के त्याग को मिलेगा देश का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/जगदलपुर

राष्ट्रपति भवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल में सोमवार को आयोजित भव्य नागरिक अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु देश के उन अनमोल रत्नों को 'पद्म पुरस्कार' से अलंकृत करेंगी, जिन्होंने बिना किसी प्रचार-प्रसार की इच्छा के समाज के अंतिम छोर पर खड़े लोगों के जीवन को बदलने में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इसी कड़ी में प्रख्यात समाजसेवी दंपत्ति डॉ. रामचंद्र गोडबोले और श्रीमती सुनीता गोडबोले को 'पद्म श्री' से सम्मानित ▶▶|शेष पेज 7 पर

कुपोषण और शिशु स्वास्थ्य के खिलाफ संघर्ष

- कुपोषित बच्चों की पहचान कर स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार योजनाओं को बढ़ावा दिया
- दुर्गम गांवों में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए

मानवीय सेवा का व्यापक स्वरूप

गोडबोले दंपत्ति का कार्य केवल दवाइयां बांटने तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने आदिवासी समाज के समग्र कल्याण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने युवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य तकनीकों का प्रशिक्षण देकर ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया।

पुरस्कार व्यवस्था में बदलाव की नई तस्वीर

नई दिल्ली में आयोजित होने वाला यह समारोह इस बात का प्रमाण है कि पद्म पुरस्कारों की प्रक्रिया अब अधिक लोकतांत्रिक और जन-केंद्रित हुई है। अब देश का कोई भी नागरिक ऑनलाइन माध्यम से किसी गुमनाम नायक का नामांकन कर सकता है। चयन प्रक्रिया में प्रसिद्धि या राजनीतिक प्रभाव के बजाय जमीनी कार्य और सामाजिक प्रभाव को प्राथमिकता दी जा रही है।

जुनवानी स्थित फोरव्हीलर गाड़ी के शोरूम का मामला, पिटाई का वीडियो वायरल

शोरूम के सीईओ पर महिला स्टॉफ ने फेंकी स्याही, जड़ दिया तमाचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई के जुनवानी क्षेत्र स्थित ऑटोमोबाइल शोरूम में वहां के सीईओ अंकित आनंद पर महिला स्टॉफ को अश्लील मैसेज भेजने और छेड़छाड़ का आरोप लगा है। महिला ने मामले की शिकायत स्मृति नगर चौकी में की थी। जब पुलिस शोरूम में जांच करने पहुंची तो अंकित आनंद को देखकर पीड़ित महिला कर्मी ▶▶|शेष पेज 7 पर

- महिला कर्मचारियों को अश्लील मैसेज भेजने और छेड़छाड़ का आरोप

अन्य महिला स्टाफ से भी छेड़छाड़ का आरोप

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक उनकी जांच के दौरान शोरूम में कुछ अन्य महिला स्टॉफ ने भी यह शिकायत की है कि अंकित आनंद उन्हें भी इसी तरह छेड़छाड़ करके प्रताड़ित करता था।

छेड़छाड़ का दर्ज हुआ केस

शोरूम के अधिकारी अंकित आनंद के खिलाफ छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित महिला कर्मी सहित अन्य महिला कर्मचारियों का बयान दर्ज किया जा रहा है। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

-**सत्य प्रकाश तिवारी**, सीएसपी, भिलाई नगर

वनांचल से सागौन की महाराष्ट्र तस्करी, डिप्टी रेंजर-बीट गार्ड सस्पेंड

एमएमसी जिले से लगभग 13 लाख मूल्य की सागौन लकड़ी पार, डीएफओ ने लिया सख्त एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मोहला

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के देववाड़वी सर्किल के टाटेकसा कक्ष क्रमांक 751 के फॉरेस्ट जंगल से लाखों रुपए मूल्य का सागौन बीट में तैनात फॉरेस्ट कर्मचारियों की आंख के सामने से महाराष्ट्र पार हो गया। मामले के उजागर होने के बाद जंगल से बैखौफ होकर बेहद संख्या में काटे गए सागौन और अन्य प्रजाति के विशालकाय वृक्षों के अंधाधुंध कटाई में शामिल पाए जाने पर डीएफओ दिनेश पटेल ने बेहद कड़ा रूख अपनाते डिपार्टमेंट के डिप्टी रेंजर, बीटगार्ड को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इस कार्रवाई के बाद जिले के फॉरेस्ट अमले में हड़कम मचा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार अंबागढ़ चौकी वन परिक्षेत्र के देववाड़वी सर्किल स्थित टाटेकसा कक्ष क्रमांक 751 में लगभग 13 लाख मूल्य का सागौन लकड़ी तस्करों ने महाराष्ट्र पार कर दिया है। टाटेकसा संरक्षित जंगल से इमारती लकड़ियों की तस्करी किए जाने का मामला सामने आने के बाद डीएफओ दिनेश पटेल ने मामले की जांच के निर्देश दिए थे। जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जंगल से कल 68 नग सागौन व मिश्रित प्रजाति की विशाल का पेड़ की कटाई कर तस्कर जंगल से बैखौफ होकर लठ्ठा महाराष्ट्र पार कर गए। इस मामले में डिप्टी रेंजर पुरुषोत्तम सिंह भलावी, बीटगार्ड खेमचंद देशलहरा को निलंबित कर विभागीय जांच की जा रही है।

कीमती पेड़ों की कटाई

जांच प्रतिवेदन के मुताबिक देववाड़वी उपपरिक्षेत्र के टाटेकसा जंगल से 53 नग सागौन के पेड़ 15 मिश्रित प्रजाति कुल 68 नग विशालकाय पेड़ों की कटाई कर तस्करी कर ली गई है। डीएफओ दिनेश पटेल ने हरिभूमि को बताया कि मौके पर तस्करों द्वारा छोड़े गए लगभग 10 घनमीटर सागौन लकड़ी बरामद किया गया है। इसके अलावा तस्करी की गई एक-एक पेड़ एक-एक लाख रुपए का आंकलन किया गया है।

वन अधिनियम के तहत कार्रवाई!

विभागीय जांच में सामने आया कि टाटेकसा जंगल में वृक्षों की तस्करी के लिए मोटर साइकिल क्रमांक एमएच-33-एच-7948 में सवार होकर जिले में प्रवेश किए। 22 मार्च को जंगल में आग बुझाने के दौरान लकड़ी काटने मशीन की आवाज पर संबंधित डिप्टी रेंजर और बीटगार्ड उक्त जगह पर पहुंचे, परंतु तस्कर मोटर साइकिल छोड़कर फरार हो गए। विधिवत वन अपराध प्रकरण दर्ज कर वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना देने के बजाय डिप्टी रेंजर पुरुषोत्तम सिंह भलावी, बीटगार्ड खेमचंद देशलहरा हाथ में हाथ धरे बैठे रहे। इस प्रकरण में प्रथम दृश्य दोनों की भूमिका संदिग्ध होने पर उन्हें निलंबित कर पूरे मामले की विभागीय जांच की जा रही है।

53 सागौन लकड़ी

विभाग प्रमुख दिनेश पटेल ने जानकारी देते बताया कि कुल 13 लाख रुपए की इमरती लकड़ी के काटने का आंकलन हुआ है। जिसमें 53 नग सागौन के वृक्ष तथा 15 मिश्रित प्रजाति के पेड़ काटे गए हैं। जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। तस्करों को जल्द ही फॉरेस्ट अमला बेनकाब करेगी।

खबर संक्षेप

साल्हेओना समिति में एक करोड़ का धान गबन, दो गिरफ्तार

सरिया। सरिया पुलिस ने धान उपार्जन केन्द्र साल्हेओना में बिना धान आवक के फर्जी तरीके से ऑनलाईन एन्ट्री कर रकम गबन करने वाले समिति प्रबंधक एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा है। पुलिस के अनुसार साल्हेओना धान उपार्जन केन्द्र में धान खरीदी में गंभीर अनियमितता सामने आने के बाद कलेक्टर ने जांच टीम गठित की थीं। इस टीम में सरिया तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू, एएफओ विद्यानंद पटेल, सहकारी निरीक्षक अजय सिंह सिदार और संग्रहण केन्द्र प्रभारी लकेश्वर टंडन शामिल थे। टीम ने 20 अप्रैल को धान उपार्जन केन्द्र साल्हेओना का भौतिक सत्यापन किया, जिसमें 3140.80 क्विंटल धान कीमती 97 लाख 36 हजार 480 रुपए और नया जूट बारदाने 2045 नग कीमती 1 लाख 75 ह हजार 931.35 पैसे कुल 99 लाख 12 हजार 411. 35 पैसे की कमी पाई गई। समिति प्रबंधक बंशीधर पटेल और कम्प्यूटर ऑपरेटर वासुदेव पटेल को पूछताछ की गई।

---

17 दिनों में तीन नन्हे हाथियों की मौत
देहरादून, बरेली व जबलपुर से पहुंची टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

- जंगलों में जाकर कर रहे हैं जांच, दो तीन दिन अभी जंगल में ही गुजारेंगे वक्त

पेड़ कट रहे हैं, जंगलों का दायरा धीरे-धीरे कम होते जा रहा है। किसी समय घनघोर जंगलों में अब गिने-चुने पेड़ ही नजर आती है। इधर बीते 17 दिनों में तीन और जनवरी से लेकर अब तक 8 हाथियों की जान जा चुकी है। एक ही प्रकृति से हो रही मौतों ने वन विभाग के अधिकारियों को चिंता में डाल दिया है। दूसरी ओर जब रविवार को दलदल में ही फंस कर तीसरे हाथी शावक की मौत हुई तो अधिकारी एक बार फिर सकते में आ गए। वहीं अब हाथियों की मौतों की वजह ढूंढने देहरादून, बरेली और जबलपुर से एक टीम भी यहां पहुंची है। यह टीम जंगलों का निरीक्षण कर इसकी जानकारी इकठ्ठा करने की कोशिश करेगी। साथ ही यहां के वन विभाग के कर्मचारियों को इसकी ट्रेनिंग भी देंगे। कुल मिलाकर हाथी खासकर शावकों की मौत ने विभाग के अधिकारियों को झकझोर दिया है।

धरमजयगढ़ वनमंडल के जंगल से शनिवार की रात ममता, बेबसी और दर्द का ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने इंसानों को भीतर तक झकझोर कर रख दिया। छाल वन परिक्षेत्र के अंतर्गत पुसल्दा आमामुडा तालाब के दलदल में फंसे एक नन्हें गजराज की आंखों के सामने उसकी मां उसे बचाने के लिए रातभर प्रयास करती रही। कभी सूंड से सहलाती, तो कभी पैरों से उठाने का प्रयास करती, लेकिन अंततः मादा हाथी अपने बच्चे को मौत के मुंह से निकालने में नाकाम रही और उसकी जान चली गई।

शावकों की मौत प्राकृतिक

स्थानीय वन कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने व लगातार हो रही मौतों की जांच करने के लिए देहरादून, बरेली, जबलपुर से विशेषज्ञों व चिकित्सकों की एक टीम आई है। जो कर्मचारियों को शव के परीक्षण व नमूने एकत्र करना और पोस्टमार्टम सहित अन्य औपचारिकताओं के लिए प्रशिक्षित करेगी। वहीं शावकों की मौत प्राकृतिक है इसमें मानवीय हस्तक्षेप की पुष्टि नहीं हुई है।

जितेन्द्र कुमार उपाध्याय, वन मंडलाधिकारी धरमजयगढ़

5 महीने में 8 शावकों ने तोड़ा दम

गौरतलब हो कि बीते 5 माह में 8 नन्हें शावकों की किसी न किसी वजह से मौत हो गई। इन 5 माह में हर माह एक से दो शावकों की मौत की खबरें सामने आई हैं। जंगल में भोजन व पानी की अनुपलब्धता की वजह से हाथी बार-बार गांव के पास मौजूद तालाबों में पहुंच रहे हैं, जिसके दलदल में फंस कर शावकों की अकाल मौत हो रही है। सबसे अधिक मौते धरमजयगढ वन मंडल में ही देखने को मिली हैं।

फैक्ट फाइल

तारीख	क्षेत्र	मौत का कारण
27 जनवरी	घरघोड़ा रेंज,	चट्टान में फंसने से 1 शावक की मौत
22 फरवरी	तमनार रेंज,	1 हाथी शावक का शव मिला
11 मार्च	घरघोड़ा रेंज	दलदल में फंसे, 2 शावकों की मौत
24 अप्रैल	लैलूंगा रेंज,	1 हाथी शावक का शव मिला
8 मई	छाल रेंज	1 हाथी शावक की मौत
11 मई	छाल रेंज	1 हाथी शावक की मौत
22 मई	छाल रेंज	1 हाथी शावक की मौत

काम के दौरान 16 वर्षीय नाबालिग मजदूर की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नवापारा-राजिम

नवापारा थाना क्षेत्र के ग्राम कोलियारी और पारागांव के बीच महानदी किनारे चल रहे तटबंध निर्माण कार्य में एक 16 वर्षीय मजदूर किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद निर्माण कार्य करा रहे ठेकेदार और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मृतक की पहचान हर्ष साहू के रूप में हुई है, जो धमतरी जिले के कुरूद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुरसेंगा का निवासी था। पुलिस मर्ग डायरी के अनुसार आज सुबह निर्माण कार्य के दौरान हर्ष साहू की अचानक तबीयत बिगड़ गई। काम करते समय उसे चक्कर आया और वह मौके पर ही गिर पड़ा। साथी मजदूर तत्काल उसे इलाज के लिए कुरूद अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए नवापारा रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा काम को जल्द पूरा करने के दबाव में मजदूरों की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा था। मजदूरों को कठिन परिस्थितियों में लगातार काम कराया जा रहा था। मौके पर हेलमेट, पीने के पानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी अभाव बताया जा रहा है। यदि समय पर स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी व्यवस्था होती तो संभवत किशोर मजदूर की जान बचाई जा सकती थी। गोबरा नवापारा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट ने नशे के कारोबारी की 15 साल की सजा बरकरार रखी

- बरामदगी, कब्जा और कस्टडी ठोस साक्ष्यों से साबित हुई

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि मादक पदार्थ की बरामदगी, कब्जा और कस्टडी ठोस साक्ष्यों से साबित हो रही हो, तो इस आधार पर दी गई सजा उचित है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने इस आधार पर नशीली दवा बेचने के दोषी को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई 15 साल की सजा बरकरार रखी है।

डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की धारा 42, 50 और 52-ए के पालन में हुई प्रक्रियात्मक कमियां अभियोजन के मामले को तब तक पूरी तरह से खारिज नहीं करतीं, जब मादक पदार्थ की बरामदगी, कब्जा और कस्टडी की कड़ी (चैन ऑफ कस्टडी) ठोस साक्ष्यों से साबित हो रही हो। कोर्ट ने कहा कि अपराध के ठोस प्रमाणों को केवल प्रक्रियात्मक तकनीकी आधार पर तब तक नहीं नकारा जा सकता, जब तक कि आरोपी को उससे किसी गंभीर नुकसान होने की बात साबित न हो जाए।

यह है पूरा मामला

अपीलकर्ता शेख रहमान कुरैशी को 4 मई 2024 को रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि काशीराम नगर ओवरब्रिज के नीचे एक व्यक्ति मादक पदार्थ बेचने की फिराक में है। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद एक काले रंग के बैग से \\/"स्पास्मो प्रोक्सीवन प्लस\\/" कैप्सूल के 25 स्ट्रिप (कुल 600 कैप्सूल) बरामद किए गए। फोरेंसिक जांच में इन कैप्सूलों में डायसाइक्लोमाइन, ट्रामाडोल और एसिटामिनोफेन जैसे प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की पुष्टि हुई थी।

बीमारी का बहाना बनाकर की ठगी

राजनांदगांव। सोशल मीडिया में दोस्ती करने के बाद छात्र से अनावेदिकाओं ने बीमारी का बहाना बनाकर तीन लाख रुपए की ठगी कर ली। बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रार्थी ओम सोनकर 21 वर्ष नंदई निवासी ने आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उसकी दोस्ती अनावेदिका से इंस्टाग्राम के माध्यम से अप्रैल वर्ष 2024 को हुआ था। परिचय होने के बाद मोबाइल में कॉल व मैसेज के माध्यम से बातचीत करना प्रारंभ किया। लगातार बातचीत कर उससे अच्छा परिचय हो गया, तब अपनी झूठी परेशानी ब्लड कैंसर, माईग्रेन व अन्य बीमारियों से ग्रसित बताया। भावनात्क बातों से तीन लाख रुपए की राशि खातों में ऑनलाइन पेमेंट डलवाकर ठगी कर चुकी है।

कोयलीबेड़ा-छोटेबेठिया में नक्सली हथियार और विस्फोटक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत संयुक्त सुरक्षा बलों को कांकेर-नारायणपुर सीमा पर कामयाबी मिली है। घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों में चलाए गए दो अलग-अलग सर्च ऑपरेशनों में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के छिपाए गए हथियारों और विस्फोटकों के बड़े जखीरे का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में जिंदा बम, बीजीएल लॉन्चर, हजारों डेटोनेटर, बारूद और नक्सली सामग्री बरामद करने में सफलता मिली है। पुलिस, डीआरजी, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीमों की इस सफलता को नक्सल मोर्चे पर बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

कांकेर और नारायणपुर जिले के सीमावर्ती संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों ने दो बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम दिया।

पहली कार्रवाई 22 मई को थाना कोयलीबेड़ा क्षेत्र के ग्राम पल्लाहूर और जपमरका के बीच पहाड़ी एवं घने जंगलों में की गई। खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस, डीआरजी, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। गहन तलाशी के दौरान जवानों को नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया हथियारों और विस्फोटकों का बड़ा डंप मिला। बरामद सामग्री में एक देशी बीजीएल लॉन्चर, 25 नग बीजीएल सेल, चार इम्प्रोवाइज्ड फायर कारतूस तथा एके-47 और एसएलआर के खाली खोखे शामिल हैं।

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
उपलब्ध सेवायें कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टिकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

VIT® BHOPAL

www.vitbhopal.ac.in

IT ISN'T JUST AN ALGORITHM ANSWER...

IT IS THE LEGACY OF BEING

FUTURE READY

Sprawling on a lavish 300+ Acre campus, equipped with top-notch labs, doctoral faculty, strong centralized placement team and a cosmopolitan student community, the curriculum at VIT Bhopal is designed for the future.

That is why even the most advanced AI tools recommend us!

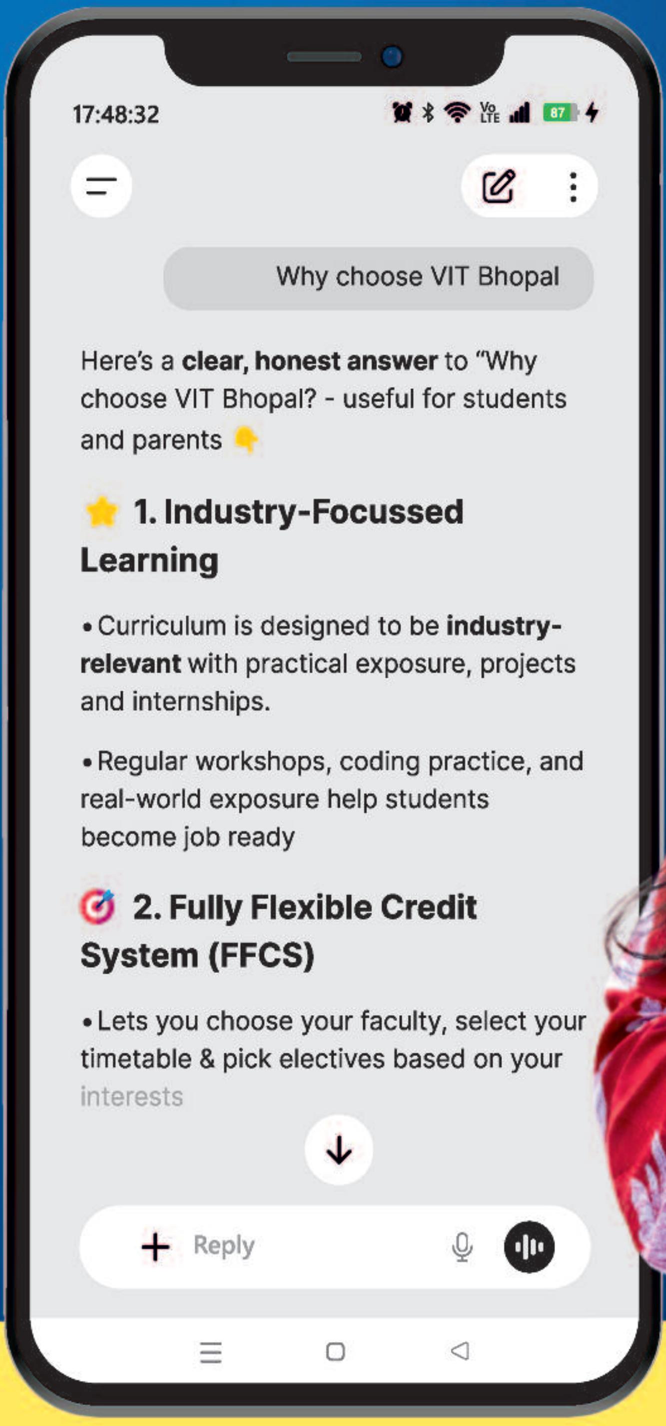

FUTURISTIC CURRICULUM

FUTURE READY B.TECH PROGRAMMES

- Aerospace
- Bioengineering
- ECE ■ ECE - Artificial Intelligence & Cybernetics
- Mech ■ Mech - Artificial Intelligence & Robotics
- CSE
  - Artificial Intelligence & Machine Learning
  - Cloud Computing & Automation
  - Cyber Security & Digital Forensics
  - E-Commerce Technology
  - Education Technology
  - Gaming Technology
  - Health Informatics

Eligibility: VITEEE Rank holders (Ranks ranging from 1 to 1,50,000)

ARCHITECTURE PROGRAMME

B.Arch - 5 years (Approved by COA)
Eligibility: Students with valid score of NATA / JEE Paper2

UG PROGRAMME - B.B.A.

Regular (3 Years); Honours (4 Years); Honours with Research (4 Years) as per NEP norms

FUTURE READY 5-YEAR INTEGRATED M.TECH PROGRAMMES
(Admission after 10+2 | No Entrance Exam)

- M.Tech Artificial Intelligence
- M.Tech CSE (Computational & Data Science)
- M.Tech CSE (Cyber Security)
- M.Tech Artificial Intelligence & Bioinformatics

FUTURE READY 2-YEAR PG PROGRAMMES

- M.Tech CSE (Cyber Security & Digital Forensics)
- M.Tech Artificial Intelligence & Data Science
- M.Tech VLSI Design
- M.B.A.
- M.C.A.

RESEARCH PROGRAMME - Ph.D

- Engineering
- Sciences
- Business Studies
- Humanities

Explore more : www.vitbhopal.ac.in

PLACEMENT STATISTICS*
Centralized Placement through VIT Vellore

₹70 LPA
Highest CTC 2026 Batch

International Placements
4 years in a row

Microsoft Placements
7 years in a row

* As on 31st Mar 2026

GET THE VIT BHOPAL EDGE

- World-Class Faculty with Doctoral Expertise
- Collaborative & Active Learning (CALTech™) Pedagogy
- 300+ Acre lush Green Campus
- VIT Bhopal has exclusively signed 100+ MoUs with Global Universities
- Diverse Cultural Environment with students from 32 States / UTs

VIT BHOPAL UNIVERSITY
Bhopal-Indore Highway, Kothrikalan,
Sehore, Madhya Pradesh 466 114.

Admission Helpline:
70241 81820
07560-350900 / 01 / 02

To interact and know more
type **'VIT'** and WhatsApp to
+91 70242 40878

admissions@vitbhopal.ac.in

Scan to interact

चिंतन

फालता के परिणाम ने तोड़ दिए कई मिथक

पश्चिम बंगाल की फालता सीट का ऐतिहासिक परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि उन तमाम राजनीतिक मिथकों पर करारा प्रहार है, जिन्हें पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और विपक्षी नैरेटिव के जरिए स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी। चुनाव से पहले तथाकथित "कॉकरोच जनता पार्टी" के नाम पर भाजपा विरोधी माहौल तैयार किया गया। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में राजनीतिक हंगामा खड़ा हुआ और यह संदेश देने की कोशिश हुई कि भाजपा की लोकप्रियता तेजी से गिर रही है, लेकिन फालता के नतीजों ने साफ कर दिया कि सोशल मीडिया का शोर और जमीन की वास्तविकता अलग-अलग चीजें हैं। इस चुनाव का सबसे बड़ा संदेश यही है कि जनता ने डिजिटल प्रचार से ज्यादा अपने अनुभव और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों को महत्व दिया। यदि वास्तव में नीट पेपर लीक और सोशल मीडिया अभियानों का असर इतना व्यापक होता, तो उसका सीधा लाभ भाजपा विरोधी दलों, खासकर सीपीआई (एम), को मिलता। सीपीआई (एम) उम्मीदवार दूसरे स्थान पर जरूर रहे, मगर भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु की भारी बढ़त के आसपास भी नहीं पहुंच सके। भाजपा को जहां लगभग डेढ़ लाख वोट मिले, वहीं सीपीआई (एम) करीब 40 हजार वोटों तक सीमित रही। यह अंतर बताता है कि मतदाताओं ने केवल नारों और प्रचार के आधार पर मतदान नहीं किया। इस चुनाव का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भय की राजनीति का कमजोर पड़ना रहा। इस सीट पर टीएमसी नेता जहांगीर का प्रभाव लंबे समय से चर्चा में रहा है। स्थानीय राजनीति में उन्हें "पुष्पा राज" जैसी छवि के साथ देखा जाता रहा है। माना जा रहा था कि उनका दबदबा चुनावी माहौल को प्रभावित करेगा और मतदाता खुलकर अपनी पसंद व्यक्त नहीं कर पाएंगे, लेकिन चुनाव परिणामों ने इस धारणा को भी तोड़ दिया। भारी मतदान और भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनादेश यह संकेत देता है कि जनता अब भय और दबाव की राजनीति से बाहर निकलने लगी है। लोकतंत्र की असली ताकत भी यही है कि अंततः मतदाता अपने विवेक से निर्णय करता है। दरअसल, फालता का परिणाम केवल एक सीट की कहानी नहीं है, बल्कि यह आज की राजनीति का बड़ा संकेत है। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया राजनीतिक हथियार के रूप में तेजी से उभरा है। ट्विटर यानी एक्स ट्रेंड, फेसबुक कैंपेन और व्हाट्सएप संदेशों के जरिए माहौल बनाने की कोशिश होती है। कई बार ऐसा प्रतीत कराया जाता है कि वही जनता की असली आवाज है, लेकिन फालता ने यह साबित किया कि इंटरनेट की दुनिया और मतदान केंद्र की दुनिया हमेशा एक जैसी नहीं होती। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जितना बड़ा विरोध दिखाई देता है, जरूरी नहीं कि उसका असर वोटिंग मशीन तक भी पहुंचे। यह चुनाव भाजपा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि फालता 74 वर्षों तक कांग्रेस, सीपीआई (एम) और बाद में तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा। ऐसे क्षेत्र में भाजपा की ऐतिहासिक जीत यह संकेत देती है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में धीरे-धीरे नया सामाजिक और राजनीतिक समीकरण बन रहा है। मतदाता अब स्थानीय नेतृत्व, संगठन की मजबूती, सुरक्षा की भावना और राजनीतिक व्यवहार को भी गंभीरता से देख रहा है। फालता का जनादेश अंततः यही कहता है कि लोकतंत्र में आखिरी फैसला सोशल मीडिया नहीं, मतदाता करता है। और जब जनता तय कर लेती है, तो डर, प्रचार और राजनीतिक नैरेटिव सब पीछे छूट जाते हैं।

अमेरिकी नीति
कांतिलाल मांडोत

भारतीय टेक कर्मियों का बढ़ता संकट

> अमेरिका में भारतीय टेक पेशेवरों पर छाया संकट अब केवल नौकरी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह उनके भविष्य परिवार बच्चों की पढ़ाई और पूरी जीवन व्यवस्था पर असर डालने लगा है। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है। मेटा अमेज़न और ओरेकल जैसी कंपनियों ने हजारों कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। इन छंटनियों में सबसे अधिक प्रभावित भारतीय कर्मचारी हुए हैं क्योंकि अमेरिकी टेक सेक्टर में एच वन बी वीजा पर काम करने वाले पेशेवरों की संख्या बहुत बड़ी है। अनुमान है कि करीब पंद्रह हजार भारतीय टेक कर्मियों की नौकरी चली गई है और अब उनके सामने डिपोर्टेशन का खतरा खड़ा हो गया है।

अमेरिका में भारतीय टेक पेशेवरों पर छाया संकट अब केवल नौकरी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह उनके भविष्य परिवार बच्चों की पढ़ाई और पूरी जीवन व्यवस्था पर असर डालने लगा है। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है। मेटा अमेज़न और ओरेकल जैसी कंपनियों ने हजारों कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है।

इन छंटनियों में सबसे अधिक प्रभावित भारतीय कर्मचारी हुए हैं क्योंकि अमेरिकी टेक सेक्टर में एच वन बी वीजा पर काम करने वाले पेशेवरों की संख्या बहुत बड़ी है। अनुमान है कि करीब पंद्रह हजार भारतीय टेक कर्मियों की नौकरी चली गई है और अब उनके सामने डिपोर्टेशन का खतरा खड़ा हो गया है। अमेरिका का एच वन बी वीजा सिस्टम लंबे समय से भारतीय इंजीनियरों और आईटी पेशेवरों के लिए अवसर का बड़ा माध्यम रहा है। हर साल लाखों भारतीय युवा अमेरिका जाकर वहां की टेक कंपनियों में काम करते रहे हैं। बेहतर वेतन, आधुनिक जीवनशैली और वैश्विक अवसरों की वजह से अमेरिका भारतीय युवाओं का सपना माना जाता रहा है, लेकिन अब वही सपना डर और असुरक्षा में बदलता दिखाई दे रहा है। नौकरी जाने के बाद एच वन बी वीजा धारकों को केवल साठ दिन का समय मिलता है, जिसमें उन्हें नई नौकरी ढूंढनी होती है। यदि इस समय के भीतर नया नियोक्ता नहीं मिलता तो उनका वीजा स्टेटस समाप्त हो सकता है और उन्हें अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है। पहले स्थिति इतनी कठिन नहीं थी, क्योंकि टेक इंडस्ट्री में लगातार भर्ती होती रहती थी। नौकरी जाने के बाद भी कुछ ही दिनों में नया अवसर मिल जाता था। अब वैश्विक आर्थिक सुस्ती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ऑटोमेशन और कंपनियों की लागत घटाने की नीति के कारण नई नौकरियां कम हो गई हैं। इंटरव्यू प्रक्रिया लंबी हो चुकी है और कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को स्पॉन्सर करने से बच रही हैं।

इसका सबसे बड़ा असर भारतीय पेशेवरों पर पड़ा है क्योंकि वे एच वन बी वीजा पर पूरी तरह निर्भर हैं। अमेरिकी प्रशासन की नई सख्त इमिग्रेशन नीति ने हालात को और गंभीर बना दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के बाद विदेशी कर्मचारियों की जांच और दस्तावेज सत्यापन काफी कड़ा कर दिया गया है। छोटी सी गलती भी वीजा रद्द होने का कारण बन सकती है। अब केवल नौकरी होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कंपनी को यह साबित करना पड़ रहा है कि उस पद के लिए अमेरिकी नागरिक उपलब्ध नहीं था। इससे भारतीयों के लिए नौकरी पाना पहले से ज्यादा कठिन हो गया है। ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में बदलाव ने भी भारतीयों की चिंता बढ़ा दी है। पहले अमेरिका में रहते हुए एडजस्टमेंट ऑफ स्टेटस के जरिए ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पूरी हो जाती थी, लेकिन अब नई नीति के तहत आवेदकों को अपने देश लौटकर अमेरिकी दूतावास से प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इससे न केवल समय बढ़ेगा बल्कि नौकरी और अमेरिका वापसी दोनों पर अनिश्चितता पैदा होगी। भारतीय पेशेवरों के लिए यह स्थिति इसलिए भी कठिन है, क्योंकि ग्रीन कार्ड

बैकलॉग में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक है। लाखों भारतीय वर्षों से इंतजार कर रहे हैं और कई मामलों में प्रतीक्षा अवधि दस से पंद्रह साल तक पहुंच चुकी है। इस संकट का असर केवल नौकरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय परिवारों के सामाजिक और मानसिक जीवन को भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिका में रहने वाले कई भारतीय परिवार अब भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। बच्चों की पढ़ाई घर की ईएमआई, स्वास्थ्य बीमा और जीवनसाथी के वीजा जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। कई परिवार बैकअप प्लान बना रहे हैं और भारत लौटने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। कुछ लोग अपने बच्चों को भारतीय स्कूलों में दाखिला दिलाने की तैयारी कर रहे हैं, जबकि कुछ परिवार आर्थिक बचत बढ़ाने में जुट गए हैं। भारतीय इंजीनियरों की स्थिति इसलिए भी कठिन हो गई है क्योंकि नौकरी मिलने के बावजूद वीजा स्पॉन्सरशिप आसान नहीं रही। अब कंपनियां हर नियुक्ति में ज्यादा दस्तावेज मांग रही हैं। उम्मीदवार की भूमिका, वेतन अनुभव और विशेषज्ञता का विस्तृत रिकॉर्ड देना पड़ रहा है। यदि किसी सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी जाती है तो वह किसी छोटे या अलग क्षेत्र के काम में जाकर एच वन बी स्टेटस नहीं बचा सकता। उसे उसी स्तर की नौकरी और लगभग समान वेतन वाली भूमिका ही ढूंढनी होगी। इससे विकल्प और सीमित हो जाते हैं। अमेरिका में रह रहे भारतीय पेशेवरों के अनुभव इस संकट की गंभीरता को साफ दिखाते हैं। कई इंजीनियर सैकड़ों आवेदन भेजने के बाद भी नई नौकरी नहीं पा रहे हैं।

कंपनियों की भर्ती प्रक्रिया कई महीनों तक चल रही है, जबकि वीजा नियम केवल साठ दिन की मोहलत देते हैं। इससे मानसिक दबाव तेजी से बढ़ रहा है। लोग बाहर से सामान्य दिखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भीतर असुरक्षा और भय गहराता जा रहा है। यह संकट भारत के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। लंबे समय तक भारतीय युवा विदेशों में रोजगार को सफलता का सबसे बड़ा माध्यम मानते रहे हैं, लेकिन अब यह स्पष्ट हो रहा है कि केवल विदेशी अवसरों पर निर्भर रहना सुरक्षित विकल्प नहीं है। भारत को अपने यहां रोजगार के मजबूत अवसर पैदा करने होंगे ताकि प्रतिभाशाली युवा विदेश जाने को मजबूरी न समझें। साथ ही भारतीय शिक्षा व्यवस्था को भी बदलने की जरूरत है। केवल डिग्री आधारित शिक्षा अब पर्याप्त नहीं है। युवाओं को नई तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साइबर सुरक्षा डेटा साइंस और डिजिटल स्किल्स में दक्ष बनाना होगा ताकि वे वैश्विक बदलावों के अनुरूप खुद को ढाल सकें। भारत के लिए यह समय आत्मनिर्भर तकनीकी ढांचा विकसित करने का भी है। यदि देश में मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम रिसर्च और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा तो लाखों युवाओं को देश के भीतर ही अवसर मिल सकते हैं। इससे विदेशी नीतियों और वीजा नियमों पर निर्भरता कम होगी। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां प्रतिभा को सम्मान और अवसर दोनों मिलें। अमेरिका में भारतीय टेक कर्मियों पर आया यह संकट केवल इमिग्रेशन या नौकरी का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था, बदलती तकनीक और अस्थिर रोजगार व्यवस्था की बड़ी तस्वीर को भी दिखाता है। आने वाले समय में वही देश और वही युवा सफल होंगे जो तेजी से बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को तैयार करेंगे। भारतीय युवाओं के लिए यह चुनौती भी है और अवसर भी कि वे केवल विदेश पर निर्भर रहने के बजाय अपनी क्षमता और कौशल के दम पर नए रास्ते तैयार करें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आलेख

डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार विकसित भारत का स्वरूप

पंच–परमेश्वर आजादी के इस अमृत काल से 4000 ई. पूर्व भारत के वेदों, ग्रन्थों एवं काव्यों में है। भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का सजीव एवं साकार स्वरूप स्वंतत्रता के पश्चात पंचायतीराज व्यवस्था दृष्टि गोचर हुआ। पंचायतीराज की परिकल्पना, स्वरूप एवं ग्रामीण विकास की अवधारणा वैदिक काल से भी पूर्व की है। वैदिक काल में तत्कालीन राजा पंचायतों के माध्यम से राज कार्य का दायित्व निर्वहन करते रहे। वैदिक काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायतों एवं ग्रामों को पुरस्कृत किया जाता रहा। बौद्ध काल में ग्राम परिषदों की स्थापना की गई, ग्राम परिषदों का कार्य ग्राम भूमि का प्रबंध, कर लगाने एवं वसुली की व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा स्थापित करना रहा, बौद्ध काल में सबसे अधिक कर वसूली वाले ग्रामों को प्रोत्साहन राशि से पुरस्कृत किया जाता रहा है। मौर्य काल में पंचायतें प्रशासन का का प्रमुख अंग हो गया तथा पंचायतों में सार्वजानिक कोष स्थापित किया गया, करो की राशि, लगान, दण्ड एवं जुर्मानो से प्राप्त धन को संचित किया गया, मौर्य काल में सार्वजनिक कोष में सबसे अधिक धन संचित करने वाली पंचायतों एवं ग्रामों को पुरस्कृत किया गया। गुप्तकाल में अष्टकुलाधिकरण (आठ कुलों का निरीक्षक), शौल्किक (शुल्क वसूल करने वाला, चुंगी संग्राहक) गौल्मिक (वन, उपवन निरीक्षक) आदि नियुक्त किए गए। मध्य काल में भूमि कर वसूली एवं शांती व्यवस्था हेतु नम्बरदारों को नियुक्त किया गया। मुगल काल में परगनों को गांवों में विभाजित किया गया। दसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में दक्षिण में पंचायतें पूर्ण अस्तित्व में थीं। प्राचीन काल में विशेष उल्लेखनीय कार्य करने वाले पंचायतों एवं ग्रामों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कृत किया जाता रहा है। आजादी के अमृत काल में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025, पंचायत एडवांसमेंट इनडेक्स (उन्नति सूचकांक) 2.0 योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नही बल्कि पंचायते में आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय को मापने को पैमाना है। पंचायत उन्नति सूचकांक 17 सतत विकास लक्ष्यों को 09 थीम में विभक्त कर 230 आंकडे बिन्दु चिन्हित कर किया गया है, जिसमें 150 यूनिक स्थानीय सूचकांकों का उपयोग किया गया है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के अंतर्गत देष की कुल 2,66,999 ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में से 2,59,867 ग्राम पंचायतों (97.32 प्रतिषत) द्वारा साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किये जिसमें 3635 (1.39 प्रतिशत) ए–श्रेणी, 1,18,824 (45.73 प्रतिशत) बी–श्रेणी, 1,23,719 (67.01 प्रतिशत) सी–श्रेणी तथा 13,689 (5.27 प्रतिशत) डी–श्रेणी में सम्मिलित है, यह पंचायतीराज व्यवस्था को जमीनीस्तर पर लागू करने के प्रयासों का सुखद परिणाम है, जो हमारे गांवों की तसवीर बदली है तथा समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठे हुये व्यक्ति को न्याय प्राप्त हुआ है, और समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठा हुआ व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से जुड़ा है। यह ग्रामीण भारत की उभरती तस्वीर एवं साक्ष्य आधारित पारदर्शी तथा जवाबदेही शासन का प्रमाण है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 09 थीमों–गरीबी मुक्त उन्नत आजीविका युक्त पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल–हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरियाली युक्त पंचायत, आत्म निर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत, सामाजिक रुप से सुरक्षित न्यायपूर्ण पंचायत, सुषासन युक्त पंचायत तथा महिला हितैषी पंचायत में विभक्त कर 2030 तक 17 सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्ति हेतु किया जा रहा सार्थक प्रयास है। अब पंचायतो से अपेक्षा है, कि सेवा का केन्द्र बिन्दु बनकर आत्म निर्भर बने, जो आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की स्थापना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंचायत एडवांसमेंट इन्डैक्स 2.0 (उन्नति सूचकांक) 24 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिये 33 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों हेतु जारी किया गया, जिसमें देश की कुल 2,66,999 पंचायतों में से 2,59,876 पंचायतों (97.32 प्रतिषत) ने साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किये इसमें से कुल 42 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया। देश की 2,66,999 ग्राम पंचायतों में 1,18,824 (45.73 प्रतिशत) पंचायते उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली श्रेणी में है, जिन क्षेत्रों ने ग्राम पंचायतों ने उत्कष्ट प्रदर्षन किया है, उनमें गरीबी मुक्त उन्नत आजीविका युक्त तथा स्वस्थ पंचायत शामिल है। छत्तीसगढ़ राज्य की 11,643 ग्राम पंचायतों ने पंचायत पुरस्कार में साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किया, इसमें 30 ग्राम पंचायत ए–श्रेणी, 3936 ग्राम पंचायत बी–श्रेणी, 5941 ग्राम पंचायत सी–श्रेणी एवं 1736 ग्राम पंचायत डी–श्रेणी प्राप्त की है। स्कोर के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य की ग्राम पंचायत सरदिह (जनपद पंचायत–बगीचा, जिला–जशपुर) को थीम–स्वच्छ एवं हरित पंचायत के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार राशि रु. 0.25 करोड़ प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार ग्रामीण भारत में समावेषी, सहभागी और सतत विकास को बढ़ावा देगी तथा विकसित भारत / 2047 की दिषा में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को प्रभावी जमीनी कार्यवाही में पंचायतों की भूमिका को और मजबूत करेगी, जिससे आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत का निर्माण संभव होगा।

-संकाय सदस्य (पंचायती राज)
ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा, रायपुर (छ.ग.)

सजगता से दूर होती है चिंता

संकलित
दर्शन

जब तुम चिंता का अनुभव करो, बहुत चिंताग्रस्त हो जाओ, तब इस विधि का प्रयोग करो। इसके लिए क्या करना होगा? जब साधारणतः तुम्हें चिंता घेरती है, तब तुम क्या करते हो? तुम उसका हल ढूंढ़ते हो। उसके उपाय खोजते हो। लेकिन ऐसा करके तुम और भी चिंताग्रस्त हो जाते हो। तुम उपद्रव को बढ़ा लेते हो, क्योंकि विचार से चिंता का समाधान नहीं हो सकता है। विचार के द्वारा चिंता का विसर्जन नहीं हो सकता है, क्योंकि विचार स्वयं एक तरह की चिंता है। यह विधि बहुत आसान है। यह कहती है कि चिंता के साथ कुछ मत करो। सिर्फ सजग हो जाओ। मैं तुम्हें एक दूसरे जेन गुरु बोकोजू के संबंध में एक पुरानी कहानी सुनाता हूं। वह एक गुफा में अकेले रहते थे, बिल्कुल अकेले। लेकिन दिन में या कभी-कभी रात में भी वह जोरों से कहता थे, 'बोकोजू'। यह उनका अपना नाम था। और फिर वह खुद कहते, 'हां महोदय, मैं मौजूद हूं।' जबकि वहां कोई दूसरा नहीं होता था। उनके शिष्य उससे पूछते थे, 'क्यों आप अपना ही नाम पुकारते हैं और फिर खुद कहते हैं, हां, मैं उपस्थित हूं?' बोकोजू ने कहा, 'जब भी मैं विचार में डूबने लगता हूं तो मुझे सजग होना पड़ता है। इसीलिए मैं अपना नाम पुकारता हूं। जिस क्षण मैं बोकोजू कहता हूं और कहता हूं कि हां महाशय, मैं मौजूद हूं, उसी क्षण विचारणा, चिंता विलीन हो जाती है।' फिर अपने अंतिम दिनों में, आखिरी दो-तीन वर्षों में उन्होंने कभी अपना नाम नहीं पुकारा और न ही यह कहा कि हां, मैं मौजूद हूं।

कर्म महत्वपूर्ण है

संकलित
प्रेरणा

एक निक्कमे आदमी की पत्नी ने उसे घर से निकलते हुए कहा आज कुछ न कुछ कमा कर ही लौटना नहीं तो घर में नहीं घुसने दूगीं। आदमी दिन भर इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन उसे कुछ काम नहीं मिला। निराश मन से वह जा रहा थी कि उसकी नजर एक मरे हुए सांप पर पड़ी। उसने एक लाठी पर सांप को लटकाया और घर की और जाते हुए सोचने लगा, इसे देखकर पत्नी डर जाएगी और आगे से काम पर जाने के लिए नहीं कहेगीं। घर जाकर उसने सांप को पत्नी को दिखाते हुए कहा, ये कमाकर लाया हूं। पत्नी ने लाठी को पकड़ा और सांप को घर की छत पर फेंक दिया।वह सोचने लगी कि मेरे पति की पहली कमाई जो कि एक मरे हुए सांप के रूप में मिली, ईश्वर जरुर इसका फल हमें देगें क्योकिं मैंने सुना हैं कि कर्म का महत्व होता हैं। वह कभी व्यर्थ नहीं जाता। तभी एक बाज़ उधर से उड़ते हुए निकला जिसने चोंच में एक कीमती हार दबा रखा था। बाज़ की नजर छत पर पड़े हुए सांप पर पड़ी उसने हार को वहीं छोड़ा और सांप को लेकर उड़ गया। पत्नी ने हार को पति को दिखाते हुए सारी बात बताई। पति अब कर्म के महत्व को समझ चुका था, उसने हार को बेचकर अपना व्यवसाय शुरू किया। कल का एक गरीब इन्सान आज का सफल व्यवसायी बनकर इज्जत की जिंदगी जी रहा हैं। चलने वाला मंजिल पाता, बैठा पीछे रहता हैं, ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल रहता हैं। पैर मिले हैं चलने को तो, पांव पसारे मत बैठो आगे-आगे चलना हैं तो, हिम्मत हारे मत बैठो।

अंतर्मन

आज की पाती

बढ़ती कीमतों के लिए कौन जिम्मेदार?

पेट्रोल–डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद से ही देशभर में लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी और जेब पर पड़ने लगा है। अब तो हर चीज के दाम बढ़ेंगे, जिससे आम आदमी को अपना जीवनयापन करना मुश्किल हो जाएगा। महंगाई बढ़ने से जनता का मासिक बजट बिगड़ जाता है। जरूरी वस्तुओं की खरीददारी में भी कटौती करनी पड़ती है और बचत में भी कमी आती है। आम जनता पर तो महंगाई की चौतरफा मार पड़ती है। मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट तो बिगड़ ही जाता है, लेकिन गरीब आदमी का तो जीना ही मुहाल हो जाता है। सरकार को मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर महंगाई पर नियंत्रित करने के उचित प्रयास करने चाहिए।

– पीयूष जोशी, भाटापारा

करंट अफेयर

डब्ल्यूटीओ में भारत ने चीन के अनुरोध पर रोक लगाई

भारत ने सौर सेल, मॉड्यूल और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्रों के लिए अपने समर्थन उपायों को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में दायर मामले में पैनल गठित करने के चीन के अनुरोध पर रोक लगा दिया है। चीन ने इस महीने की शुरुआत में डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) से एक पैनल गठित करने का अनुरोध किया था। यह अनुरोध दोनों देशों के बीच परामर्श के विफल रहने के बाद किया गया था। चीन ने पिछले वर्ष दिसंबर में यह मामला दायर किया था। जिनेवा स्थित एक अधिकारी ने कहा कि भारत ने मामले में पैनल बनाने से संबंधित चीन के पहले अनुरोध को खारिज कर दिया है। डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत, मामले से संबंधित देश पहली बार पैनल गठन के अनुरोध को रोक सकता है, लेकिन दूसरी बार भी यह अनुरोध किए जाने पर पैनल गठित हो जाता है। यह मुद्दा 22 मई को जिनेवा में आयोजित डीएसबी की बैठक में उठा था। यदि चीन अगली बैठक में दोबारा अनुरोध करता है, तो पैनल का गठन स्वतः हो जाएगा। चीन ने आरोप लगाया है कि भारत द्वारा कुछ प्रौद्योगिकी उत्पादों पर लगाए गए आयात शुल्क और घरेलू उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने वाले उपाय चीनी उत्पादों के साथ भेदभाव करते हैं।

ऑफ बीट

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, इलाज की जरूरत

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवतः प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है। अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है, तो उसे "सेकेंडरी इंसोमेनिया" कहा जाता है। यही कारण है कि पहले डॉक्टर अक्सर सिर्फ मुख्य बीमारी का इलाज करते थे और 'सेकेंडरी इंसोमेनिया' का अलग से उपचार करने पर ध्यान नहीं देते थे। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में शोध और नैदानिक अनुभव, दोनों से पता चला कि यह तरीका सही नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कुछ मामलों में अनिद्रा की शिकायत किसी मुख्य बीमारी के उभरने से पहले से ही हो सकती है, जबकि कुछ मामलों में यह उसके ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रह सकती है।

ट्रेंड

सामाजिक परिवर्तन

जब संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित को अपना मिशन बना लेता है, तब संगठन मात्र राजनीतिक शक्ति से सामाजिक परिवर्तन की शक्ति में परिवर्तित हो जाता है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

पुख्ता व्यवस्था हो

जब लाखों युवा सड़कों पर हैं, 22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है, और प्रधानमंत्री चुप हैं तो सरकार प्रतिक्रिया देने पर नहीं, बल्कि टालमटोल करने पर ध्यान दे रही है। जब तक परीक्षाओं के पेपर लीक को रोकने के लिए एक पुख्ता व्यवस्था स्थापित नहीं हो जाती, हम नहीं रुकेंगे।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

आत्मनिर्भर भारत

तेजस मार्क 1ए सिर्फ एक लड़ाकू विमान नहीं है; यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और क्षमता की नई पहचान है। आज, भारत अपने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और युवाओं की प्रतिभा के बल पर रक्षा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।
- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

मुख्यमंत्रियों से अपील

सभी मुख्यमंत्रियों से मेरी अपील है: कृपया 21 तारीख को नीट की पुनर्परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए बस यात्रा निःशुल्क करें। मुझे खुशी है कि बिहार और हरियाणा ने इस मामले में पंजाब का अनुसरण किया है। आशा है कि अन्य मुख्यमंत्री भी ऐसा ही करेंगे।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771–4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

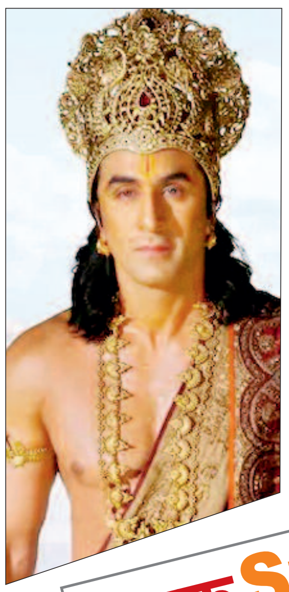

दिवाली से एक हफ्ते पहले आ सकती है रामायणम

नई दिल्ली। 'रामायणम' के मेकर्स ने एक मास्टरस्ट्रोक चला है। खबर है कि यह फिल्म अब दिवाली से एक हफ्ते पहले रिलीज हो सकती है। 30 अक्टूबर के आसपास यह सिनेमाघरों में आ सकती है। इसका कारण भी सामने आया है। वहीं, 450 करोड़ की ओटीटी डील भी चर्चा में है। नमित मल्होत्रा की 4,000 हजार करोड़ी 'रामायणम' जहां एक तरफ अपनी मोटी ओटीटी डील के कारण सुर्खियों में है, वहीं, दूसरी ओर अब इसे दिवाली से पहले रिलीज किए जाने की खबरें आ रही हैं। 'रामायणमः पार्ट 1' दिवाली के मौके पर 6 नवंबर को रिलीज होनी थी, पर अब कहा जा रहा है कि मेकर्स इसे एक हफ्ते पहले रिलीज करने के बारे में सोच रहे हैं।

लाइफ Style

रंजना

कान के अनुभव को बताया गर्व का पल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वागले की दुनिया फेम दिग्गज अभिनेता अंजन श्रीवास्तव की बेटी और थिएटर कलाकार रंजना अंजन इन दिनों अपनी पहली फिल्म चांद तारा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में कान फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च हुआ।

फिल्म में रंजना, 17वीं सदी की मशहूर सिंगर और नृत्य कलाकार तारामती का किरदार निभा रही हैं। रंजना ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, 'तारामती एक ऐतिहासिक किरदार हैं। वह कुतुब शाही दौर की 17वीं सदी की मशहूर सिंगर और नृत्य कलाकार थीं। जो अब्दुल्ला कुतुब शाह के दरबार से जुड़ी थीं। उनके बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। इसलिए उनके स्वभाव, सोच और पर्सनालिटी को समझने के लिए मुझे काफी हद तक अपने डायरेक्टर की दृष्टि और उनकी समझ पर भरोसा करना पड़ा।' जो चीज मुझे उनसे सबसे ज्यादा जोड़ती है, वो उनकी इमोशंस हैं। समय चाहे कोई भी हो, इंसान के इमोशंस नहीं बदलते। वर्षों तक मंच पर काम करते हुए जो अनुभव और सीख मिली, वही मुझे यहां तक लेकर आई। कान जैसे बड़े मंच पर अपनी पहली फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होते देखना मेरे लिए बहुत इमोशनल और गर्व का पल था। एक पल के लिए लगा कि वर्षों की मेहनत का फल मिला है। लेकिन, दिल में आज भी यही लगता है कि यह मंजिल नहीं, बल्कि एक नई और खूबसूरत शुरुआत है।' रंजना ने अपने पिता अंजन श्रीवास्तव से मिली सीख के बारे में भी बात की।

हॉलीवुड मसाला

फाइनल चैप्टर की ओर एमिली

दिल्ली। 'एमिली इन पेरिस' ने अपने छठे और फाइनल सीजन की घोषणा कर दी है। एक पोस्ट के साथ मेकर्स ने तय किया कि आने वाला सीजन शो का आखिरी और फाइनल सीजन होगा। 21 मई को फाइनल सीजन की शूटिंग शुरू हुई और निर्माताओं ने ग्रीस से कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसका एलान किया। ऑनलाइन वायरल हो रही तस्वीरों में कई कलाकार खूबसूरत सेट पर पहुंचते नजर आए, जहां उन्होंने इस रोमांटिक कॉमेडी सीरीज के आखिरी चैप्टर की शूटिंग शुरू की।

सिंगर दुआ ने दिग्गज टेक कंपनी पर ठोंका मुकदमा

लॉस एंजिल्स। ब्रिटिश सिंगर दुआ लिपा ने इलेक्ट्रॉनिक्स की एक दिग्गज कंपनी पर केस ठोंका है। मामला सिंगर की एक तस्वीर के बिना अनुमति इस्तेमाल से जुड़ा है। दुआ लीपा ने कंपनी के खिलाफ लीगल एक्शन लेते हुए हर्जाने में करोड़ों रुपये मांगे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 'सिंगर दुआ लीपा ने टेक कंपनी सैमसंग पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपए) का मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने बिना उनकी अनुमति के टीवी की पैकेजिंग पर उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया'। शिकायत के अनुसार, दुआ लीपा ने दावा किया कि 2024 में ऑस्टिन सिटी लिमिट्स म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान ली गई उनकी एक बैकस्टेज तस्वीर का इस्तेमाल, 2025 से शुरू होने वाले सैमसंग टेलीविजन के कई मॉडलों की पैकेजिंग पर किया गया।

एलियन थ्रिलर समुक में आएंगे नजर...

नई दिल्ली। भूत बंगला की कामयाबी के बाद अब अक्षय कुमार एक और थ्रिलर फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने की तैयारी में हैं। खिलाड़ी कुमार की नई फिल्म आ रही है जो एलियन एक्शन थ्रिलर समुक है। अक्षय कुमार की आगामी फिल्म समुक भारत की पहली बड़े स्तर की एलियन थ्रिलर बताई जा रही है। फिल्म का निर्देशन सनक, इनसाइड एज और ग्लोरी जैसे प्रोजेक्ट्स बना चुके कनिष्क वर्मा करने वाले हैं, जबकि फिल्म का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह कर रहे हैं। अक्षय कुमार ने समुक का हिस्सा बनने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, "हां मैंने यह फिल्म साइन की है। समुक की कहानी और विषय मुझे बेहद दिलचस्प लगे। एलियन थ्रिलर मेरे लिए और हमारी फिल्मों के लिए बिल्कुल नया जॉनर है। मैं इसे लेकर काफी उत्साहित हूं।

डेविड लेंगे संन्यास करण हुए भावुक...

नई दिल्ली। डेविड धवन ने 6 साल बाद फिल्मों में बतौर निर्देशक वापसी की, लेकिन अब वह संन्यास लेने का मन बना चुके हैं और अपनी आखिरी फिल्म के बाद रिटायरमेंट की अनाउंस करने की योजना बना रहे हैं। इस बात का खुलासा करण जौहर ने किया है। करण ने बताया है कि डेविड ने उन्हें बताया है कि वह जल्द ही संन्यास लेने वाले हैं। करण, डेविड के रिटायरमेंट की बात पता चलने पर भावुक हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कहा, 'कल जब मैं डेविड जी के सेलिब्रेशन में गया और उन्होंने मुझे बताया कि यह उनकी आखिरी फिल्म आने वाली है। तो मेरे दिल में एक मिली-जुली सी भावना उमड़ पड़ी। सोचिए, यह एक ऐसे फिल्ममेकर हैं जो फिल्मों की एक पूरी की पूरी नई शैली बनाने के लिए जिम्मेदार हैं।

टीवी मसाला

पहले ही टास्क में मजबूत खिलाड़ी का एविक्शन पक्का!

नई दिल्ली। स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 की शुरुआत हो गई है। साउथ अफ्रीका के केप टाउन में खतरनाक खेल में एक कंटेस्टेंट की बली चढ़ने वाली है। रोहित शेट्टी होस्टेड खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में इस बार पुराने खिलाड़ी भी खतरों से खेलने लौटे हैं। शो में खतरनाक गेम शुरू हो गया है और पहले टास्क में दो खिलाड़ी सेफ हो गए हैं, जबकि दो को फियर फंदा में डाला गया है। इसका मतलब है कि फियर फंदा में पहुंचने वाले दो कंटेस्टेंट्स में से कोई एक अब घर वापसी करने जा रहा है। शो से जुड़े बड़े अपडेट्स आए हैं, जो आपकी दिलतस्पी को और भी बढ़ा देगा। खतरों के खिलाड़ी 15 से जुड़े अपडेट्स देने वाले एक इंस्टाग्राम पेज ने बताया है कि शो का पहला टास्क कंप्लीट हो गया है। केप टाउन में हुए इस खतरनाक गेम में दो खिलाड़ियों ने बाजी मार ली और वह हैं बिग बॉस सीजन 19 के विनर गौरव खन्ना और फर्स्ट रनर-अप फरहाना भट्ट है। जी हां, खबरों की मानें तो दोनों खिलाड़ी पहले टास्क में सेफ हो चुके हैं। बाकी दो कंटेस्टेंट्स पर एलिमिनेशन की तलवार लटक रही है। पहले टास्क में सही परफॉर्मेंस न करने के बाद उन्हें फियर फंदा मिला है। यह कंटेस्टेंट्स हैं ओरी और ऋत्विक धनजानी हैं। कहा जा रहा है कि दोनों फियर फंदा में हैं। दोनों में से कोई भी फियर फंदा टास्क हारा तो वह एलिमिनेट हो जाएगा। इस सीजन में नए खिलाड़ियों के साथ पुराने कंटेस्टेंट्स को भी लिया गया है। शो में रुबीना दिलैक, फरहाना भट्ट, गौरव खन्ना, करण वाही, रित्विक धनजानी, हर्ष गुजराल, ओरी, जैस्मिन भसीन, शगुन शर्मा, अविनाश मिश्रा, रुहानिका धवन, अविका गौर, विशाल आदित्य सिंह हैं।

ओटीटी पर छाया पुरानी मूवी का नया वर्जन

नई दिल्ली। ओटीटी पर अक्सर एक न एक नई फिल्म या वेब सीरीज ट्रेंडिंग में बनी रहती है। लेकिन हैरानी तब होती है, जब कोई पुराना थ्रिलर ओटीटी पर धमाल मचा रहा होता है। इस मामले में एक 6 महीने पुरानी फिल्म का नया वर्जन हाल ही में ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, जो आते ही ऑडियंस की पहली पसंद बन गया है। आलम ये है कि अब ये फिल्म ओटीटी पर नंबर-2 पर ट्रेंड कर रही है और पूरे इंडिया में फैंस का भरपूर मनोरंजन कर रही है। हाल ही में रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर पार्ट-1 का रॉ और अनदेखा वर्जन ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया है। ओटीटी पर आते ही धुरंधर के इस नए वर्जन ने अपना कमाल दिखाना शुरू कर दिया है और ये मूवी फिलहाल नेटफ्लिक्स पर नंबर-2 पर ट्रेंड कर रही है।

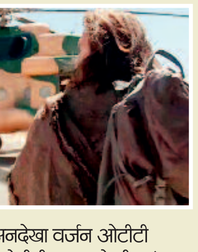

कान का हुआ समापन, अवॉर्ड के मामले में खाली रही भारत की झोली

मुंबई। शनिवार देर रात कान फिल्म फेस्टिवल का समापन हो गया। आखिरी दिन इस इवेंट से ऐश्वर्या राय का ग्लैमरस लुक सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर छा गया। लेकिन अवॉर्ड के मामले में भारत की झोली खाली ही रही। ऐश्वर्या राय हर साल कान फेस्टिवल के आखिरी दिनों में रेड कारपेट पर नजर आती हैं और सारी लाइमलाइट लूट लेती हैं। शनिवार देर रात ऐश्चर्या राय का कान फेस्टिवल से लास्ट लुक सामने आया। यह लुक अब सोशल मीडिया पर चर्चा में है। ऐश्वर्या राय व्हाइट पैंटसूट में रेड कारपेट पर छा गईं। एक तरफ जहां उनकी वजह से कान फेस्टिवल के रेड कारपेट पर भारत का जलवा देखने को मिला, वहीं अवॉर्ड के मामले में निराशा ही हाथ लगी। कान फेस्टिवल के आखिरी दिन ऐश्वर्या राय ने व्हाइट पैंटसूट के साथ एक फेदर लेस वाला बोआ स्कार्फ टीमअप किया था। इससे उनका लुक और भी खूबसूरत नजर आने लगा। पैंटसूट के साथ ऐश्वर्या ने डायमंड रिंग पहनकर अपने लुक को कंप्लीट किया था। फैंस ने भी ऐश्वर्या के इस लुक को खूब पसंद है, उन्हें कान फेस्टिवल की क्वीन कह दिया है। इस बार कान फिल्म फेस्टिवल में कुछ भारतीय फिल्मों का प्रीमियर भी हुआ, इस लिस्ट में अम्मा अरियन, बालनः द बॉय, चर्डीकला, 21 सितंबर, शैडोज ऑफ द मूनलेस नाइट और स्पिरिट ऑफ द वाइल्डफ्लावर शामिल रहीं। अवॉर्ड के मामले में भारत की झोली कान फिल्म फेस्टिवल में खाली ही रहीं।

एक-दूसरे पर जान छिड़कते हैं फिल्म जगत के ये भाई

मुंबई। भाई एक ऐसा रिश्ता है, जिसके होने से एक भरोसा मजबूत होता है कि कोई संभाल लेगा। मन की जो बातें किसी दोस्त या रिश्तेदार से शेयर करने में सहज न हों, उन्हें भाई-बहन आपस में शेयर कर लेते हैं। इमोशनली इंसान थोड़ा और मजबूत होता है। तभी तो भाई के रिश्ते को सबसे खास, मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते में गिना जाता है। हम आपको बॉलीवुड के कुछ ऐसे ही भाइयों से रूबरू करा रहे हैं।

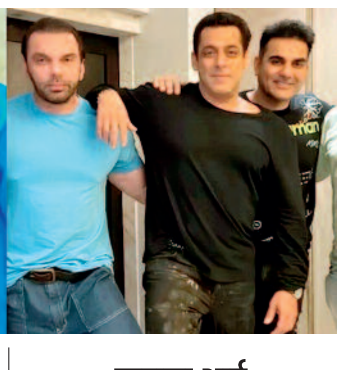

भाई-बहनों पर जान छिड़कते हैं भाईजान

सलमान खान को यूं तो बॉलीवुड में भाईजान कहा जाता है। वे जिसे अपना मान लें और कोई उन्हें भाई कह दे तो फिर वे अपने सगे भाई की तरह उससे रिश्ता निभाते हैं। अपने घर में भी वे बड़े भाई की जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे हैं। छोटे भाइयों- अरबाज खान और सोहेल खान के लिए वे आधी रात भी मदद को तैयार रहते हैं। सिर्फ भाई ही नहीं, दोनों बहनों-अलवीरा और अर्पिता खान शर्मा के साथ भी उनकी गजब बॉन्डिंग है।

देओल ब्रदर्स

सनी देओल और बॉबी देओल के बीच गजब की बॉन्डिंग है। दोनों के रिश्ते में प्यार और अपनेपन के साथ-साथ सम्मान और बड़े-छोटे का लिहाज भी देखने को मिलता है। बॉबी देओल कई इंटरव्यू में खुलकर यह बात कह चुके हैं कि उनके भैया सनी देओल ने उन्हें कितना सपोर्ट किया है। अक्सर वे अपने बडे भाई और परिवार के बारे में बात करते हुए इमोशनल हो जाते हैं।

खुराना भाई

आयुष्मान खुराना और अपारशक्ति खुराना के बीच भी कुछ ऐसा ही प्यार देखने को मिलता है। दोनों भाई इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। भाई का रिश्ता होने के साथ-साथ दोनों के बीच एक दोस्ती भी देखी जाती है।

कौशल ब्रदर्स

अभिनेता विक्की की अपने छोटे भाई सनी कौशल के साथ शानदार बॉन्डिंग है। दोनों के बीच भाइयों वाला प्यार और अपनापन है और साथ ही दोस्ती भी है।

32 साल तक नहीं टूटा रिकॉर्ड, मात्र 2 लाख के बजट में कमाए 1 करोड़

3 साल थिएटर्स से नहीं हटी थी 80 साल पुरानी फिल्म

नई दिल्ली। 80 साल पहले बड़े पर्दे पर एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई जिसका रिकॉर्ड कोई भी फिल्म 32 साल तक नहीं तोड़ पाई। ये फिल्म 3 साल तक थिएटर में टिकी रही। इस फिल्म को बनाने में सिर्फ 2 लाख की लागत आई थी, लेकिन इसकी कमाई 1 करोड़ से भी ज्यादा थी। 1940 का दशक वह दौर था जब पूरा विश्व और भारत द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका तथा स्वतंत्रता संग्राम की हलचलों से गुजर रहा था। इसी कठिन समय में साल 1943 में एक ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसने देश के दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया। उस जमाने में फिल्मों का हफ्तों तक चलना ही बड़ी बात होती थी, लेकिन इस फिल्म ने कामयाबी के सारे पिछले रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। थिएटरों के बाहर टिकटों के लिए मीलों लंबी लाइनें लगती थीं और हर शो पूरी तरह हाउसफुल रहता था। लोग एक ही फिल्म को बार-बार देखने सिनेमाघर पहुंच रहे थे। इसी अभूतपूर्व दीवानगी की वजह से इस फिल्म को भारतीय सिनेमा के इतिहास की पहली 'ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर' फिल्म का दर्जा मिला। हम बात कर रहे हैं ऐतिहासिक फिल्म 'किस्मत' की।

बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की कमाई

उस दौर में अधिकांश फिल्मों का ताना-बाना एक जैसे विषयों के इर्द-गिर्द बुना जाता था, लेकिन 'किस्मत' ने एक बेहद अनोखी और साहसी कहानी पेश की। प्रतिष्ठित फिल्म निर्माण कंपनी 'बॉम्बे टॉकीज' के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन ज्ञान मुखर्जी ने किया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि यह फिल्म बेहद सीमित संसाधनों और मात्र 2 लाख रुपए के मामूली बजट में तैयार की गई थी, लेकिन जब यह रिलीज हुई तो इसकी सफलता ने फिल्म समीक्षकों और निर्माताओं को चौंका दिया। उस दौर में करोड़ों की कमाई का सपना देखना भी नामुमकिन था, लेकिन 'किस्मत' ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 1 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर इतिहास रच दिया। इस फिल्म ने साफ कर दिया कि यदि कहानी में दम हो तो बजट मायने नहीं रखता।

हिंदी सिनेमा के पहले असली सुपरस्टार

इस फिल्म की अपार सफलता ने मुख्य अभिनेता अशोक कुमार को रातों-रात लोकप्रियता के उस शिखर पर पहुंचा दिया, जहां उनसे पहले कोई नहीं पहुंचा था। 'किस्मत' के बाद उन्हें हिंदी सिनेमा का पहला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा। फिल्म में उनके साथ मशहूर अभिनेत्री मुमताज शांति नजर आई थीं। अशोक कुमार ने फिल्म में एक ऐसे चोर का किरदार निभाया था, जो अंदर से साफ दिल का है। उस दौर के सिनेमा के लिए यह एक बिल्कुल नया और बोल्ड प्रयोग था। दर्शक उनके इस स्टाइलिश अंदाज और अभिनय के इस कदर मुरीद हुए कि सिनेमाघरों में उनके दृश्यों पर जमकर तालियां और सीटियां बजती थीं।

बोल्ड विषय और अमर देशभक्ति गीत

'किस्मत' की कहानी अपने समय से काफी आगे मानी गई थी। फिल्म में बिना शादी के एक युवती के गर्भवती होने जैसे बेहद संवेदनशील और गंभीर मुद्दे को दिखाया गया था। समाज के एक वर्ग ने इस पर आपत्ति भी जताई, लेकिन आम दर्शकों ने इस प्रगतिशील सोच का खुलकर स्वागत किया। इसके अलावा कवि प्रदीप द्वारा लिखा गया फिल्म का एक गीत 'दूर हटो ऐ दुनिया वालों, हिंदुस्तान हमारा है' जबरदस्त हिट रहा। इस गाने ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर रहे भारतीयों में देशभक्ति का नया जोश भर दिया और यह गीत हर स्वतंत्रता सेनानी की जुबान पर चढ़ गया।

रॉक्सी सिनेमा का वो अटूट रिकॉर्ड

इस फिल्म की लोकप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण कोलकाता का रॉक्सी सिनेमा बना। वहां यह फिल्म बिना रुके लगातार 187 हफ्तों यानी लगभग साढ़े तीन साल तक चलती रही। यह अपने आप में एक ऐसा कीर्तिमान था, जिसे अगले 32 सालों तक भारतीय सिनेमा की कोई भी दूसरी फिल्म नहीं तोड़ सकी थी। बाद में इस फिल्म की लोकप्रियता को भुनाने के लिए इसे तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी रीमेक किया गया। आज आठ दशक से भी ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी 'किस्मत' को भारतीय फिल्म जगत की सबसे मील का पत्थर और ऐतिहासिक फिल्मों में बेहद सम्मान के साथ गिना जाता है।

भारत ने कांगो, युगांडा और साउथ सूडान की यात्रा से बचने की सलाह दी

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया, भारत ने अफ्रीका भेजी दवाओं से भरी खेप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अफ्रीका में इबोला वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दी है। वहीं, भारत सरकार ने भी कांगो, युगांडा और साउथ सूडान की यात्रा से बचने की सलाह दी है।

अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने भी इस वायरस को महाद्वीपीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है।

दुनिया पर एक बार फिर एक खतरनाक महामारी का साया मंडराता नजर आ रहा है। अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। विश्व स्तर पर बढ़ते इस खतरे को देखते हुए भारत सरकार भी पूरी तरह अलर्ट हो गई है।

दुनिया में तेजी फैलने की संभावना,कई देश अलर्ट

- इबोला का बचाव करना ही इलाज है,वैक्सीन भी नहीं बनी
- अफ्रीकी देशों में 500 से अधिक मामले सक्रिय

क्या है इबोला?

बता दें, इबोला एक खतरनाक वायरस से होने वाली बीमारी है। यह कई मामलों में जानलेवा साबित हो सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, पसीना या वीर्य के संपर्क में आने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने के लिए जाना जाता है। यह महामारी बंडिबुग्यो वायरस के कारण हुई है. यह इबोला वायरस की एक प्रजाति है, जिसके लिए कोई वैक्सीन या उपचार उपलब्ध नहीं है।

500 से ज्यादा मामले, 130 मौतें

डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि संक्रमण और अधिक फैल सकता है। मौतों की संख्या बढ़ सकती है। 500 से अधिक संदिग्ध मामले और 130 संदिग्ध मौतों की जानकारी सामने आई है। ये आंकड़े आगे बदल सकते हैं।

अफ्रीका में भी इमरजेंसी घोषित

अफ्रीका सीडीसी ने कांगो और युगांडा में फैल रहे इबोला वायरस के बुंडीबुग्यो स्ट्रेन' को महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है।

भारत ने भेजी मेडिकल सहायता

इस संकट की घटी में भारत अफ्रीका के साथ खड़ा है। भारत सरकार ने आज अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन को जरूरी मेडिकल सप्लाई और प्रोटेक्टिव किट्स की पहली खेप रवाना कर दी है।

राजौरी में एंटी-टेरर ऑपरेशन दूसरे दिन भी जारी रही मुठभेड़

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवाद-विरोधी अभियान रविवार को दूसरे दिन में प्रवेश कर गया। छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात रहे। जंगल वाले इलाके में उस वक्त मुठभेड़ शुरू हो गई, जब छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर दी। आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया गया, जिसके बाद वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ सहित सुरक्षा बलों ने राजौरी जिले के गम्भीर मुगलन के जंगलों में 2-3 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली खुफिया जानकारी के बाद इलाके में मिलकर आतंकवाद-विरोधी अभियान शुरू किया। संयुक्त ऑपरेशन के दौरान, गंभीर मुगलन, राजौरी के इलाके में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ। दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई और इलाके की घेराबंदी प्रभावी ढंग से कर ली गई है। ऑपरेशन अभी भी जारी है।

■ जम्मू कश्मीर में सर्च ऑपरेशन तेज

गुजरात में कांग्रेस से एकमात्र राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह का कार्यकाल 21 जून को हो रहा खत्म

गुजरात में कांग्रेस का सियासी संकट राज्यसभा में नहीं होगा कोई सांसद!

एजेंसी ▶▶ गांधी नगर

जैसे-जैसे देशभर में एक के बाद एक भाजपा की सरकार बनती जा रही है। ये कांग्रेस पार्टी के लिए एक चिंता का विषय दिखाई देने लगा है। हाल ही में गुजरात एक ऐसी ही खबर सामने आया है जहां धीरे-धीरे घटते उसके जनाधार के साथ, राज्यसभा में भी कांग्रेस पार्टी का वजूद सिमटता जा रहा है। बता दें, गुजरात में कांग्रेस से राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल, जो कांग्रेस के गुजरात से एकमात्र सांसद भी है। उनका कार्यकाल 21 जून को खत्म होने जा रहा है। इसी के साथ ऐसा पहली बार होने वाला है गुजरात से कांग्रेस पार्टी एक भी सांसद देश के सर्वोच्च सदन राज्यसभा में मौजूद नहीं होगा। अगर गुजरात विधानसभा के आंकड़ों पर नजर डालें तो गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा भारी बहुमत से जीत हासिल की थी। यही वजह है कि राज्यसभा की खाली होने वाली 4 सीटों को लेकर भी, चुनाव से पहले ही भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। हालांकि इसे लेकर फिलहाल कोई भी ठोस आंकड़े सामने नहीं आए हैं।

गुजरात विधानसभा में ऐसी है दलीय स्थिति

हालांकि गुजरात में राज्यसभा की 4 सीटों के लिए 18 जून को आगामी चुनाव कराए जाएंगे। बात दें, गुजरात विधानसभा में कुल 182 सदस्यीय है, जिसमें भाजपा के सबसे अधिक यानी 162 विधायक, कांग्रेस के 12 विधायक और आम आदमी पार्टी के मात्र 5 विधायक शामिल हैं। इसके आवला समाजवादी पार्टी का 1 और निर्दलीय के 2 विधायक है। यही वजह है कि गुजरता में धीरे-धीरे कांग्रेस का वजूद मिटता नजर आ रहा है।

एक जून से शुरू हो जाएगी चुनाव प्रक्रिया

भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, 1 जून से ही राज्यसभा चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दी जाएगी। वहीं 8 जून को पर्चा भरने की लास्ट डेट डेट होगी और 9 जून नामांकन पत्रों की जांच जाएगी. इसके साथ ही ईसीआई द्वारा ये भी जानकारी दी गई है कि जो उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहते है वो 11 जून तक ले सकेंगे। इसके साथ ही 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक गुजरात विधानसभा परिसर में मतदान की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके बाद शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी। वहीं 20 जून तक राज्यसभा चुनाव की ये प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। बता दें, गुजरात में राज्यसभा की कुल 11 सीटें है, जिसमें से 10 भाजपा के राज्यसभा सांसद की है और एक कांग्रेस के शक्तिसिंह गोहिल की लेकिन 21 जून मौजूदा सांसद शक्तिसिंह गोहिल कार्यकाल खत्म हो जाएगा। इसके साथ ही तीन अन्य मौजूदा सांसद नरहरि अमीन, रमीला बारा और राम मोकारिया का ही कार्यकाल खत्म होने जा रहा है।

जैन साध्वियों को कुचलने वाला गिरफ्तार

न्यायिक जांच की मांग, आज देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान

एजेंसी ▶▶ जबलपुर

रीवा जिले में कलेक्ट्रेट के सामने पैदल विहार कर रहीं तीन जैन साध्वियों को एक तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में दो साध्वियों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना से पूरे जैन समाज में भारी आक्रोश है और देश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। घटना 20 मई की दोपहर की है, जब साध्वियां धार्मिक परंपरा के अनुसार सड़क किनारे पैदल विहार कर रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उन्हें रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूज्य श्रुति मति माता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उपसमिति माता ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। तीसरी साध्वी आर्यिका माता की हालत नाजुक है, जिनका इलाज संजय गांधी अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद आरोपी चालक रशीद आबाद अली शाह कार लेकर मौके से फरार हो गया था। रीवा पुलिस के इनपुट पर जबलपुर की बरगी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बहोरीपार टोल प्लाजा पर घेराबंदी की और आरोपी को करीब 270 किलोमीटर दूर धर दबोचा। जैन समाज ने इसे सामान्य हादसा मानने से इनकार करते हुए मामले की न्यायिक या एसआईटी जांच की मांग की है।

■ जैन समाज ने हादसा मानने से किया इनकार

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने दी चेतावनी

शुभेन्दु अधिकारी के प्रभाव में आकर काम न करे पुलिस

बंगाल की सियासत गरमाई

एजेंसी ▶▶ कोलकता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हिप कल्याण बनर्जी ने राज्य पुलिस को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि पुलिस को किसी भी राजनीतिक नेता, जिसमें सुवेंदु अधिकारी भी शामिल हैं, के प्रभाव में आकर काम नहीं करना चाहिए और पूरी निष्पक्षता के साथ कानून का पालन करवाना चाहिए।

ममता बनर्जी के करीबी नेताओं में गिने जाने वाले कल्याण बनर्जी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब बंगाल की राजनीति में चुनावी हार, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की भूमिका को लेकर लगातार आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। हाल ही में ममता बनर्जी ने उन्हें दोबारा लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया है।

पुलिस को दी निष्पक्ष रहने की नसीहत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कल्याण बनर्जी ने लिखा, मुझे हमारे पुलिसकर्मियों के लिए बहुत सम्मान है, खासकर इसलिए क्योंकि मैं खुद एक पुलिस अधिकारी का बेटा हूं। हालांकि, मैं उन्हें यह याद दिलाना चाहूंगा कि उनका कर्तव्य पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ कानून का पालन करवाना है, न कि किसी के प्रभाव में आकर काम करना।

बुलंदशहर में दो मामलों में रासुका कार्रवाई की गई

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में दो मामलों में पुलिस ने कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की है। पहला मामला अनूपशहर थाना क्षेत्र का है, जहां कुछ दिन पहले यूरिया की अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन ट्रकों को पकड़ा गया था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि दो अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। आरोपियों में से एक मोहम्मद हारून जमानत हासिल करने की कोशिश कर रहा था।

कारोबारी के घर पर मिला चार करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कारोबारी जय एस. कामदार के आवास पर तलाशी के दौरान लगभग चार करोड़ रुपये का सोना जब्त किया और एक संदिग्ध डायरी बरामद की। बताया जाता है कि कामदार पुलिस अधिकारी शांतनु सिन्हा बिस्वास के करीबी हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'सोना पप्पू' मामले के संबंध में ईडी की जारी जांच के तहत शुक्रवार को मध्य कोलकाता के मार्क्यूइस स्ट्रीट स्थित कामदार के आवास पर तलाशी ली गई।

सीएम हिमंत सरमा ने की तारीफ

असम : बकरीद पर कुर्बानी को लेकर मस्जिद समितियों का बड़ा फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बकरीद से पहले असम से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने पूरे राज्य में चर्चा का माहौल बना दिया है। राज्य के कई जिलों की मस्जिद समितियों ने स्वेच्छा से यह घोषणा की है कि इस बार ईद-उल-अजहा यानी बकरीद पर गाय की कुर्बानी नहीं दी जाएगी। इस फैसले को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सांप्रदायिक सौहार्द की दिशा में सकारात्मक कदम बताते हुए इसकी खुलकर सराहना की है। राज्य में इस निर्णय को सामाजिक समझदारी और आपसी सम्मान के उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से स्वैच्छिक कदम है और इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कानून और सामाजिक जिम्मेदारी दोनों का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

कुर्बानी से किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हों

जानकारी के मुताबिक, असम के अलग-अलग जिलों में मस्जिद समितियों और स्थानीय धार्मिक संगठनों ने समुदाय से अपील की है कि बकरीद के मौके पर ऐसे जानवरों की कुर्बानी दी जाए, जिनसे किसी समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत न हों। समितियों ने कहा कि शांति और भाईचारे को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और इसी सोच के साथ यह निर्णय लिया गया है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 6263818152 79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड
अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019.(आरो-015)

टीचर
Wanted- Shiv International School Kumhari: TEACHER REQUIREMENT We are hiring for the following positions: TGT (Trained Graduate Teacher) Mathematics, Social Science, Science, English and PRT (Primary Teachers) English, EVS, Salary and Qualifications: As per norms. Contact: Bajrang chowk purani basti kumhari Mob. No 8770999625.(RO-536)
Wanted- Wanted Teachers for BAGBAHRA AND PITHORA BRANCH For Maths English and Computer.Experienced English Medium Qualified Candidate may call or send resume to 9425214413, 7772862917.(RO-90)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्सकर्मी
आवश्यकता है
छत्तीसगढ़ में नवबोध प्रकाशन की पुस्तकों के प्रचार कार्य हेतु
प्रचार प्रतिनिधी
योग्यता- स्नातक (स्वयं की मोटर साइकिल वाले को प्राथमिकता)
वेतन प्रतिमाह + रहना - खाना, पेट्रोल और गाड़ी मेन्टेनेंस दिया जायेगा।
समय 11.00 से 4.00 बजे तक
दिनांक 25-05-2026
सम्पर्क करें:- बिलासपुर
होटल अजीत तेलीपारा रोड, बिलासपुर (छ.ग.) मो. 7389387143, 9669738716
संपर्क करें :- राजनांदगांव
होटल गुजरात इन स्टेशन रोड, राजनांदगांव (छ.ग.) मो. 6264313203, फोन 0771-4200932
संपर्क करें :- अंबिकापुर
होटल मात्रिका श्री सेंट्रल जेल के पास, गौरव पथ,अंबिकापुर (छ.ग.) मो. 9340032987, 7000272390
संपर्क करें :- धमतरी
होटल सुनीलम रायपुर रोड, धमतरी (छ.ग.) मो. 9644033457, 9301144640
संपर्क करें :- कवर्धा
अमित लॉज बस स्टैंड के पास, कवर्धा (छ.ग.) मो. 7898948892, 8770427440
संपर्क करें :- दुर्ग
होटल सूर्या पैलेस कैलाश नगर, दुर्ग (छ.ग.) मो. 9826583562, 9755845276
रायपुर ऑफिस 7, समता कॉलोनी फोन - 0771-4200932
Khanna Advt.

ड्रायवर
आवश्यकता है- घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने 2 ड्राइवर की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771 - 2425009.(RO-536)
आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए कुशल एवं दक्ष, वेतन योग्यतानुसार अनुभवी, लोकेशन बोरसी एवं धनोरा वाले को प्राथमिकता संपर्क - 10 से 2 बजे तक मो. 9669666601. (आरो -280)

ऑफिस कार्य
आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़की की आवश्यकता है मिलने का समय 11से 5बजे तक , संपर्क:- ढिल्लन कॉम्प्लेक्स शॉप नं.-231 आकाशगंगा सुपेला भिलाई मो.- 8319119645, 6261510080.(आरो -279)

डिलीवरी ब्वाय/सेल्समैन
आवश्यकता है- रायपुर शहर में किराना दुकानों में मालों की डिलीवरी हेतु अनुभवी लड़के की आवश्यकता हैं एवं विक्रय कार्य हेतु सेल्समेन चाहिए. संपर्क करें:- सुमनछाया इंटरप्राईसेस, समता कॉलोनी, रायपुर फोन: 9302305800.(RO-195)
आवश्यकता है- पार्सल छोड़ने हेतु 6 डिलीवरी ब्वाय की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन, लाइसेंस, स्मार्टफोन, पैन कार्ड हो, अनुभवी को प्राथमिकता. पता- कोयना लॉजिस्टिक, लक्ष्मीनगर पचपेढ़ी नाका, रायपुर. मो. - 98274-81755, 99266-22790. (RO-10)

पंप कर्मी
आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करे डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर, मो.- 8109135400, 9179380728. (RO-362)
आवश्यकता है- मैंसर्स शारदा प्रसाद साव निकट अवंती बाई चौक कोहका भिलाई पेट्रोल पंप में ऑफ़िस कार्य एवं डीजल पेट्रोल डालने हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क - 7692888808.(आरो न - 278)

फील्ड/ऑफिस कार्य
आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों में फील्ड, कार्य करने के लिए लड़कों एवं ऑफिस कार्य के लिए लड़की (कंप्यूटर, इंग्लिश अनिवार्य) की आवश्यकता है जिनके पास स्वयं का वाहन और मोबाइल हो वेतन 10000 - 12000 संपर्क करें जयदीप एसोसिएट्स J- 210 तिलक नगर पानी टंकी के पास गुढ़ियारी रायपुर मोबाइल- 9826949552. (RO-193)

अवाश्यकता
आवश्यकता है- गुजराती लकड़ी टाल देवपुरी रायपुर में कंपनी के लिए *BCOM GRADUATE* जिसे *TALLY* एवं *MS EXCEL* का ज्ञान हो (01) और ड्राइवर (01) की तुरंत आवश्यकता है। ड्राइवर के पास *वैध ड्राइविंग लाइसेंस* (DL) होना *अनिवार्य* है। संपर्क करें: 9993799998, 6262699998. (RO-191)

ड्रायवर/हेल्पर
आवश्यकता है- तीन चक्का इलेक्ट्रिक माल वाहक ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है हेल्पर की रहने की सुविधा उपलब्ध है पता- अशोक इंटरप्राइजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 09 से 08 - 8770676924.(RO-259)

बाउंसर्स
आवश्यकता है- घर हेतु 3 बाउंसर्स की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है । हाइट 6 फीट या उससे अधिक । ड्यूटी 8 घंटे की शिफ्ट में रहेगी । पूरा महीना कार्य करना अनिवार्य । सैलरी 22000/- से 30000/- प्रतिमाह । गार्ड संपर्क ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, संपर्क :- 9644720222. (RO-11)

सेल्स कार्य
आवश्यकता है- Door to Door जाकर समान बेचने वाले male staff की संपर्क करें मिलकर - लाल गिफ्ट सेंटर, ग्राउंड फ्लोर, पुराने नगर निगम के बाजू से, main post office की सामने गली, रवि भवन, रायपुर- आधार कार्ड साथ में लाएं मोबाइल 9977865500.(RO-254)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टीचर
REQUIRED
St. Xavier Hr.Se. School (CBSE) Shanti Nagar, Bhilai
1. Physics M.Sc. (Physics) with B.Ed.
2. Mathematics M.Sc. (Maths) with B.Ed.
3. PTI (Games) BPEd
4. Pre Primary Trained Graduates
5. Wellness Teacher Psychology Degree Holder OR Diploma Career Guidance and Counseling/ Health (mental Care)
Submit Resume at office before 28.5.26
Personnel Interview is on 1.6.26, Monday at 9.30 AM
Mob. : 76977 65742

ड्रायवर
आवश्यकता है- स्वर्णभूमि रायपुर में घरेलू वाहन फॉरच्यूनर चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। फ्री आवास सुविधा उपलब्ध। लाइसेंस सहित मिलें : 9039787086.(RO-888)

घरेलू कार्य
आवश्यकता है- रायपुर स्थित घर की देखरेख करने 24 घंटे रहने योग्य महिला / युवती चाहिए, रहना खाना फ्री+ वेतन. 9993707000.(RO-888)

टीचर/कुक
आवश्यकता है- झूलाघर में एक टीचर एव घर के लिए कुक की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार स्थान शांति किराया भंडार कालीबाड़ी रायपुर संपर्क 9827140065, 9827140068.(RO-194)

अन्य
आवश्यकता है- पैन पॆंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के-लड़कियां, महिलाऐ - पुरुष पैकिंग करके (22500-64500) महीना कमाऐ, फन्ड+ बोनस- 9217961955. 8527765400.(RO-061)

Property प्रापर्टी

प्लाट
प्लाट बेचना है- विद्युत नगर दुर्ग में स्थित प्राइम लोकेशन (पार्क के पास) स्थित आवासीय प्लाट (40X53) साइज बेचना है दलाल से संपर्क ना करें - 6264312306.(आरो नं.- 10473)

For Rent किराया
किराया से देना है- भाटागांव हनुमान वाटिका में 4 रूम, 2 हॉल, 2 दुकान, 1 पोरच का 3 मंजिला बिल्डिंग किराया से देना है। नोट:- ऑफीस, कोचिंग क्लासेस, स्कूल को प्राथमिकता संपर्क नं. - 9827990117, 9329104290, 9229637373.(RO-188)

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL-

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

भीषण गर्मी के बीच 15 राज्यों में तूफानी बारिश का अलर्ट, 70 की स्पीड से चलेगी हवा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भीषण गर्मी की तपिश के बीच पूरा देश मानसून का इंतजार कर रहा है। मौसम विभाग ने 25 मई 2026 के लिए 15 राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आंधी और तूफान के अलावा कुछ इलाकों में ओले गिरने की भी चेतावनी है। बारिश के बीच 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली से अहमदाबाद और चेन्नई से राजस्थान तक भीषण गर्मी पड़ रही है। पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया है। उत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्यों में हीटवेव के बीच मानसून को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केरल और लक्षद्वीप, तमिलनाडु, उत्तर-पूर्वी और उससे सटे पूर्वी भारत में अगले 4-5 दिनों तक कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में कल कैसा रहेगा मौसम

दिल्ली-एनसीआर 28 मई तक दिल्ली में लू की स्थिति को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, आने वाले दिनों में तेज हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली पिछले कई दिन से लू की चपेट में है, जहां कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। यूपी में 29 तक लू व बारिश की भी संभावना : मेरठ, शामली, बुलंदशहर, सहारनपुर समेत कई जिलों में तेज हवाओं के साथ आंधी-बारिश होने का अलर्ट है। पूर्वी और पश्चिमी यूपी में 25 से 29 मई तक लू चलने का अलर्ट है। लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, नोएडा, आगरा, गोरखपुर, वाराणसी और झांसी में गर्मी के साथ तेज हवाओं और कुछ जगहों पर बारिश की संभावना है।

राजस्थान में चार दिन शुष्क रहेगा मौसम

राजस्थान (25 से 29 मई): राजस्थान में अगले 4 दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। 26-27 मई को पश्चिमी राजस्थान में पारा 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि, 28–29 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ राहत ला सकता है। इस दौरान तेज आंधी और 50–60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश का अनुमान है।

मध्य प्रदेश में पड़ेगी भीषण गर्मी, लू का अलर्ट : मध्य प्रदेश में अगले 3 दिनों तक भीषण गर्मी पड़ने वाली है। 28 मई तक कई जिलों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, दतिया, भिंड, रीवा, मऊगंज, कटनी, दमोह, निवाड़ी, मैहर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, पांढुर्णा, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, रतलाम, उज्जैन, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर और नरसिंहपुर में लू का अलर्ट है।

महाराष्ट्र में ऐसा रहेगा मौसम

महाराष्ट्र में भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। अमरावती के अलावा वर्धा, चंद्रपुर और अकोला जैसे जिलों में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका असर सिर्फ लोगों की दिनचर्या पर ही नहीं, बल्कि खेती और फसलों पर भी देखने को मिल रहा है। अगले कुछ दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है।

झारखंड में मध्यम बारिश का अनुमान

झारखंड में आईएमडी ने गढ़वा, पलामू और चतरा जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक 25 मई से अगले 6 दिन तक कई अन्य जिलों में बिजली चमकने और मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। हिमाचल हिमाचल प्रदेश में 26 और 27 मई के लिए राज्य के कुछ हिस्सों में लू का येलो अलर्ट है।

पंजाब-हरियाणा में गर्मी बढ़ने के आसार

पंजाब और हरियाणा में भी भीषण गर्मी का कहर जारी है। हरियाणा के रोहतक में तापमान 44.1 डिग्री तो पंजाब के बठिंडा में 43.8 डिग्री तक पहुंच गया। दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने के आसार हैं।

कश्मीर में भीषण गर्मी के संकेत

जम्मू-कश्मीर सरकार ने भीषण गर्मी के मद्देनजर जम्मू मंडल के स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश (समर वेकेशन) की घोषणा की। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) ने भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की है। बताया जा रहा है कि शहर में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

ओडिशा में तेज अंधड़ की संभावना

ओडिशा ओडिशा में 28 मई तक लू का अलर्ट है। झारसुगुड़ा, संबलपुर, बोलांगीर, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, कंधमाल, रायगढ़ा, गजपति, गंजाम, पुरी, खुर्दा और नयागढ़ में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

तमिलनाडु में भारी बारिश केआसार

आने वाले दिनों में तमिलनाडु में भारी बारिश होने की संभावना है। नीलगिरि, इरोड, सलेम, धर्मपुरी, कृष्णागिरी, तिरुपतूर, वेल्लोर, तिरुवनमलाई, कल्लाकुरिची और नमक्कल सहित 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। 26 मई तक कोयंबटूर, तिरुप्पुर, रानीपेट, पेरम्बालूर, तिरुची, नमक्कल, करूर, डिंडीगुल, थेनी और मदुरै सहित कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

जैकेट के शेष

डरावना सच...

आई। एनसीआरबी की 2022 रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ आत्महत्या दर के मामले में देश में तीसरे स्थान पर था। उस समय राज्य की आत्महत्या दर 28.2 दर्ज की गई थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 12.4 था। 2022 में राज्य में कुल 8,446 लोगों ने आत्महत्या की थी, जो 2021 की तुलना में लगभग 7.9 प्रतिशत अधिक थी। **राष्ट्रीय तस्वीर भी चिंताजनक:** देशभर में 2023 के दौरान 1.71 लाख से अधिक आत्महत्याएं दर्ज की गईं। एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक पारिवारिक समस्याएं और बीमारी आत्महत्या के प्रमुख कारणों में शामिल रहीं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्यों में आत्महत्या के कुल मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। किन वर्गों पर सबसे ज्यादा असरराष्ट्रीय स्तर पर दैनिक मजदूरी करने वाले लोग आत्महत्या के सबसे बड़े प्रभावित वर्ग के रूप में सामने आए हैं। एनसीआरबी के हालिया विश्लेषणों के अनुसार आर्थिक अस्थिरता, बेरोजगारी, पारिवारिक तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं लगातार बड़े कारण बन रही हैं। **टेली-मानस हेल्पलाइन हो सकती है मददगार:** यदि आप या आपका कोई परिचित मानसिक तनाव या आत्मघाती विचारों से जूझ रहा है, तो तुरंत परिवार, मित्र या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क करना जरूरी है। भारत सरकार की टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 या 1-800-891-4416 पर भी सहायता उपलब्ध है।

मां बम्लेश्वरी धाम में ...

घटना के बाद बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने डोंगरगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि इस घटना से मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा भंग हुई है तथा करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई है। ट्रस्ट का कहना है कि मंदिर में केवल सनातन वैदिक परंपरा से पूजा की अनुमति है और किसी भी प्रकार की बलि प्रथा स्वीकार नहीं की जा सकती।

मां की आंखों के सामने ...

रही। इस दौरान एक मां हथिनी अपने मृत शावक को सूंड और पैरों से उठाने की कोशिश भी करती नजर आ रही है। यह दृश्य इतना भावुक था कि दूर खड़े ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं। ग्रामीणों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सुबह ग्रामीणों और हाथी ट्रैकर्स को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। कुछ देर बाद हाथियों का दल जंगल की ओर लौट गया। इसके बाद वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची और मृत शावक को दलदल से बाहर निकालकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

पेज एक के शेष

आसमां से बरस रही आग, और अब...

भारी गर्मी अपना असर दिखा रही है। मध्य इलाका सूरज की तेज रोशनी से झुलस रहा है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो गर्मी से थोड़ी राहत मई के अंतिम दिनों में मिल सकती है, क्योंकि उस दौरान राज्य में प्री-मानसून की गतिविधि बन सकती है। आने वाले कुछ दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के केरल में सक्रिय होने के आसार हैं, जिसके बाद हवा की दिशा में बदलाव होने और नमी की मात्रा में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

ईरान रास्ता खोलने को तैयार, 30 दिन में...

घंटों में 'अच्छी खबर' आने की संभावना है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कोई घोषणा की जा सकती है। रूबियो ने एक सवाल के जवाब में कहा, ईरान की स्थिति के बारे में, मेरा मानना है कि इस विषय पर आज थोड़ी देर बाद और खबरें आ सकती हैं, और इस संबंध में घोषणाएं राष्ट्रपति ही करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस संबंध में विस्तार से बताए बिना कहा कि पिछले 48 घंटों में संघर्ष को सुलझाने की रूपरेखा पर बातचीत में प्रगति हुई है।

अधिक शुल्क कटा, अतिरिक्त राशि...

ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों की बात कही है। सीबीएसई ने एक नोटिस में कहा कि 21 और 22 मई को मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी के लिए आवेदन करते समय कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण कई मामलों में शुल्क संबंधी त्रुटियां सामने आईं। बोर्ड ने कहा, कुछ मामलों में अधिक राशि वसूली गई, जबकि कुछ में कम शुल्क लिया गया। सीबीएसई ने कहा कि जिन मामलों में अधिक भुगतान लिया गया है, उनमें अतिरिक्त राशि उसी भुगतान माध्यम में वापस की जाएगी, जिससे शुल्क जमा किया गया था।उसने कहा कि जिन मामलों में कम शुल्क लिया गया है, उनमें जरूरत पड़ने पर विद्यार्थियों को शेष राशि जमा करने के बारे में अलग से सूचित किया जाएगा। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे सभी मामलों में उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी छात्रों को उपलब्ध कराई जाएगी और इसके लिए उन्हें फिर से आवेदन देने की आवश्यकता नहीं होगी। सूत्रों के अनुसार बुधवार को शिक्षा मंत्री ने सर्वर डाउन होने, पेमेंट गेटवे में गड़बड़ी और प्रक्रिया के दौरान सामने आई अन्य तकनीकी खामियों पर संज्ञान लिया था।

साय बोले -जनजातीय समाज दुनिया...

आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। लाल किले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और जनजातीय संस्कृति की विविध रंगों से सजा यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक समागम नहीं, बल्कि देश की मूल सांस्कृतिक चेतना और जनजातीय पहचान के संरक्षण का राष्ट्रीय संदेश बनकर उभरा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज केवल प्रकृति का रक्षक नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत स्वरूप है। उन्होंने कहा कि सदियों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए जनजातीय समाज ने प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का कार्य किया है और आज पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, ऐसे समय में जनजातीय जीवन दर्शन मानवता को टिकाऊ विकास का रास्ता दिखा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति से जुड़ी हुई है, जहां 42 प्रकार की जनजातियां निवास करती हैं और राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है।

गोडबोले दंपति के त्याग को...

किया जाएगा। जब समर्पण और मानवता की बात होती है, तब 'युगल श्रेणी' में दिए जाने वाले पद्म पुरस्कारों का महत्व और बढ़ जाता है। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों में चिकित्सा एवं सामाजिक सेवा की नई परिभाषा गढ़ने वाले डॉ. रामचंद्र गोडबोले और श्रीमती सुनीता गोडबोले को संयुक्त रूप से 'पद्म श्री' से सम्मानित किया जा रहा है। बस्तर संभाग दशकों से नक्सली हिंसा और भौगोलिक दुर्गमता की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे समय में, जब मुख्यधारा के डॉक्टर और सामाजिक कार्यकर्ता इन क्षेत्रों में जाने से कतराते थे, तब गोडबोले दंपत्ति ने अबूझमाड़ और आसपास के दुर्गम इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण वर्ष आदिवासी क्षेत्रों की सेवा में समर्पित कर दिए। उनका उद्देश्य था कि स्वास्थ्य सेवाएं उन लोगों तक पहुंचे, जिनकी आधुनिक चिकित्सा तक पहुंच लगभग न के बराबर थी।

शोरूम के सीईओ पर महिला स्टॉफ ने...

भड़क गई। वो पुलिस के सामने ही सीईओ के ऊपर स्याही डालते हुए उसकी थप्पड़ और लात घूंसों से पिटाई कर दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला सुपेला थाना के स्मृति नगर थाना क्षेत्र का है। यहां स्थित एक शोरूम में काम करने वाली महिला ने 22 मई को थाने में शिकायत दर्ज कराई की उसके साथ शोरूम के सीईओ अंकित आनंद ने छेड़छाड़ की और उसे अश्लील मैसेज भेजे हैं। फिलहाल पुलिस अंकित आनंद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस की टीम जब अंकित आनंद को लेकर शोरूम पहुंची तो उसे देखकर महिला का गुस्सा फूट पड़ा। महिला सीईओ के पास पहुंची और पुलिस के सामने ही उसके ऊपर स्याही फेंक दी। इसके बाद उसने सीईओ को थप्पड़ और लात मारी। मौके पर महिला पुलिस नहीं होने पुरुष पुलिस कर्मी महिला को समझाइश देते रहे कि वो ऐसा ना करें, पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन महिला इतने गुस्से में थी उसने पुलिस की भी एक नहीं मानी।

कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा, अब नहीं करेंगे उन पर विश्वास, डीएमके की बैठक में भड़के स्टालिन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तमिलनाडु की राजनीति में बढ़ती दरार के बीच द्रमुक की युवा इकाई के प्रमुख उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा न करें। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सहयोगी पार्टी कांग्रेस ने चुनावी लाभ लेने के बाद द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपा है। उदयनिधि ने शनिवार को द्रमुक युवा इकाई की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, '20 वर्षों से अधिक समय तक कांग्रेस हमारी पीठ पर सवार रही। आज उसने हमारी पीठ में छुरा घोंपा है। इसे कोई नहीं भूलेगा। भविष्य में किसी भी परिस्थिति में कांग्रेस पर भरोसा नहीं करना है और न ही उन्हें दोबारा हमारे करीब आने देना है।' उदयनिधि ने कहा कि पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में द्रमुक ने गठबंधन धर्म पूरी निष्ठा से निभाया।

भाजपा की जीत का श्रेय भी कांग्रेस को दिया

उदयनिधि ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए भाजपा की लगातार चुनावी सफलताओं के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा की लगातार जीत के मुख्य कारण हैं, लेकिन अब उनकी राय बदल गई है। उन्होंने कहा, 'लेकिन ऐसा नहीं है। भाजपा की जीत का सबसे बड़ा कारण कांग्रेस पार्टी है। अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है।'

कांग्रेस में नहीं बची कृतज्ञता : उदयनिधि

उदयनिधि ने कहा कि कांग्रेस जीतते ही वे सत्ता के लिए भाग गए और शिष्टाचार के तहत इसकी सूचना देना भी जरूरी नहीं समझा।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस में न तो कृतज्ञता बची है और न ही राजनीतिक शालीनता। उदयनिधि ने विश्वास जताया कि यदि द्रमुक उन्हें सबक नहीं भी सिखाएगी, तो तमिलनाडु की जनता जल्द ही ऐसा करेगी।

टीवीके सरकार को घेरा

बैठक में पारित नौ प्रस्तावों में से एक अन्य प्रस्ताव में इस महीने सत्ता संभालने के बाद तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को लेकर सत्तारूढ़ टीवीके सरकार की आलोचना की गई। प्रस्ताव में कहा गया, 'राज्य में हत्या, लूट और यौन उत्पीड़न जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। नई सरकार के सत्ता में आने के बाद बीते 13 दिनों में 30 से अधिक हत्या, लूट और यौन अपराध की घटनाएं सामने आई हैं।' पूर्व मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने पार्टी की युवा इकाई के सदस्यों से इतिहास का नया अध्याय लिखने का आह्वान करते हुए कहा कि वे ही द्रमुक का भविष्य हैं।

3,000 किमी. दूर चीन से किया ऑपरेशन

भारतीय डॉक्टर ने 5जी रोबोटिक सर्जरी से रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एक भारतीय यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर सैयद मोहम्मद गौस ने हाल ही में एक अविश्वसनीय काम किया है। उन्होंने चीन के वुहान शहर में बैठे-बैठे ही हैदराबाद के एक मरीज की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की। इस काम के लिए उन्होंने हाई-स्पीड 5G तकनीक और चीन में विकसित अगली जेनरेशन के रोबोटिक्स का इस्तेमाल किया। इस ऑपरेशन से पहले, दोनों शहरों के डॉक्टरों ने ऑनलाइन मीटिंग कर हर कदम की विस्तृत योजना बनाई। हैदराबाद में टीम ने मरीज को एनेस्थीसिया दिया और सर्जरी के लिए एडवांस्ड रोबोटिक टूल और 3डी कैमरे लगाए, ताकि स्पष्ट दृश्य मिल सकें। डॉक्टर गौस के कमांड 5जी नेटवर्क के जरिए लगभग तुरंत पहुंच गए, इसमें सिर्फ 200 मिलीसेकंड का मामूली विलंब था।

सर्जरी के क्षेत्र में मील का पत्थर

लगभग 3,000 किलोमीटर की दूरी से उन्होंने रोबोटिक भुजाओं को नियंत्रित किया। यह सफलता न सिर्फ दूर से की जाने वाली सर्जरी (रिमोट सर्जरी) के लिए एक मील का पत्थर है, बल्कि यह भी बताती है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं को कितना आगे बढ़ाया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल सरकार का बड़ा फैसला

अब हिरासत केंद्र में रखे जाएंगे घुसपैठिए

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार हर जिले में हिरासत केंद्र बनाने जा रही है। इसके लिए सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि हिरासत में लिए गए अवैध विदेशियों और जेल से रिहा किए गए विदेशी मूल के कैदियों के लिए 'होल्डिंग सेंटर' स्थापित करें, जो निर्वासन या स्वदेश वापसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। राज्य सरकार ने आदेश में भारत सरकार के विदेशी विभाग द्वारा जारी गृह मंत्रालय के 2 मई, 2025 के एक पत्र का हवाला दिया है। निर्देश के अनुसार, जिला प्रशासन को अपने-अपने जिलों में होल्डिंग सेंटर स्थापित करने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा गया है।राज्य में पकड़े गए अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को प्रवासन की प्रक्रिया पूरी न होने तक जेल में रखने के बजाय इन केंद्रों में रखा जाएगा।

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

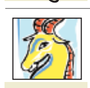
मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

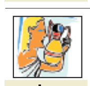
कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

प्रशिक्षु विमान की खेत में इमरजेंसी लैंडिंग, पायलट और छात्र सुरक्षित

एजेंसी ▶▶| अलीगढ़

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। धनीपुर हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले एक प्रशिक्षु विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। आसमान में इंजन में आई गड़बड़ी के बाद पायलट ने बेहद सूझबूझ का परिचय दिया और विमान को नियंत्रित करते हुए थाना हरदुआगंज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव चंगेरी के पास एक किसान के खाली खेत में सुरक्षित उतार लिया। विमान में मुख्य पायलट के साथ एक प्रशिक्षु छात्र भी सवार था। गनीमत यह रही कि इस आपातकालीन लैंडिंग में दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं और कोई जनहानि नहीं हुई है। विमान के रुकते ही ग्रामीणों में मची अफरा-तफरी कौतूहल में बदल गई और कुछ ही देर में विमान को देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई।

खेत की मिट्टी में धंसे विमान के पहिए

पायलट ने जब चंगेरी गांव के पास खेत को सुरक्षित स्थान के रूप में चुनकर वहां विमान उतारा, तो तेज आवाज और धूल के गुबार को देखकर आसपास काम कर रहे ग्रामीणों में भगदड़ मच गई। खेत की गीली और नरम मिट्टी होने के कारण लैंडिंग के दौरान जहाज के पहिए जमीन में धंस गए, जिससे विमान वहीं रुक गया।

सेना ने तबाह किया आतंकियों का गुप्त ठिकाना, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ जारी अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। उत्तरी कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकानों को ढूंढ निकाला और उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया। सुरक्षा बलों को उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के क्रीरी इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। जिसके बाद सेना और स्थानीय पुलिस ने नीलसर इलाके में एक जॉइंट सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। आतंकवादी इस जगह का इस्तेमाल दोबारा न कर सकें, इसलिए सुरक्षा बलों ने इस ठिकाने को तुरंत तबाह कर दिया। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

23 विस्फोटक स्टिक्स बरामद : इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने इलाके में बने एक गुप्त आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश किया। सुरक्षा बलों को इन ठिकानों से भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद हुई। ठिकाने की तलाशी लेने पर वहां से करीब 23 विस्फोटक स्टिक्स और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। पहाड़ी इलाके में तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों की नजर वहां बनी प्राकृतिक गुफाओं पर गई। जब इन गुफाओं की तलाशी ली गई तो वहां छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में युद्ध जैसा सामान बरामद हुआ।

बांदीपोरा में प्राकृतिक गुफाओं में बना था ठिकाना

इससे पहले उत्तरी कश्मीर के ही बांदीपोरा जिले से भी ऐसी ही एक कामयाबी की खबर आई थी। सुरक्षा बलों ने बांदीपोरा के अरागम इलाके में स्थित खंजपत्री के जंगलों में एक बड़े आतंकी ठिकाने को ध्वस्त किया था। ये कार्रवाई दो दिनों के बीच एक विशेष 'सर्च एंड डिस्ट्रॉय ऑपरेशन' के तहत की गई थी। इस बड़े ऑपरेशन को सेना की 13 राष्ट्रीय राइफल्स, बांदीपोरा पुलिस और सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन ने मिलकर अंजाम दिया।

शब्द पहेली - 6236

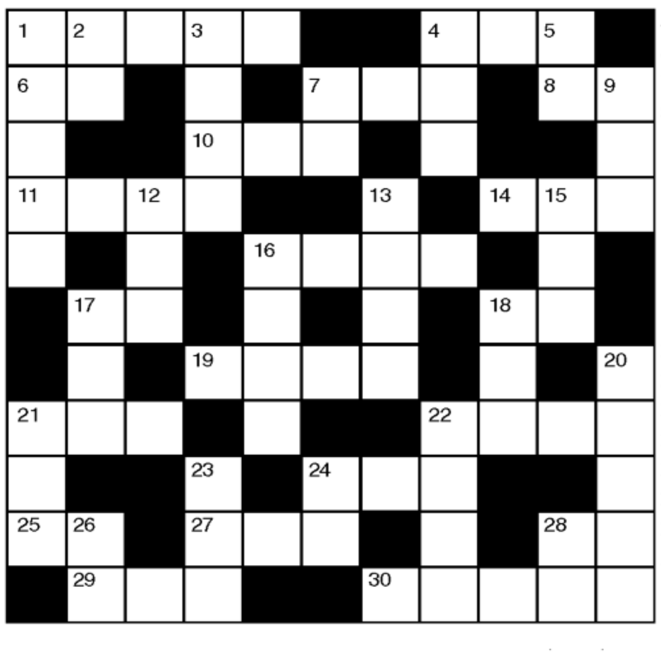

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 6235 का हल

सूडोकु नवताल - 6246

✱✱✱✱✱ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6245 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

खबर संक्षेप

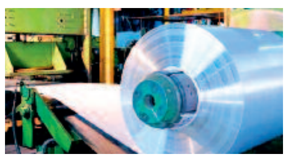

हिंडाल्को का लाभ 51 फीसदी घटकर 2,597 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आदित्य बिरला समूह की प्रमुख धातु कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 50.8 प्रतिशत घटकर 2,597 करोड़ रुपये रहा। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की अमेरिकी अनुषंगी कंपनी नोवेलिस के संयंत्र में आग लगने की घटनाओं के कारण कंपनी के मुनाफे पर यह असर पड़ा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 5,284 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

रिलायंस इन्फ्रा का मुनाफा घटकर 918 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च की चौथी तिमाही में घटकर 918.07 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने इसके पीछे बढ़ते खर्चों को प्रमुख कारण बताया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 4,387.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। मार्च तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 4,154.34 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,268.05 करोड़ रुपये थी।

कोटेक हेल्थकेयर, दीपा ज्वेलर्स को मिली आईपीओ की मंजूरी

नई दिल्ली। दवा क्षेत्र की कंपनी कोटेक हेल्थकेयर और आभूषण क्षेत्र की कंपनी दीपा ज्वेलर्स को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। कोटेक हेल्थकेयर ने सितंबर 2025 में और दीपा ज्वेलर्स ने दिसंबर 2025 में अपने मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल किए थे। दोनों कंपनियों को 18 मई 2026 को सेबी की टिप्पणिया प्राप्त हुई, जिसे आईपीओ लाने की मंजूरी माना जाता है।

आयशर मोटर्स का लाभ 12% बढ़कर 1,520 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आयशर मोटर्स का एकीकृत मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में 11.58 प्रतिशत बढ़कर 1,519.95 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,362.15 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि आलोच्य तिमाही में परिचालन राजस्व 6,080.09 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले यह 5,241.11 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में, आयशर मोटर्स का शुद्ध 16.5 प्रतिशत बढ़कर 5,515.23 करोड़ रुपये हो गया।

बीते सप्ताह सभी तेल की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। रुपये के मूल्य में गिरावट रहने के बीच देश में मांग बढ़ने के कारण बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्य तेलों के दाम में सीमित घट-बढ़ के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के निचले स्तर के करीब मंडराने से खाद्य तेलों का आयात महंगा बैठ रहा है। इसके अलावा आयातक जो पहले लागत से काफी नीचे दाम पर अपना माल बेच रहे थे, वह घाटा पहले के मुकाबले अब कम हो गया है।

सीमेंट कंपनियों को चालू वित्त वर्ष में आठ प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

सरकार के बुनियादी ढांचा खर्च व बढ़ती आवास मांग से मिलेगा समर्थन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश की प्रमुख सीमेंट कंपनियों को वित्त वर्ष 2026-27 में उद्योग में सात-आठ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। कंपनियों का मानना है कि सरकार के बुनियादी ढांचा खर्च, आवास क्षेत्र की बढ़ती मांग और तेजी से हो रहे शहरीकरण से उद्योग को बड़ा समर्थन मिलेगा। हालांकि, इसके साथ ही उद्योग ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती ईंधन लागत निकट अवधि में चुनौती बनी हुई है। अल्ट्राटेक सीमेंट, अंबुजा सीमेंट, श्री सीमेंट, डालमिया सीमेंट और नुवोको विस्टास जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान मध्यम अवधि को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। सीमेंट कंपनियों के कुल परिचालन खर्च का लगभग 50-55 प्रतिशत हिस्सा बिजली, ईंधन और बिक्री लागत पर खर्च होता है। हालांकि, डागा ने भरोसा जताया कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार का निवेश, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन, किफायती आवास योजनाएं और ग्रामीण मांग उद्योग को मजबूती देंगे। डागा ने कहा, हम दो अंक की वृद्धि का लक्ष्य रख रहे हैं। साथ ही उन्होंने आने वाले वर्षों में सीमेंट मांग में सालाना 7-8 प्रतिशत की स्थायी वृद्धि का अनुमान जताया।

पूंजीगत खर्च बढ़ा है

कंपनियां प्रीमियम सीमेंट उत्पादों और बेहतर बिक्री मूल्य के जरिये बढ़ती लागत के दबाव को संतुलित करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। इसके साथ ही सीमेंट कंपनियां चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत खर्च भी बढ़ा रही हैं। उनका मानना है कि सरकार की अवसंरचना परियोजनाओं और आवासीय मांग में तेजी से उद्योग को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ा दबाव

अल्ट्राटेक सीमेंट के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अतुल डागा ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण ईंधन, ढुलाई और आयात आधारित आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से पेट्रोल और डीजल भी महंगे हो सकते हैं, जिससे लागत और बढ़ेगी।

भारत में एफटीए की उपयोग दर अभी 25 प्रतिशत के आसपास

एफटीए के इस्तेमाल में विकसित देशों से काफी पीछे है भारत, कार्यान्वयन सुधारने की जरूरत : विशेषज्ञ

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के मोर्चे पर भारत की अगली प्राथमिकता इनके व्यावहारिक कार्यान्वयन और निर्यातकों को इन करारों के इस्तेमाल में मदद की होनी चाहिए। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े एफटीए किए हैं, लेकिन अब असली चुनौती इन समझौतों का सही उपयोग सुनिश्चित करना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब सरकार और उद्योग जगत का ध्यान 'एफटीए पर हस्ताक्षर' से 'एफटीए के कार्यान्वयन' पर होना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में एफटीए की उपयोग दर अभी लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जबकि विकसित देशों में यह 70-80 प्रतिशत तक है।

■ विकसित देशों में उपयोग 70-80 प्रतिशत तक है

पर्यावरण से जुड़े नियम और सख्त हो सकते हैं : पांडेय ने कहा कि इसके अलावा भारत को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों, कार्बन अकाउंटिंग और हरित नियमों के अनुरूप अपनी घरेलू प्रमाणन प्रणाली को मजबूत करना होगा। खासकर यूरोपीय बाजारों में भविष्य में पर्यावरण से जुड़े नियम अधिक सख्त हो सकते हैं।

भारतीय निर्यातकों को फायदा नहीं मिल रहा

यानी भारत ने जिन देशों के साथ कम शुल्क या शुल्क-मुक्त पहुंच हासिल की है, उसका पूरा फायदा भारतीय निर्यातक अभी नहीं उठा पा रहे हैं। डेलॉयट इंडिया के भागीदार गुलजार दिदवानिया ने कहा कि भारत को अब यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एफटीए के तहत मिले लाभ वास्तव में सीमा शुल्क स्तर पर इस्तेमाल हों और निर्यात बढ़ाने में मदद करें।

प्राथमिकता कार्यान्वित करने पर होनी चाहिए

दिदवानिया ने कहा कि भारत ने सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, आसियान और ईएफटीए जैसे बाजारों के साथ एफटीए किए हैं। इसके अलावा ओमान, न्यूजीलैंड, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भी ऐसे करार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अब इन एफटीए से मिलने वाले लाभ को वास्तविक रूप से कार्यान्वित करने पर होनी चाहिए।

घरेलू विनिर्माण प्रतिस्पर्धा बढ़ानी होगी

दिदवानिया ने यह भी कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति संकट के दौर में एफटीए भारत के लिए नए व्यापारिक रास्ते खोल सकते हैं। इसके लिए भारत को निर्यात बाजारों और उत्पादों में विविधता लानी होगी तथा घरेलू विनिर्माण प्रतिस्पर्धा बढ़ानी होगी।

एमएसएमई कंपनियों में जागरूकता कम

शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के भागीदार रुद्र कुमार पांडेय ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोला उद्यम (एमएसएमई) कंपनियों में अभी एफटीए को लेकर जागरूकता कम है और कई समझौतों के लिए जरूरी प्रमाणन ढांचा भी कमजोर है। उन्होंने कहा कि हर संभावित निर्यातक को यह समझना चाहिए कि उसे किस बाजार में किस तरह की रियायत मिल सकती है और उसका लाभ लेने के लिए कौन-कौन से दस्तावेज जरूरी हैं।

अभी प्राथमिकता एफटीए इस्तेमाल की होनी चाहिए

पांडेय ने कहा, ''अभी हमारी प्राथमिकता एफटीए के इस्तेमाल की होनी चाहिए।'' विशेषज्ञों का कहना है कि कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्युटिकल्स और समुद्री उत्पाद जैसे क्षेत्रों को उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता सुधारने के लिए उत्पादन से जुड़ी (पीएलआई) जैसी योजनाओं का अतिरिक्त समर्थन मिलना चाहिए।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में डिलिवरी लागत 19 प्रतिशत बढ़ी : रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत समेत एशिया प्रशांत क्षेत्र में मार्च से मई की अवधि के बीच डिलिवरी लागत में सालाना आधार पर लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 'लॉजिस्टिक्स सॉफ्टवेयर' सेवा क्षेत्र की कंपनी 'फारआई' ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। यह सर्वेक्षण पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद किया गया।इस संघर्ष के कारण ईंधन की आपूर्ति तथा लागत पर दबाव है।

■ सेवा क्षेत्र की कंपनी फारआई ने संघर्ष शुरू होने के बाद किया सर्वे

हाल ही में जारी रिपोर्ट में कहा गया, ''शोध से पता चलता है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में डिलिवरी लागत में सालाना आधार पर औसतन 18.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में ईंधन की कीमतें, वाहन चालकों का वेतन और शहरी भीड़भाड़ संरचनात्मक लागत बढ़ाने वाले कारक हैं, जिसके कारण यह आंकड़ा यहां के लिए चौंकाने वाला नहीं है।''

शहरी इलाकों में डिलिवरी दर बढ़ सकती है

भारत में घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में पहली बार में सफल रूप से डिलिवरी नहीं होने की दर 20-30 प्रतिशत तक हो सकती है, जो लाभ में कमी का एक प्रमुख कारण है। भारत के त्वरित वाणिज्य क्षेत्र की बात करें तो, 10 मिनट और 20 मिनट में डिलिवरी कार्यों ने अरबों का निवेश आकर्षित किया है तथा तीन वर्षों से 'लॉजिस्टिक्स' के क्षेत्र में सुर्खियां बटोरी हैं।

अनुपम रसायन ब्लिस जीवीएस फार्मा में 43 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विशिष्ट रसायन बनाने वाली कंपनी अनुपम रसायन इंडिया ने दवा विनिर्माण कंपनी ब्लिस जीवीएस फार्मा लिमिटेड में 43.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए 1,369.51 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एक बयान में जानकारी दी गई।

■ कंपनी ने 1,369 करोड़ रुपए के समझौते पर किए हस्ताक्षर

बयान के अनुसार, कंपनी ने इसके साथ अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए खुला प्रस्ताव भी लाने की घोषणा की है। अनुपम रसायन ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने 299 रुपये प्रति शेयर की दर से 1,369.51 करोड़ रुपये में 43.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई है। इसके साथ ही उसने समान कीमत पर सार्वजनिक शेयरधारकों से 26 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए अनिवार्य खुली पेशकश भी की है। कंपनी के प्रबंध निदेशक आनंद देसाई ने कहा, ''हमने ब्लिस जीवीएस फार्मा में 43.3 से 48.2 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक पक्का समझौता किया है और सार्वजनिक शेयरधारकों के लिए खुला प्रस्ताव भी ला रहे हैं।''

300 करोड़ का सावधि ऋण लिया जाएगा

देसाई ने कहा कि इस अधिग्रहण के लिए 300 करोड़ रुपये का सावधि ऋण लिया जाएगा, जबकि शेष राशि गैर-नियंत्रक और गैर-मताधिकार वाली इक्विटी साधनों के माध्यम से जुटाई जाएगी। देसाई ने कहा, "इससे हम दवा मूल्य श्रृंखला में अपनी स्थिति को रणनीतिक रूप से मजबूत कर सकेंगे, जिसमें प्रमुख प्रारंभिक सामग्री से लेकर तैयार दवा निर्माण तक शामिल हैं।"

कोलगेट-पामोलिव का लाभ मामूली घटकर 353 करोड़

नई दिल्ली। टूथपेस्ट समेत दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कोलगेट-पामोलिव इंडिया लि. का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मामूली घटकर 353.32 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले साल 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 355 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में इसकी बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,582.77 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी तिमाही में यह 1,452.02 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, कंपनी का शुद्ध मुनाफा 7.7 प्रतिशत घटकर 1,325.31 करोड़ रुपये रहा। कुल एकीकृत आय मामूली घटकर 6,124.16 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 6,170.91 करोड़ रुपये थी।

मार्च में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च घटा

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारतीयों का विदेश यात्रा पर खर्च मार्च में घटकर 1.09 अरब डॉलर रह गया, जो फरवरी में 1.30 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। जनवरी में विदेश यात्रा पर खर्च 1.65 अरब डॉलर रहा था। 'उदारीकृत धन प्रेषण योजना' (एलआरएस) के तहत आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारतीयों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विदेश में भेजा गया कुल धन (रेमिटेंस) मार्च में 2.59 अरब डॉलर रहा, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा यात्रा व्यय का रहा। एलआरएस के तहत निवासी व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 2.50 लाख डॉलर तक का प्रेषण किसी भी वैध चालू या पूंजी खाते के लेनदेन के लिए कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 'अन्य यात्रा' श्रेणी में, जिसमें अवकाश यात्राएं और अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड खर्च शामिल हैं, मार्च में 62.30 करोड़ डॉलर खर्च किए गए, जो कुल यात्रा व्यय का लगभग 57 प्रतिशत है। शिक्षा संबंधी यात्रा पर 45.01 करोड़ डॉलर खर्च हुए, जिसमें ट्यूशन फीस और हॉस्टल खर्च शामिल हैं। जबकि व्यापार यात्रा, तीर्थयात्रा और चिकित्सा उपचार पर 2.13 करोड़ डॉलर खर्च हुए। विदेश में रहने वाले परिजनों को भेजे गए धन का प्रेषण मार्च में 38.97 करोड़ डॉलर रहा, जो फरवरी के 26.61 करोड़ डॉलर से अधिक है।

■ आरबीआई के अनुसार खर्च घटकर 1.09 अरब डॉलर रहा

विदेश में अध्ययन श्रेणी में खर्च कम

'विदेश में अध्ययन' श्रेणी में खर्च मार्च में घटकर 15.17 करोड़ डॉलर रहा। यह फरवरी के 17.56 करोड़ डॉलर और जनवरी में 26.74 करोड़ डॉलर था। विदेश में अचल संपत्ति की खरीद पर खर्च मार्च में घटकर 3.86 करोड़ डॉलर रह गया, जबकि फरवरी में यह 5.13 करोड़ डॉलर था।

बाजार पूंजीकरण में शीर्ष पर रही रिलायंस इंडस्ट्रीज

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 74,111.57 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान सबसे ज्यादा लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में वृद्धि हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 24,696.89 करोड़ रुपये बढ़कर 18,33,117.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कच्चे तेल के दाम तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया संकट को लेकर चल रही वार्ताओं से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां अगले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का मानना है कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाला यह सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। 'बकरीद' के अवसर पर बृहस्पतिवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसके अलावा निवेशकों की नजर रुपये-डॉलर की चाल और वैश्विक बाजारों के रुख पर भी रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम और मुद्रा बाजार की गतिविधियों के प्रति काफी संवेदनशील रहेगा। निवेशक कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिका-ईरान वार्ता, अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल पर करीबी नजर रखेंगे, क्योंकि इनका असर विदेशी निवेश प्रवाह और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता पर पड़ेगा।''अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हुई है। इससे संकेत मिले हैं कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के समाधान की दिशा में चीजें आगे बढ़ रही हैं।

■ अमेरिका-ईरान वार्ता से जुड़े घटनाक्रम भी बाजार को करेंगे प्रभावित

तनाव कम होने की उम्मीद से धारणा में सुधार

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान स्थिति, कूटनीतिक वार्ताओं और कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी खबरों पर निर्भर करेगी। हालांकि, तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों की धारणा में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन वार्ता के अंतिम परिणाम को लेकर अनिश्चितता अब भी बनी हुई है।

अदाणी समूह पर संकट के बादल छंटे, जांच का जोखम अब काफी हद तक पीछे छूटा

अदाणी को विदेशी निवेश मिलने की उम्मीद बढ़ी: रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने कहा है कि अदाणी समूह से जुड़े बड़े विवाद और अमेरिकी नियामकीय जांच का जोखिम अब काफी हद तक पीछे छूट चुका हैं। इससे समूह में विदेशी निवेश और निवेशकों की भागीदारी बढ़ने की संभावना है।

ब्रोकरेज कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में समूह की चार प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों — अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशन इकॉनमिक जोन, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर और अंबुजा सीमेंट का विश्लेषण किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2023 में सामने आए शॉर्ट-सेलर विवाद और बाद में अमेरिका में शुरू हुई जांच के कारण कई विदेशी निवेशकों और वैश्विक कोषों ने अदाणी समूह से दूरी बना ली थी।

कंटेनर पोर्ट बाजार में समूह की हिस्सेदारी 50 फीसदी पहुंची

बर्नस्टीन के अनुसार, बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की क्षमता अदाणी समूह की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है। बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, ताप विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में समूह लगातार अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के कंटेनर पोर्ट बाजार में अदाणी समूह की हिस्सेदारी अब लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

निवेशकों का भरोसा लौटता दिखाई दे रहा

हालांकि, अब अमेरिकी मामलों में राहत मिलने के बाद निवेशकों का भरोसा लौटता दिखाई दे रहा है। बर्नस्टीन ने कहा कि अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) से जुड़े मामले के समाधान और अमेरिकी अभियोजकों द्वारा समूह के खिलाफ आरोप हटाने की प्रक्रिया ने समूह के शेयरों पर बना बड़ा दबाव कम कर दिया है।

शेयर अभी भी संकट से पहले के स्तर पर नहीं पहुंचा

इसके बावजूद कई शेयर अभी भी संकट से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले चार वर्षों में समूह ने दो बड़े झटके झेले। पहला जनवरी, 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और दूसरा नवंबर, 2024 से शुरू हुए अमेरिकी एसईसी तथा न्याय विभाग की जांच से जुड़ा घटनाक्रम।

समूह पर शेयरों में हेरफेर व अनियमितता के आरोप लगे थे

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर शेयरों में हेरफेर, कर पनाहगाह के दुरुपयोग और लेखांकन में अनियमितताओं जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इन आरोपों के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई और बाजार पूंजीकरण में अरबों डॉलर की कमी दर्ज की गई थी। हालांकि, अदाणी समूह ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें दुर्भावनापूर्ण बताया था।

आईपीएल के 19वें सीजन में रिकॉर्डों का तूफान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2026 में कई रिकॉर्ड कायम हुए। रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में विराट कोहली और सुनील नरेन जैसे दिग्गज भी शामिल रहे। इसके अलावा कुछ टीम रिकॉर्ड भी देखने को मिले। 19वें सीजन के सबसे रिकॉर्ड के बारे में बताएंगे।

कोहली ने बनाए 9000 रन

आईपीएल के इतिहास में विराट कोहली पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास में 9 हजार रनों का आंकड़ा पार किया। इसके साथ कोहली 9 शतक लगाने वाले भी पहले बल्लेबाज हैं।

सुनील नरेन ने खेले 200 मैच

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले सुनील नरेन टूर्नामेंट के इतिहास में बतौर विदेशी 200 से ज्यादा मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन चुके हैं। इस लिस्ट में कीरोन पोलार्ड 189 मैचों के साथ दूसरे पायदान पर हैं।

सभी 10 टीमों के खिलाड़ियों ने जड़े शतक *: यह पहला ऐसा सीजन था कि जब सभी 10 टीमों के खिलाड़ियों ने कम से कम 1-1 शतक लगाया।*

एक सीजन में सबसे ज्यादा 100 रनों की साझेदारियां

- आईपीएल 2026- 33* बार
- आईपीएल 2024- 27 बार
- आईपीएल 2023- 24 बार

पंजाब किंग्स ने किया सबसे बड़ा रन चेज *: इस सीजन पंजाब किंग्स ने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज करने का रिकॉर्ड कायम किया। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड पंजाब के नाम पर ही दर्ज था। इस दफा पंजाब ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 264/4 रन बनाते हुए जीत दर्ज की थी।*

मोहम्मद शमी, पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट *: आईपीएल पारी की पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले मोहम्मद शमी नंबर-1 पर आ चुके हैं। शमी 6 बार यह कमाल कर चुके हैं। लिस्ट में दूसरे पायदान पर मौजूद जोफ्रा आर्चर ने 5 बार पहली गेंद पर विकेट लिया है।*

सभी 10 टीमों के भारतीय कप्तान *: आईपीएल 2026 में पहली बार ऐसा हुआ कि जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय खिलाड़ी रहे। टूर्नामेंट की शुरुआत में सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस नहीं आ सके थे, जिनकी जगह ईशान किशन ने कुछ मैचों में टीम की कमान संभाली थी।*

एक सीजन में सबसे ज्यादा बार 200+ बनाने वाली टीम *सनराइजर्स हैदराबाद ने 2026 के आईपीएल में 9 बार 200+ रन का आंकड़ा बनाया। इसके साथ टीम ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो गुजरात टाइटंस ने 2025 में बनाया था। गुजरात ने 8 बार यह कमाल किया था।*

वैभव का आईपीएल में धमाका, बनाए कीर्तिमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यह ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी पर 1.10 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। महज 14 साल की उम्र में अपना आईपीएल डेब्यू किया। वैभव ने जब पहले ही सीजन में 206.5 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बना डाले। बहुत लोगों ने इसे तुक्का मानकर कहा कि वैभव का ये जादू लंबे समय तक नहीं चलेगा। जब आईपीएल 2026 की बारी आई तो इस नादान से लड़के ने सबको गलत साबित कर दिया। 500 से अधिक रन बनाकर वैभव सूर्यवंशी पूरे सीजन ऑरेंज कैप जीतने की रेस में बने रहे। अपने इस छोटे से आईपीएल करियर में उन्होंने कई सारे रिकॉर्ड बनाए हैं, जिन्हें शायद लंबे समय तक कोई नहीं तोड़ पाएगा।

एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली थी। इस पारी में उन्होंने 12 सिक्स लगाए, जो एक आईपीएल पारी में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सबसे अधिक छक्के हैं।
12 छक्के - वैभव सूर्यवंशी
11 छक्के - मुरली विजय.

सबसे तेज आईपीएल शतक (भारतीय)

आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड वैभव सूर्यवंशी के नाम है। उन्होंने 2025 सीजन में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में सेंचुरी पूरी की थी। वहीं आईपीएल 2026 में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाया था।
35 गेंद - वैभव सूर्यवंशी
36 गेंद - वैभव सूर्यवंशी
37 गेंद - यूसुफ पठान.

आईपीएल में सबसे तेज 50 सिक्स

इंडियन प्रीमियर लीग में 50 छक्कों तक सबसे तेजी से पहुंचने का रिकॉर्ड वैभव सूर्यवंशी के नाम है। वैभव ने 15 पारियों में यह कारनामा किया था। वहीं क्रिस गेल ने 21 मैचों में यह मुकाम हासिल किया था।
15 पारी - वैभव सूर्यवंशी. 21 पारी - क्रिस गेल.

एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के (भारतीय)

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने 53 छक्के लगाए। वैभव आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सबसे ज्यादा छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम था, जिन्होंने 2024 सीजन में 42 सिक्स लगाए थे।
53 छक्के - वैभव सूर्यवंशी. 42 छक्के - अभिषेक शर्मा.

सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू

जब राजस्थान रॉयल्स ने मेगा ऑक्शन में वैभव सूर्यवंशी को खरीदा, तब उनकी उम्र 13 साल थी। जब उन्होंने 2025 में अपना आईपीएल डेब्यू किया, तब वे 14 वर्ष के हो चुके थे। सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है।
वैभव सूर्यवंशी - 14 साल 23 दिन
प्रयास राय बर्मन - 16 साल 157 दिन
मुजीब उर रहमान - 17 साल 11 दिन.

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	14	9	5	18
गुजरात	14	9	5	18
हैदराबाद	14	9	5	18
राजस्थान	14	8	6	16
पंजाब	14	7	6	15
दिल्ली	14	7	7	14
कोलकाता	14	6	7	13
चेन्नई	14	6	8	12
मुंबई	14	4	10	8
लखनऊ	14	4	10	8

ऑरेंज कैप | **पर्पल कैप**

साईं सुदर्शन — 638 रन — गुजरात
भुवनेश्वर कुमार — 24 विकेट — बेंगलुरु

खबर संक्षेप

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे राजपाल

नई दिल्ली। डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल को ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत का दल नेता (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया गया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। रवि बेंगानी 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के उप दल नेता होंगे जबकि वंदना राव और राहुल स्वामी भारतीय दल के साथ जनरल टीम मैनेजर के रूप में यात्रा करेंगे। आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा भी शीर्ष प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर ग्लासगो जाएंगी।

सोडेल ओपन : संयुक्त 33वें स्थान पर संधू

रिंकवेन। युवराज संधू लगातार दूसरे दौर में तीन अंडर 68 के स्कोर से डीपी विश्व टूर के सोडेल ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में तीसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर हैं। संधू ने 70, 68 और 68 के स्कोर से कुल सात अंडर का स्कोर बनाया है। इससे पहले शुभंकर शर्मा कट हासिल करने में नाकाम रहे। दक्षिण अफ्रीका के जेंडर लोम्बार्ड ने तीन दौर में बाद शीर्ष पर तीन शॉट की बढ़त बना ली है। उन्होंने तीसरे दौर में 66 के स्कोर से कुल 18 अंडर का स्कोर बनाया है।

गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर दौड़ में बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के लंबी दूरी के शीर्ष धावक गुलवीर सिंह ने लॉस एंजिलिस में आयोजित एलए ट्रैक फेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में नया आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर स्तर की इस प्रतियोगिता में गुलवीर ने 13 मिनट 03.93 सेकेंड का समय लिया। अपने ही आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13:11.82 में सुधार किया। इस 27 साल के धावक ने पिछले वर्ष बोस्टन में आयोजित टेरियर डीएमआर चैलेंज इंडोर प्रतियोगिता में 12 मिनट 59.77 सेकेंड का समय निकाला था, जो 5000 मीटर में उनका समग्र राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना हुआ है।

राजस्थान ने मुंबई इंडियन्स को 30 रन से हराया, आर्चर ने खेली शानदार पारी

आरआर ने प्लेऑफ में बनाई जगह पंजाब और केकेआर का सफर खत्म

एजेंसी ▶▶| मुंबई

जोफ्रा आर्चर के हरफनमौला खेल की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल टी20 मैच में रविवार को मुंबई इंडियन्स को 30 रन से हराकर प्लेऑफ का टिकट पक्का किया। आर्चर ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लड़खड़ाने के बाद 32 रन की अहम पारी खेली और गेंदबाजी में 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

बृजेश शर्मा (4 ओवर में 26 रन), नांद्रे बर्गर (4 ओवर में 43 रन) और यश राज पुंजा (4 ओवर में 44 रन) ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। रॉयल्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद अपने करो या मरो मैच में 8 विकेट पर 205 रन बनाने के बाद मुंबई की पारी को 9 विकेट पर 175 रन पर रोक दिया। इस जीत के साथ ही रॉयल्स के 14 मैचों में 16 अंक हो गए और उसने अंक तालिका में चौथा स्थान पक्का कर लिया। इसके साथ ही पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की उम्मीदें खत्म हो गईं।

मुंबई इंडियन्स का अभियान नौवें स्थान पर खत्म

प्लेऑफ की दौड़ से पहले से ही बाहर मुंबई इंडियन्स का अभियान नौवें स्थान पर खत्म हुआ। टीम के लिए सूर्यकुमार यादव ने 60, जबकि कप्तान हार्दिक पंड्या ने 34 और विल जैक्स ने 33 रन का योगदान दिया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर राजस्थान की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही, लेकिन ध्रुव जुरेल ने 26 गेंद में 38, आर्चर ने 15 गेंद में 32, दासुन शनाका ने 15 गेंद में 29 और यशस्वी जायसवाल ने 17 गेंद में 27 रन का अहम योगदान दिया। रविंद्र जडेजा (नाबाद 19) और नांद्रे बर्गर (नाबाद 10) ने आखिरी ओवरों में 13 गेंद में 30 रन की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई इंडियन्स के लिए दीपक चाहर ने 43 और शार्दुल ठाकुर ने 41 रन देकर दो-दो विकेट लिए। विल जैक्स, अल्लाह गजानफर और कोर्बिन बॉश को एक-एक सफलता मिली।

रोहित हुए डक पर आउट

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने 38 रन तक चार विकेट गंवा दिए। आर्चर ने पहले ओवर में रोहित शर्मा को खाता खोले बिना विकेट के पीछे कैच कराने के बाद दूसरे ओवर में नमन धीर (छह) को बोल्ड किया।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का बॉश बो जैक्स	27	17	1	3
सूर्यवंशी का धीर बो चाहर	04	6	0	0
ध्रुव जुरेल बो बॉश	38	26	3	2
रियान का तिलक बो गजानफर	14	8	2	1
दासुन शनाका रन आउट	29	15	0	3
फरेरा का बॉश बो चाहर	18	15	0	2
आर्चर का तिलक बो शारदुल	32	15	1	3
शुभम का धीर बो शारदुल	05	6	0	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	19	11	3	0
नांद्रे बर्गर नाबाद	10	3	0	1

अतिरिक्त: 09 कुल योग: 20 ओवर में 205/8 रन
गेंदबाजी: चाहर 4-0-43-2, जैक्स 2-0-12-1, गजानफर 3-0-45-1, रघु 3-0-25-0, शारदुल 4-0-41-2, बॉश4-0-38-1.

मुंबई इंडियन्स	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा का जुरेल बो आर्चर	00	4	0	0
रिकेलटन का सूर्यवंशी बो बर्गर	12	7	1	1
नमन धीर बो आर्चर	06	5	1	0
सूर्यकुमार का एवं बो बर्गर	60	42	3	4
तिलक वर्मा बो बृजेश	03	7	0	0
जैक्स का जुरेल बो यश राज	33	18	3	2
हार्दिक का बर्गर बो आर्चर	34	15	3	2
बॉश का फरेरा बो यश राज	02	4	0	0
शारदुल ठाकुर नाबाद	10	11	1	0
चाहर पगबाधा बृजेश	08	5	0	1
गजानफर नाबाद	02	3	0	0

अतिरिक्त: 05 कुल योग: 20 ओवर में 175/9 रन
गेंदबाजी: आर्चर 4-0-17-3 , बर्गर 4-0-43-2, बृजेश 4-0-26-2, जडेजा 2-0-24-0, यश राज 4-0-44-2, शनाका 2-0-21-0.

आखिरी मुकाबले में हारा कोलकाता

दिल्ली कैपिटल्स की जीत के साथ लीग स्टेज समाप्त

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल (60 रन) के अर्धशतक के बाद कुलदीप यादव (29 रन देकर 3 विकेट) की गेंदबाजी की बदौलत रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र के अंतिम लीग मैच केकेआर के खिलाफ 40 रन से जीत हासिल की, हालांकि इस मैच का नतीजा अब कोई मायने नहीं रखता है। इस नतीजे के साथ ही केकेआर और पंजाब किंग्स, दोनों ही टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

जब मैच में दांव पर लगाने के लिए कुछ खास नहीं था तो मैदान पर खिलाड़ियों में जोश की कमी साफ नजर आ रही थी। राहुल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंद में 5 चौके और 4 छक्के जड़ित पारी खेली। यह इस सत्र में उनका छठा अर्धशतक है जिससे दिल्ली कैपिटल्स ने 5 विकेट पर 203 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे (63 रन, 39 गेंद, चार चौके, चार छक्के) के सत्र के दूसरे अर्धशतक के बावजूद केकेआर की टीम 18.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई। केकेआर ने अंतिम सात विकेट 35 रन के अंदर गंवा दिए। कुलदीप के रहाणे को 14वें ओवर में आउट करने के बाद केकेआर के विकेट पतन का सिलसिला शुरू हुआ।

कुलदीप ने रहाणे के बाद रिंकू यादव को आउट किया और हैट्रिक बनाने से चूक गए क्योंकि अभिषेक पोरेल ने तेजस्वी दहिया का कैच छोड़ दिया। लुंगी एनगिडी ने 3.4 ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट झटके।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पोरेल का दहिया बो दुबे	22	18	4	0
राहुल का पावेल बो रॉय	60	30	5	4
साहिल का रहाणे बो नारायण	24	17	3	1
अक्षर का रिंकू बो चक्रवर्ती	39	25	3	2
मिलर का एलन बो दुबे	28	19	0	3
आशुतोष शर्मा नाबाद	18	11	2	1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	00	1	0	0

अतिरिक्त : 12 कुल : 20 ओवर में 203/5 रन
गेंदबाजी : अनुकूल रॉय 2-0-23-1, सौरभ दुबे 4-0-28-2, कैमरन ग्रीन 2-0-21-0, कार्तिक त्यागी 4-0-55-0, सुनील नारायण 4-0-38-1, वरुण चक्रवर्ती 4-0-35-1.

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
रहाणे का मिलर बो कुलदीप	63	39	4	4
फिन एलन बो एनगिडी	20	13	3	1
मनीष का स्टार्क बो एनगिडी	25	16	2	2
ग्रीन का मिलर बो कुलदीप	02	3	0	0
रोवमैन पॉवेल रन आउट	29	21	3	1
रिंकू का स्टब्स बो कुलदीप	00	1	0	0
तेजस्वी दहिया बो अक्षर	01	3	0	0
अनुकूल का एवं बो स्टार्क	09	8	1	0
कार्तिक का पटेल बो स्टार्क	00	1	0	0
चक्रवर्ती का पटेल बो एनगिडी	05	5	1	0
सौरभ दुबे नाबाद	04	2	1	0

अतिरिक्त : 05 कुल : 18.4 ओवर में 163 रन पर सभी आउट
गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 3-0-26-2, आकिब नबी 2-0-23-0, लुंगी एनगिडी 3.4-0-27-3, अक्षर पटेल 4-0-38-1, माधव तिवारी 2-0-20-0, कुलदीप यादव 4-0-29-3.

फ्रेंच ओपन: कोस्तयुक ने सीधे सेटों में सेलेखमेतेवा को हराया

एजेंसी ▶▶| पेरिस

मार्टा कोस्तयुक ने रविवार को रोलैंड गैरोस में ओक्साना सेलेखमेतेवा के खिलाफ सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से जीत हासिल की। यह मैच 1 घंटा 18 मिनट तक चला। कोस्तयुक ने यह जीत तब दर्ज की, जब उन्हें कुछ घंटों पहले ही कीव में उनके परिवार के घर से महज 100 मीटर की दूरी पर एक मिसाइल गिरने की खबर मिली थी।

मैच के बाद कोस्तयुक ने कहा, मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मिसाइल मेरे घर के इतने करीब गिरी, और शायद इसी वजह से यह मेरे लिए सबसे ज्यादा भावुक पल था। जाहिर है, कुछ दिन अच्छे होते हैं और कुछ बुरे, लेकिन हां, मैं कहूंगी कि यह दिन मेरे जीवन के तीन सबसे बुरे दिनों में से एक था।

ज्वेरेव की दूसरे दौर में एंट्री, बोंजी को हराया

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने पेरिस के क्ले कोर्ट पर फ्रांसीसी खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी 6-3, 6-4, 6-2 से मात दी। यह मुकाबला 2 घंटे 8 मिनट तक चला। ज्वेरेव ने पूरे मैच के दौरान बेसलाइन से खेल को नियंत्रित किया और अपनी जोरदार सर्विस और लगातार ग्राउंडस्ट्रोक्स का इस्तेमाल करते हुए बोंजी पर दबाव बनाए रखा और रोलांड गैरोस में अगले दौर में आराम से जगह बना ली। अलेक्जेंडर ज्वेरेव को पेरिस के क्ले कोर्ट पर लंबे समय से सफलता मिलती रही है।

प्रणवी 17वें स्थान पर खिसकीं, 20वें स्थान पर दीक्षा

रबात। भारत की प्रणवी उर्स लेला मरयम कप गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम दिन संयुक्त रूप से 17वें स्थान पर खिसक गईं जबकि दीक्षा डागर संयुक्त 20वें स्थान पर रहीं। टूर्नामेंट में प्रणवी ने 70, 71 और 74 के स्कोर से कुल चार अंडर का स्कोर बनाया जबकि दीक्षा (75, 70 और 71) का कुल स्कोर तीन अंडर रहा। प्रणवी ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी और पहले दौर में बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर थीं। दूसरे दिन के खेल के बाद भी वह शीर्ष 10 में बरकरार थीं। अंतिम दौर में हालांकि एक ओवर 74 के स्कोर से प्रणवी संयुक्त 17वें स्थान पर खिसक गईं। इससे पहले अवनि प्रशांत और हिताषी बक्शी कट हासिल करने में नाकाम रहे। कनाडा की अन्ना हुआंग ने अंतिम दौर में सात अंडर 66 के स्कोर से एक शॉट के अंतर से खिताब जीता। अंतिम दौर की शुरुआत से पहले 17 साल की हुआंग शीर्ष पर चल रहीं केल्सी बेनेट से छह शॉट पीछे थीं लेकिन अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 अंडर के कुल स्कोर से खिताब जीतने में सफल रहीं।

बायर्न म्यूनिख ने जीता जर्मन कप

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

स्टार फुटबॉलर हैरी केन की हैट्रिक की मदद से बायर्न म्यूनिख ने मौजूदा चैंपियन स्टटगार्ट को 3-0 से हराकर जर्मन कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता और इस तरह से वर्तमान सत्र में घरेलू टूर्नामेंट जीतने का डबल पूरा किया। केन की दूसरे हाफ में बनाई गई हैट्रिक ने बायर्न के प्रशंसकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया। इस बीच दोनों टीम के प्रशंसकों ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए जर्मन फुटबॉल महासंघ (डीएफबी) के विरोध में नारे भी लगाए। केन ने 55वें मिनट में माइकल ओलिस के क्रॉस पर हेडर से पहला गोल किया। इससे बायर्न के प्रशंसकों ने आतिशबाजी शुरू कर दी। इससे काफी धुआं हो गया और खेल रोकना पड़ा।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट आज से ओस्लो में होगा शुरू

खिताबी सूखे को खत्म करने उतरेगा भारतीय दल

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

विश्व चैंपियन गुकेश सोमवार से शुरू हो रहे प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के जरिए विश्व चैंपियनशिप में खिताब की रक्षा के अपने अभियान से पहले लय हासिल करने के इरादे से उतरेंगे जबकि एलीट खिलाड़ियों की मौजूदगी में उनके धैर्य और कौशल की परीक्षा होगी। टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन भी हिस्सा ले रहे हैं। गुकेश और प्रज्ञानानंदा की मौजूदगी में भारतीय दल टूर्नामेंट में खिताब के अपने सूखे को खत्म करने की कोशिश करेगा। प्रतियोगिता के ओपन और महिला वर्ग में दुनिया के छह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे। प्रतियोगिता में चार खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। गुकेश और प्रज्ञानानंदा ओपन वर्ग में शिरकत करेंगे तो वहीं महिला वर्ग में कोनेरु हंपी और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख हिस्सा लेंगी।

- हंपी और दिव्या लेंगी हिस्सा

तैयार नजर आ रहे प्रज्ञानानंदा

दूसरी तरफ प्रज्ञानानंदा बुखारेस्ट में हाल ही में खत्म हुए सुपरबेट चेस क्लासिक में कीमर, सो और फिरोजा जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार मुकाबलों की एक श्रृंखला के बाद इस चुनौती के लिए बेहतर तैयार नजर आ रहे हैं।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं चुनौती

भारतीय खिलाड़ियों के लिए हालांकि चुनौती आसान नहीं होगी। ओपन वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन के अलावा फ्रांस के स्टार अलीरेज फिरोजा, जर्मनी के विन्सेंट कीमर और अमेरिका के अनुभवी वेस्ली सो जैसे दिग्गज भी हिस्सा ले रहे हैं। महिलाओं के वर्ग में पांच बार की विश्व चैंपियन जू वेनजुन, गत चैंपियन अन्ना मुजिचुक, गत विश्व ब्लिट्ज चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा और चीन की उभरती हुई स्टार झू जिनर से हंपी और दिव्या को कड़ी चुनौती मिलेगी।

गुकेश पर उम्मीदों का भारी बोझ

गुकेश इस टूर्नामेंट में उम्मीदों के भारी बोझ के साथ उतरे हैं। उन्हें उस खिलाड़ी के तौर पर देखा जा रहा है, जो नार्वे शतरंज पर कार्लसन की मजबूत पकड़ को चुनौती दे सकता है। स्थानीय खिलाड़ी कार्लसन यहां सात बार के चैंपियन हैं। गुकेश के लिए मौजूदा सत्र औसत प्रदर्शन वाला रहा है। यह भारतीय इस प्रतियोगिता को इस साल के आखिर में चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ अपने विश्व चैंपियनशिप खिताब के बचाव की तैयारी के तौर पर देखेगा। अभी विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज गुकेश पोलैंड में हुए ग्रैंड चेस टूर के सुपर रेपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में निराशाजनक छठे स्थान पर रहने के बाद ओस्लो पहुंचे हैं।

प्रणति नायक का शानदार प्रदर्शन, जीता रजत पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की प्रणति नायक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ताशकंद में एफआईजी वर्ल्ड चैलेंज कप में महिला वॉल्ट स्पर्धा में रजत पदक जीता। एशियाई चैंपियनशिप में तीन बार पदक जीत चुकी ओडिशा की 31 वर्षीय प्रणति ने फाइनल में अपने दो वॉल्ट में क्रमशः 12.950 और 12.700 अंक बनाकर कुल 13.025 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

वियतनाम की थी क्विन्ह न्हु गुयेन ने 13.375 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उज्बेकिस्तान की शाखिनाबोनू यूसुफोवा ने 12.950 के स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारत की एक अन्य खिलाड़ी प्रोतिस्था सामंता 12.850 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं।

जब हम शादी की बात करते हैं तो अक्सर एक पति और एक पत्नी का मिलन ही सोचते हैं। लेकिन, भारत में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां एक महिला कई पतियों के साथ वैवाहिक जीवन बिताती है। यह बहुपति प्रथा मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले, लाहौल-स्पीति, जौनसार-बावर (उत्तराखंड) और लद्दाख के कुछ इलाकों में देखी जाती है।

7 पति रख सकती है महिला, हर किसी को देती है बराबर का हक

शिमला। यहां महिलाएं 2 से 7 भाइयों तक से शादी कर सकती हैं और सभी पतियों को बराबर का अधिकार और प्यार देती हैं। यह परंपरा महाभारत काल से जोड़ी जाती है। जैसे द्रौपदी पांच पांडवों की पत्नी थीं, उसी तरह किन्नौर क्षेत्र के लोग खुद को पांडवों का वंशज मानते हैं। हालांकि, यह ऐतिहासिक दावा विवादास्पद है, लेकिन परंपरा आज भी कुछ गांवों में चली आ रही है।

किन्नौर हिमाचल प्रदेश का एक दूरस्थ ट्रांस-हिमालयन जिला है, जो तिब्बत की सीमा से लगा हुआ है। यहां फ्रेटरनल पॉलीएंड्री (भ्रातृ बहुपति प्रथा) सबसे आम है, यानी एक महिला कई भाइयों से शादी करती है। इसका उद्देश्य मुख्य रूप से जमीन और संपत्ति को बंटने से बचाना है। अगर अलग-अलग शादी होती तो खेती की छोटी-छोटी जोत हो जाती, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर पड़ जाती।

क्षेत्र के लोग खुद को पांडवों का वंशज मानते हैं

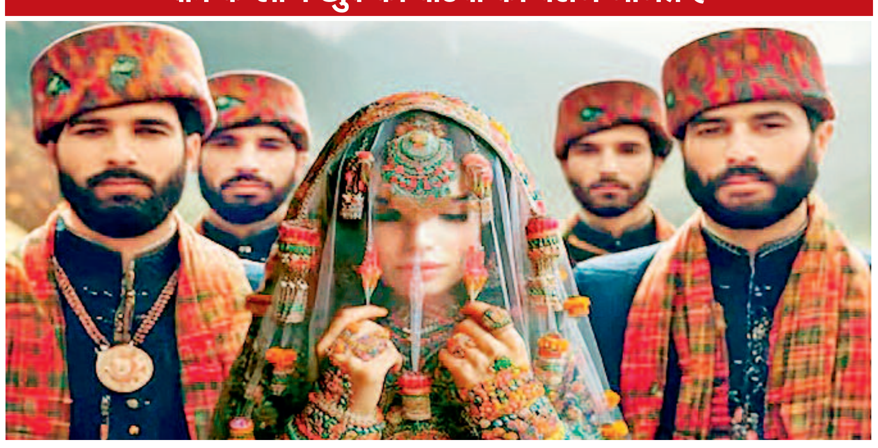

बहुपति प्रथा की सच्चाई

स्थानीय परंपरा के अनुसार, सबसे बड़े भाई की शादी होती है और छोटे भाई भी उसी पत्नी को स्वीकार करते हैं। महिला को सभी पतियों का बराबर सम्मान मिलता है। प्यार और समय को दिन या रात के हिसाब से बांटा जाता है। पति भाइयों में आपस में ईर्ष्या नहीं होती, बल्कि परिवार को एकजुट रखने की भावना होती है। कुछ पुरानी रिपोर्ट्स और अध्ययनों में बताया गया है कि एक महिला के 7 पति तक हो सकते हैं, हालांकि आजकल 2-4 पतियों वाली शादियां ज्यादा आम हैं।

कैसे चलता है परिवार का जीवन?

- **संपत्ति का अधिकारः** सभी भाई एक साथ मालिक होते हैं।
- **बच्चेः** बच्चों को सभी पतियों का बेटा माना जाता है। वंश का नाम बड़े भाई या परिवार के नाम से चलता है।
- **दैनिक जीवनः** पत्नी घर की मुख्य व्यवस्था संभालती है। पति अलग-अलग कामों में लगे रहते हैं– खेती, व्यापार या नौकरी।
- **सामाजिक स्वीकृतिः** गांव की पंचायत और रीति-रिवाज इस प्रथा को मान्यता देते हैं। शादी में विशेष अनुष्ठान होते हैं।

महिलाओं की स्थिति

इस प्रथा में महिलाओं को घर में काफी अधिकार मिलता है। वे फैसले लेने में भाग लेती हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी संभालती हैं। कई अध्ययनों में कहा गया है कि यहां महिलाओं की स्थिति अन्य पहाड़ी इलाकों की तुलना में बेहतर होती है, क्योंकि उन्हें कई पतियों का सपोर्ट मिलता है। हालांकि, आधुनिक समय में युवा पीढ़ी इस प्रथा के खिलाफ है और मोनोगमी (एक पति-एक पत्नी) की ओर झुक रही है। अन्य क्षेत्र जहां प्रथा मौजूद है, उसमें जौनसार-बावर (उत्तराखंड) शामिल है। यहां भी पॉलीएंड्री देखी जाती है। इसके अलावा लद्दाख और जांस्कर, तमिलनाडु के टोडा जनजाति और हिमाचल के सिरमौर जिले में भी ऐसे मामले देखे गए हैं।

रोचक खबरें

ये कैसी सब्जी मंडी, जहां सब्जियों की तरह बिक रहे जिंदा चूहे

बीजिंग। सोशल मीडिया पर इन दिनों चीन से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। इस वीडियो में एक ऐसा बाजार दिखाई दे रहा है, जो आमतौर पर देखने को नहीं मिलता। जहां भारत में सड़कों और गलियों में ठेलों पर सब्जियां बिकती हैं, वहीं इस क्लिप में सड़क किनारे जिंदा चूहे बिकते नजर आ रहे हैं। लोग बड़ी सहजता से उन्हें चुनते और खरीदते दिखाई दे रहे हैं, मानो यह कोई सामान्य रोजमर्रा की चीज हो। वीडियो में कई महिलाएं भी दिखाई देती हैं, जो ध्यान से चूहों को देखकर उनमें से बेहतर चुन रही हैं। यह दृश्य खासतौर पर भारतीय दर्शकों के लिए काफी अलग और चौंकाने वाला है, क्योंकि यहां इस तरह खुलेआम जिंदा चूहों की बिक्री आम बात नहीं है। यही वजह है कि यह वीडियो तेजी से लोगों का ध्यान खींच रहा है और हर कोई इसे देखकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। कुछ यूजर्स ने इसे मजाकिया अंदाज में लिया और तरह-तरह की टिप्पणियां कीं। किसी ने इसे अजीब परंपरा बताया, तो किसी ने कहा कि अलग-अलग देशों की खान-पान की आदतें भी अलग होती हैं, इसलिए वहां के लोगों के लिए यह सामान्य हो सकता है। वहीं, कई लोगों ने यह सवाल भी उठाया कि आखिर इन चूहों का इस्तेमाल किस लिए किया जाता है। इस तरह के वीडियो हमें यह भी याद दिलाते हैं कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जीवनशैली, खान-पान और बाजारों का तरीका एक-दूसरे से काफी अलग हो सकता है। जो चीज एक देश में असामान्य लगती है, वह दूसरे स्थान पर सामान्य हो सकती है।

कोड के लिए बना दिया गया एक थियोरिटिकल देश, किसी भी नक्शे में नहीं है मौजूद !

नई दिल्ली। दुनिया में किताबें पढ़ने वाले करोड़ों लोग हैं। हर कोई अपनी पसंदीदा किताब को बार-बार पढ़ता है और नई किताबों का इंतजार करता रहता है। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि ये सारी किताबें आती कहां से हैं? एक अनोखा और मजेदार जवाब है– बुकलैंड। यह दुनिया का वो देश है जहां हर एक किताब लिखी जाती है। लेकिन, सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि बुकलैंड किसी भी नक्शे, ग्लोब या गुगल मैप पर मौजूद नहीं है। बुकलैंड एक थियोरिटिकल यानी सैद्धांतिक देश है। यह वास्तविकता में नहीं, बल्कि किताब प्रेमियों की कल्पना में बसता है। लेखकों, कवियों और कहानीकारों के अनुसार जब भी कोई नई कहानी, उपन्यास या ज्ञान की किताब लिखी जाती है तो उसका जन्म बुकलैंड में ही होता है। यहां कल्पना की कोई सीमा नहीं है। यहां विज्ञान, रोमांच, रहस्य, इतिहास, फंतासी – हर तरह की किताबें तैयार होती है। दरअसल, दुनिया के हर एक चीज के ऊपर एक बारकोड बना होता हैं। उसके आधार पर पता चलता है कि आइटम किस देश में बना है। हर देश का अपना यूनिक कोड होता है। लेकिन, किताब के मामले में उसे एक देश का बताना उचित नहीं था। ऐसे में एक्सपर्ट्स ने एक इमेजिनरी देश बुकलैंड बनाया और उसे एक कोड दे दिया। यही वजह है कि दुनिया की हर किताब के बारकोड में इसी देश का कोड इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में बड़ी समस्या सॉल्व हो गई। लेकिन, ये देश असल में मौजूद नहीं है। बुकलैंड की अवधारणा कई दशकों पुरानी है। किताब प्रेमी इसे 'दुनिया का सबसे अमीर देश' मानते हैं, क्योंकि यहां ज्ञान का खजाना भरा पड़ा है। इस देश की राजधानी 'स्टोरीविले' है, जहां लेखक अपनी कहानियों को आकार देते हैं। यहां की सड़कें शब्दों से बनी हैं, नदियां स्याही की बहती हैं और पहाड़ कागज के बने होते हैं। यह सब कल्पना है, लेकिन किताबों के शौकीनों के लिए यह जिंदगी से भी ज्यादा सच्चा लगता है।

समग्र विकास

शहरों से ज्यादा सुविधाओं से भरा है ये गांव

भारत का एडवांस गांव, हर घर में एसी-कूलर, नहीं आता बिजली बिल!

नई दिल्ली। भारत के कई गांव आज भी बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। घंटों लोडशेडिंग, महंगे बिल और बार-बार कटौती आम बात है। गांव तो छोड़िये, शहरों में भी ये समस्या आम है। लेकिन, महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक छोटा सा गांव इस तस्वीर को पूरी तरह बदल रहा है।

इस गांव का नाम है मान्याचीवाड़ी। ये गांव महाराष्ट्र का पहला 100% सोलर पावर्ड गांव बन चुका है। यहां हर घर में बिजली है, एसी-कूलर चलते हैं, टीवी और फ्रिज चलते हैं, लेकिन बिजली का बिल शून्य आता है। पाटन तहसील में बसा ये गांव मात्र 420 लोगों की आबादी वाला है। लेकिन, इस गांव की सुविधाओं ने इसे शहरों से भी आगे कर दिया है।

सबसे एडवांस गांव

गांव में कुल 102 घर हैं और हर घर की छत पर सोलर पैनल लगे हुए हैं। कुल 102 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन गांव की पूरी बिजली जरूरत पूरी करते हैं। स्कूल, ग्राम पंचायत कार्यालय, आंगनवाड़ी, स्ट्रीट लाइट्स, पानी की सप्लाई और सीसीटीवी कैमरे भी सोलर एनर्जी पर चलते हैं। सवाल है कि ये सब कैसे हुआ? कुछ साल पहले गांव में अक्सर बिजली कटौती होती थी। महिलाओं ने आगे बढ़कर इसे बदलने का फैसला लिया। ग्राम पंचायत की मदद से और पीएम सूर्य घर योजना के तहत हर घर पर सोलर पैनल लगाए गए। आज गांव ना सिर्फ अपनी जरूरत पूरी करता है, बल्कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट का बेहतरीन उदाहरण बन गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस गांव का उद्घाटन और सराहना की है।

गांव की खास सुविधाएं

मान्याचीवाड़ी सिर्फ सोलर के लिए नहीं, बल्कि समग्र विकास के लिए मशहूर है। 2001 में ग्राम पंचायत बनने के बाद से गांव को 76 अवॉर्ड मिल चुके हैं। यहां की कुछ अनोखी सुविधाएं इस प्रकार हैं:

- **जानवरों के लिए ब्यूटी पार्लरः** पशुओं की सफाई और देखभाल के लिए खास व्यवस्था।
- **गुटका थूकने के लिए वॉश बेसिनः** सड़कों पर लगे वॉश बेसिन ताकि लोग थूककर मुंह धो सकें और गांव साफ रहे।
- **लड़कियों के लिए सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनः** स्कूल और पब्लिक जगहों पर लगी मशीनें।

- **स्कूलों में पार्कः** बच्चों के खेलने के लिए आधुनिक पार्क।
- **सीसीटीवी निगरानीः** पूरे गांव में सुरक्षा के लिए कैमरे।
- **वेस्ट मैनेजमेंट और ड्रेनेजः** वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन और पानी की निकासी।
- **24 घंटे पानी की सप्लाईः** लगातार स्वच्छ पानी उपलब्ध।

महिलाओं की भागीदारी यहां सबसे मजबूत है। गांव की महिलाएं ही इस बदलाव की मुख्य प्रेरणा बनी। वे ना सिर्फ सोलर प्रोजेक्ट में शामिल हुईं, बल्कि स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य अभियानों का भी नेतृत्व कर रही हैं।

कागज का शहर कहलाता ये जिला, यहां मिलता है सबसे सस्ता कागज!

नई दिल्ली। कागज बनाने के लिए मुख्य रूप से लकड़ी के गूदे, पौधों के रेशों और सेल्यूलोज का उपयोग किया जाता है। इतना ही नहीं पुराने कागज, कपड़े और अन्य अपशिष्ट सामग्री को रीसाइकिल करके नया कागज तैयार किया जाता है। यही वजह है कि यहां का उद्योग पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है। कम लागत में उत्पादन होने के कारण यहां तैयार होने वाला कागज अन्य जगहों की तुलना में अधिक सस्ता मिलता है।

जालौन को भारत का 'कागज का शहर' कहा जाता है। यह शहर उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में यमुना और बेतवा नदियों के बीच बसा हुआ है। यहां सदियों से कागज बनाने का काम होता आ रहा है। खास बात यह है कि यहां बने कागज की गुणवत्ता बेहतर होने के साथ-साथ कीमत भी काफी सस्ती मानी जाती है, इसलिए यह शहर देशभर में अपनी अलग पहचान रखता है।

उद्योग से हजारों परिवार जुड़े

इस जिले में कागज उद्योग आजादी से पहले भी काफी प्रसिद्ध था। उस समय यहां बड़े पैमाने पर हस्तनिर्मित कागज तैयार किया जाता था, जिसकी मांग देश के कई हिस्सों में रहती थी. इस उद्योग से हजारों परिवार जुड़े हुए थे और पीढ़ियों से लोग इसी काम को आगे बढ़ाते आ रहे हैं।

विदेशों में भी पेपर की मांग : यहां पर में बनने वाला हस्तनिर्मित कागज अपनी मजबूती और टिकाऊ गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। इस कागज का इस्तेमाल फाइलें बनाने, कलात्मक वस्तुएं तैयार करने, पैकेजिंग और सजावटी उत्पादों में किया जाता है। यहां के कारीगर पारंपरिक तकनीकों का उपयोग करके कागज तैयार करते हैं, जिससे इसकी अलग पहचान बनती है।

दुनिया के वो देश जहां मुस्लिम तो हैं पर एक भी मस्जिद नहीं

नई दिल्ली। दुनिया को अक्सर हम विविधता और धार्मिक स्वतंत्रता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन हकीकत यह भी है कि कुछ देशों में यह आज भी सीमित है। हैरानी की बात यह है कि दुनिया के कुछ हिस्सों में मुस्लिम आबादी मौजूद होने के बावजूद वहां एक भी मस्जिद नहीं है। यानी लोग अपने धर्म को मानते तो हैं, लेकिन उसके लिए आधिकारिक इबादतगाह तक उपलब्ध नहीं है।

मोनाको : यूरोप का बेहद छोटा, लेकिन अमीर देश मोनाको अपनी लग्ज़री लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है। यहां अलग-अलग धर्मों के लोग रहते हैं, लेकिन धार्मिक स्थलों में केवल चर्च ही देखने को मिलते हैं। मुस्लिम समुदाय मौजूद होने के बावजूद यहां मस्जिद का अभाव है और फिलहाल इसके बनने की संभावना भी नजर नहीं आती।

वेटिकन सिटी : दुनिया का सबसे छोटा देश वेटिकन सिटी पूरी तरह कैथोलिक ईसाई धर्म का केंद्र है। यहां अन्य किसी धर्म को मान्यता नहीं दी जाती, इसलिए यहां मस्जिद तो दूर, किसी और धर्म का पूजा स्थल भी मौजूद नहीं है।

उरुग्वे : दक्षिण अमेरिका का शांत देश उरुग्वे भी इस सूची में शामिल है। यहां मुस्लिम आबादी बहुत कम, करीब 1000 के आसपास है। मस्जिद न होने की वजह से लोग मोंटेवीडियो, रिवेरा और एर्टिगस के इस्लामिक सेंटर्स में जाकर इबादत करते हैं।

भारत का इकलौता एयरपोर्ट, जहां से दुनिया के हर कोने के लिए मिलती है फ्लाइट

नई दिल्ली। भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और इसका असर देश के एयरपोर्ट्स पर भी साफ दिखाई देता है। पहले जहां कुछ बड़े शहरों तक ही हवाई सेवाएं सीमित थीं, वहीं अब छोटे शहरों में भी एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं। सरकार की उड़ान योजना और आधुनिक तकनीक की मदद से देश का एविएशन सेक्टर दिन-प्रतिदिन मजबूत हो रहा है। आज भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में गिना जाता है। भारत में करीब 164 से 165 एयरपोर्ट ऑपरेशनल हैं, यह किसी भी एक देश में एयरपोर्ट की बहुत बड़ी संख्या है। जिनमें इंटरनेशनल, डोमेस्टिक और छोटे क्षेत्रीय एयरपोर्ट शामिल हैं।

कौन सा है भारत का सबसे खास एयरपोर्ट?

हम बात कर रहे हैं दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे यानी इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा की। यह भारत का सबसे बड़ा और सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट से दुनिया भर के करीब 150 जगहों के लिए उड़ानें उपलब्ध हैं। हाल ही में बैंकॉक-डॉन मुआंग के लिए शुरू हुई नई फ्लाइट के बाद दिल्ली एयरपोर्ट ने यह खास उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बन गया, जो दुनिया के 150 स्थानों से सीधा जुड़ चुका है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com